GSSCORE

An Institute for Civil Services

UPSC

विस्तृत पाठ्यक्रम

सूक्ष्म विषय सूची

(प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा हेतु)

आई०ए०एस० 2023-24

www.iasscore.in

GS SCORE

An Institute for Civil Services

OUR CLASSROOM & ONLINE COURSES

GS FOUNDATION

- ☑ 1 Year IAS Foundation
- ☑ 3 & 2 Year IAS Foundation
- ☑ GS Mains Foundation

OPTIONAL FOUNDATION

- ☑ Political Science
- ☑ History
- ☑ Geography
- ☑ Public Administration
- ☑ Anthropology

MAINS COURSES

- ☑ GS Mains Advance
- ☑ Applied GS
- ☑ Ethics Integrity & Aptitude
- ☑ Essay Writing
- ☑ GS Paper 2
- ☑ GS Paper 3

TEST SERIES

- ☑ Prelims Test Series
- ☑ GS Mains Test Series
- ☑ Essay Test Series
- ☑ Ethics Test Series
- ☑ Optional Test Series
  - ◉ Political Science
  - ◉ Geography
  - ◉ History
  - ◉ Public Administration
  - ◉ Anthropology
  - ◉ Sociology

Visit: www.iasscore.in

इतिहास

प्राचीन इतिहास

1. भारत में प्रागैतिहासिक संस्कृतियां

- प्रागैतिहासिक काल के स्रोत ☐
- भारतीय प्रागैतिहासिक काल की अवधि ☐
- पाषाण काल ☐
- पुरापाषाण काल (20 लाख ईसा पूर्व – 10,000 ईसा पूर्व) ☐
- मध्य पाषाण काल (10,000 ईसा पूर्व – 8,000 ईसा पूर्व) ☐
- नवपाषाण काल (8000 ईसा पूर्व – 4000 ईसा पूर्व) ☐
- ताम्रपाषाण युग (4000 ईसा पूर्व – 1500 ईसा पूर्व) ☐
- लौह युग (1500 ईसा पूर्व–200 ईसा पूर्व) ☐
- लोहे का प्रभाव ☐

2. चरवाहा और कृषक समुदाय

- नवपाषाण काल ☐
- ताम्रपाषाण काल ☐
- प्रारंभिक लौह युग ☐
- भौगोलिक वितरण और विशेषताएं ☐

3. सिंधु घाटी सभ्यता

- हड़प्पा सभ्यता या सिंधु घाटी सभ्यता ☐
- प्रमुख शहरों का नगर नियोजन ☐
- हड़प्पा आंतरिक और विदेश व्यापार ☐
- कृषि ☐
- जानवरों का पालतू बनाना ☐
- शिल्प ☐
- बाट और माप ☐
- लिपि और भाषा ☐
- हड़प्पा कालीन समाज ☐
- हड़प्पा कालीन धर्म ☐
- हड़प्पा कालीन अर्थव्यवस्था ☐
- हड़प्पा कालीन अंतिम संस्कार प्रणाली ☐
- हड़प्पा कालीन कला और वास्तुकला ☐
- हड़प्पा कालीन संस्कृति का पतन ☐

4. वैदिक कालीन समाज

- आर्यों का मूल घर ☐
- आर्य संस्कृति की विशेषताएं ☐
- वैदिक ग्रंथ और उपनिषद ☐
- वैदिक कालीन समाज और संस्कृति के पुनर्निर्माण के स्रोत ☐
- ऋग्वैदिक काल की भौगोलिक स्थिति और उत्तरवैदिक काल की भौगोलिक स्थिति ☐
- आर्थिक स्थिति ☐
- राजनीतिक संगठन और राजशाही का विकास ☐
- सामाजिक संगठन और वर्ण व्यवस्था ☐
- धर्म और विचार ☐

5. पूर्व मौर्य काल

- द्वितीय शहरीकरण का युग ☐
- राज्यों का गठन ☐
- सोलह महाजनपद ☐

- गण संघ या गणतंत्र ☐
- शहरी केंद्रों का उदय ☐
- सिक्कों का विकास ☐
- हर्यंक राजवंश ☐
- शिशुनाग वंश ☐
- नंद वंश ☐

6. जैन धर्म और बौद्ध धर्म का विकास

- जैन धर्म ☐
- बौद्ध धर्म ☐

7. मौर्य साम्राज्य

- चंद्रगुप्त और बिंदुसार ☐
- अर्थशास्त्र ☐
- मेगस्थनीज ☐
- अशोक और उसके उत्तराधिकारी ☐
- अशोक के शिलालेख और स्थल ☐
- अशोक का धम्म ☐
- मौर्य प्रशासन, अर्थव्यवस्था, समाज और कला ☐
- मौर्य वंश का पतन ☐

8. मौर्योत्तर भारत (ईसा पूर्व 200–ईसवी 300)

- हिंद–यवन, शक, पार्थियन और कुषाण का आगमन ☐
- बाहरी दुनिया के साथ वाणिज्यिक संपर्क ☐
- सातवाहन और अन्य स्वदेशी राजवंश ☐
- समाजः जातियों का विकास ☐
- संगम ग्रंथ–और समाज ☐
- कला के केंद्रः गांधारय मथुरा य अमरावती ☐

9. गुप्त राजवंश का साम्राज्य

- गुप्त कालीन शासन के स्रोत ☐
- गुप्त कालीन राजनीतिक इतिहास ☐
- फाहियान ☐
- गुप्त कालीन प्रशासन ☐
- कला और संस्कृति का विकास ☐
- गुप्त कालरू स्वर्ण युग का काल ☐
- आर्थिक स्थिति ☐
- गुप्त काल में नगरीय केन्द्र ☐

10. हर्षवर्धन

- हर्ष काल के स्रोत ☐
- हर्ष का प्रारंभिक जीवन ☐
- हर्ष का प्रशासन ☐
- साम्राज्य के महत्वपूर्ण अधिकारी ☐
- हर्ष काल में अर्थव्यवस्था ☐
- ह्वेन सांग ☐
- समाज ☐
- धर्म ☐

11. दक्षिणी भारत के राजवंश

- सातवाहन वंश (230 ईसा पूर्व से 225 ईस्वी तक) ☐
- पल्लव (330–796 ई.) वंश ☐
- चालुक्य (535–1190 ई.) वंश ☐
- मदुरै के पांड्य (590–1323 ई.) वंश ☐
- चोल वंश (850–1310 ई.) ☐
- राष्ट्रकूट (753–973 ई.) वंश ☐

मध्यकालीन इतिहास

1. मध्य एशियाई राजनीति और भारत की ओर बाबर का बढ़ना

- तैमूर ☐
- तैमूर–उज्बेक और उज्बेक–ईरान युद्ध और बाबर ☐
- बाबर का भारत की ओर अग्रसर होना ☐

2. उत्तर भारत में वर्चस्व के लिए संघर्ष (अफगान, राजपूत और मुगल)

- इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच युद्धः पानीपत की लड़ाई ☐

- पानीपत की लड़ाई के बाद बाबर की समस्याएं ☐
- राणा सांगा के साथ युद्ध ☐
- पूर्वी क्षेत्रों की समस्याएं और अफगान ☐
- बाबर का योगदान और भारत में उसके आगमन का महत्व ☐

3. उत्तर भारत में वर्चस्व के लिए संघर्ष

- हुमायूं और अफगान ☐
- हुमायूं की प्रारंभिक गतिविधियां, और बहादुर शाह के साथ संघर्ष ☐
- गुजरात का सैन्य अभियान ☐
- बंगाल का सैन्य अभियान और शेर खान के साथ संघर्ष ☐

4. उत्तर भारतीय साम्राज्य की स्थापना

- सूर वंश ☐
- शेर शाह का प्रारंभिक जीवन ☐
- बिहार की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि और सत्ता में शेरशाह का उदय ☐
- सूर साम्राज्य (1540–56) ☐
- शेरशाह का योगदान ☐

5. साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण और विस्तार – अकबर

- अफगानों के साथ संघर्ष – हेमू ☐
- अभिजात वर्ग के साथ संघर्षः बैरम खान का दरबारी प्रशासन; ☐
- उज्बेक रईसों का विद्रोह ☐
- साम्राज्य का प्रारंभिक विस्तार (1560–76) – मालवा, गढ़–कटंगा, राजस्थान, गुजरात, पूर्वी भारत ☐
- राजपूतों के साथ संबंध – एक मिश्रित शासक वर्ग का विकास ☐
- विद्रोह और उत्तर पश्चिम में साम्राज्य का और विस्तार ☐

6. अकबर के अधीन राज्य और सरकार

- अकबर की आधिपत्य की अवधारणा ☐
- सरकार की संरचना, केंद्रीय और प्रांतीय – विकलात, केंद्रीय मंत्रालय, प्रांतीय सरकार, जिला और स्थानीय सरकार ☐
- सरकार की कार्यप्रणाली–शासक, भू–राजस्व व्यवस्था, दहसाला व्यवस्था, मनसबदारी प्रणाली और सेना ☐

7. अकबर के धार्मिक विचार

- उलेमाओं के साथ संबंध और सामाजिक सुधार ☐
- प्रारंभिक चरण (1556–73) ☐
- दूसरा चरण (1573–80) – इबादत खाना ☐
- वाद–विवाद – महजर – रूढ़िवादिता से टकराव ☐
- उलेमा – मदद–ए–माश अनुदानों की पुनर्संचरना ☐
- तीसरा या अंतिम चरण– दीन–ए–इलाही –राज्य की नीतियां और धार्मिक सहिष्णुता ☐

8. दक्कन और मुगल (1657 तक)

- दक्कनी राज्य 1595 तक ☐
- दक्कन की ओर मुगलों का बढ़ना ☐
- बरार, खानदेश और अहमदनगर के कुछ हिस्सों की मुगल विजय ☐
- मलिक अंबर का उदय, और एकीकरण पर मुगलों के प्रयास की निराशा (1601–27) ☐
- अहमदनगर का विलुप्त होना, बीजापुर और गोलकुंडा द्वारा मुगल आधिपत्य की स्वीकृति ☐
- शाहजहाँ और दक्कन (1636–57) ☐
- दक्कनी राज्यों का सांस्कृतिक योगदान ☐

9. मुगलों की विदेश नीति

- अकबर और उज्बेक ☐
- कंधार का प्रश्न और ईरान के साथ संबंध ☐
- शाहजहाँ का बल्ख अभियान ☐
- मुगल – ईरान संबंध – अंतिम चरण ☐

10. सत्रहवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारत

- जहाँगीर का राज्याभिषेक – उसकी प्रारंभिक कठिनाइयाँ ☐
- क्षेत्रीय एकीकरण और साम्राज्य का विस्तार – मेवाड़, पूर्वी भारत और कांगड़ा ☐
- नूरजहाँ और नूरजहाँ 'जुंटा' ☐

- शाहजहाँ के दौर में विद्रोह और महाबत खान का तख्तापलट ☐
- जहाँगीर एक शासक के रूप में ☐
- सत्रहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में राज्य और धर्म ☐
- शाहजहाँ – साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण और विस्तार ☐
- मुगल शासक वर्ग और मनसबदारी व्यवस्था का विकास ☐

11. औरंगजेब – धार्मिक नीतियां, उत्तर भारत और राजपूत

- उत्तराधिकार का युद्ध ☐
- धार्मिक नीति : प्रथम चरण (1658–79) ☐
- सुधार और शुद्धतावादी उपाय, हिंदू मंदिर, जजिया, दूसरा चरण (1679–1707) ☐
- क्षेत्रीय एकीकरण और साम्राज्य का विस्तार – उत्तर भारत ☐
- लोकप्रिय विद्रोह – जाट, सतनामी, अफगान और सिख ☐
- मारवाड़ और मेवाड़ के साथ दरार ☐

12. मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष और संकट– मराठा और दक्कन

- मराठों का उदय – शिवाजी का प्रारंभिक चरण ☐
- पुरंदर की संधि – आगरा यात्रा ☐
- शिवाजी का स्वराज्य – प्रशासन और उपलब्धियां ☐
- औरंगजेब और दक्कनी राज्य (1658–87) ☐
- मराठा और दक्कन (1687–1707) ☐
- औरंगजेब और जागीरदारी संकट का आकलन ☐

13. समाज–संरचना और विकास

- ग्रामीण समाज ☐
- कस्बे और कस्बे का जीवन ☐
- कारीगर और निपुण शिल्पकार ☐
- महिला ☐
- नौकर और दास ☐
- जीवन स्तर ☐
- शासक वर्ग – रईस, ग्रामीण रईस ☐
- मध्य स्तर ☐
- वाणिज्यिक वर्ग ☐

14. आर्थिक जीवन–पैटर्न और संभावनाएं

- अंतर्देशीय व्यापार ☐
- विदेशी व्यापार – विदेशी व्यापार की भूमिका ☐
- कंपनियाँ – भूमि व्यापार पर भारतीय व्यापारियों की स्थिति ☐
- मुगल राज्य और वाणिज्य ☐
- 18वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भारत की अर्थव्यवस्था ☐

15. धर्म, ललित कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी

- धर्म– हिंदू धर्म, सिख धर्म, इस्लाम ☐
- ललित कला – वास्तुकला, चित्रकला, भाषा और साहित्य, संगीत ☐
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी ☐

16. अठारहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में उत्तरी भारत

- बहादुर शाह प्रथम और वजारत के लिए संघर्ष की शुरुआत– राजपूत मामले– मराठा और दक्कन – अलग–अलग पक्षों द्वारा बगावत का सुर ☐
- 'नई' वजारत के लिए संघर्षः जुल्फिकार खान और जहांदार शाह (1712–13) ☐
- 'नई' वजारत के लिए सैय्यद बंधुओं का संघर्ष ☐
- सैय्यद 'नया' वजारत ☐
- एम. अमीन खान और निजाम–उल–मुल्क की वजारत ☐
- क्षेत्रीय राज्यों का उदय, भारत के विदेशी आक्रमणों की शुरुआत (1725–48) ☐

17. वर्चस्व के लिए मराठाओं का अभियान

- मराठा और उनकी विस्तार की नीति ☐
- मराठा और निजाम–उल–मुल्क ☐
- मराठों का गुजरात और मालवा अग्रसन ☐
- मराठों का दोआब और पंजाब में आगे बढ़ना
  प्रथम चरण (1741–52) दूसरा चरण (1752–61) ☐
- पानीपत की तीसरी लड़ाई ☐

आधुनिक इतिहास

1. 1857 से पहले का परिदृश्य

- उत्तरकालीन मुगल ☐
- 18वीं शताब्दी में क्षेत्रीय शक्तियां ☐
- भारत पर ब्रिटिश विजय ☐
- कर्नाटक युद्ध ☐
- प्लासी और बक्सर की लड़ाई ☐
- आंग्ल–मैसूर युद्ध ☐
- आंग्ल पंजाब युद्ध ☐
- 1857 से पहले का ब्रिटिश प्रशासन ☐
- ब्रिटिश आर्थिक नीति ☐

2. 1857 का विद्रोह

- 1857 के विद्रोह के कारण ☐
- 1857 के विद्रोह के नेता ☐
- 1857 के विद्रोह का दमन ☐
- 1857 के विद्रोह की प्रकृति ☐
- 1857 के विद्रोह के परिणाम ☐

3. प्रारंभिक राष्ट्रवाद

- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1858–1905) ☐
- प्रारंभिक राष्ट्रवादी और स्वदेशी आंदोलन ☐
- भारत सरकार अधिनियम 1909 ☐
- होम रूल लीग आंदोलन ☐

4. स्वराज के लिए संघर्ष

- मोंटेगू की घोषणा – अगस्त 1917 ☐
- एक जन नेता के रूप में गांधी का उदय ☐
- खिलाफत और असहयोग आंदोलन ☐
- स्वराज पार्टी ☐
- क्रांतिकारी अतिवाद चरण II (1920) ☐
- साइमन कमीशन और नेहरू रिपोर्ट ☐

5. स्वतंत्रता की मांग

- सविनय अवज्ञा आंदोलन ☐
- गोलमेज सम्मेलन ☐
- पूना समझौता ☐
- भारत सरकार अधिनियम 1935 ☐
- त्रिपुरी अधिवेशन – 1939 ☐
- अगस्त प्रस्ताव ☐
- व्यक्तिगत सत्याग्रह 1940–41 ☐

6. स्वतंत्रता प्राप्ति की ओर

- रियासतों में संघर्ष ☐
- द्वितीय विश्व युद्ध और राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया ☐

7. भारत का विभाजन

- सांप्रदायिकता का उदय ☐
- वेवेल योजना ☐
- कैबिनेट मिशन योजना ☐
- माउंटबेटन योजना ☐

8. स्वतंत्रता संग्राम के दौरान

- भारतीय पुनर्जागरण/सामाजिक–धार्मिक आंदोलन ☐
- बिटिश काल के नागरिक विद्रोह ☐
- ब्रिटिश काल के दौरान जनजातीय आंदोलन ☐
- ब्रिटिश काल के दौरान किसान आंदोलन ☐
- मजदूर वर्ग आंदोलन (1850–1900) ☐
- साम्प्रदायिकता का विकास ☐
- राष्ट्रीय आंदोलन में वामपंथी और कम्युनिस्ट रुझान ☐
- ब्रिटिश काल के दौरान प्रेस और शिक्षा ☐
- स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका ☐
- भारत के गवर्नर जनरल ☐
- भारत के वायसराय ☐
- महत्वपूर्ण व्यक्ति ☐
- महत्वपूर्ण समाचार पत्र/पत्रिकाएं ☐
- कांग्रेस अधिवेशन ☐

स्वतंत्रता के बाद का भारत

1. राज्यों का पुनर्गठन

- राज्य गठन से संबंधित संवैधानिक प्रावधान ☐
- विलय की ओर ले जाने वाले कारक ☐
- देशी रियासतों का विलय ☐
- फ्रांस और पुर्तगालियों के अधीन राज्यों का विलय ☐
- सिक्किम का विलय ☐
- शरणार्थियों का पुनर्वास ☐
- संघीय संकट ☐
- क्षेत्रीय आकांक्षाएं, विद्रोह और तनाव के क्षेत्र ☐
- समायोजन और राष्ट्रीय एकीकरण ☐

2. भारत में भाषाई क्षेत्रवाद

- संवैधानिक स्थिति और भाषा नीति ☐
- भाषा और क्षेत्रवाद ☐
- हिन्दी के उदय के कारण हालिया विवाद ☐

3. जनजातीय मुद्दा और नीति समेकन

- मुद्दे और वर्तमान स्थिति ☐
- नीति समेकन ☐

4. महिलाओं का मुद्दा और महिला आंदोलन का विकास

- मुद्दे और चुनौतियाँ ☐
- महिला आंदोलन ☐
- सरकार की नीति,प्रतिक्रिया और कानून ☐
- सरकारी योजनाएं ☐

5. जाति और सामाजिक समेकन की समस्या

- भारत में जाति प्रथाएं ☐
- आंबेडकर आंदोलन ☐
- संवैधानिक प्रावधान ☐
- अनुसूचित जातियों के उद्धार के लिए हाल की सरकार की पहल ☐
- हाथ से मैला उठाने की समस्या ☐

6. सांप्रदायिकता और सामाजिक समेकन

- धर्मनिरपेक्षता ☐
- भारत में साम्प्रदायिकता के कारण ☐
- साम्प्रदायिकता और सामाजिक समेकन के परिणाम ☐

7. भाषाई अल्पसंख्यकों की समस्या

- परिचालन अक्षमता ☐
- सरकार की पहल ☐

8. आजादी के बाद से आर्थिक विकास का अवलोकन

- भारत में योजना ☐

9. कृषि

- उद्योग ☐
- सेवा क्षेत्रक ☐
- भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने वर्तमान चुनौतियाँ ☐
- कृषि ☐
- पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से यात्रा ☐
- भूमि सुधार ☐
- हरित क्रांति के बाद के कृषि मुद्दे ☐
- कृषि आंदोलन ☐
- स्वतंत्रता के बाद से कृषि में उपलब्धियां ☐
- हाल की चुनौतियाँ ☐

10. उद्योग

- स्वतंत्रता के बाद से औद्योगिक विकास ☐
- स्वतंत्रता के बाद से सार्वजनिक क्षेत्रक ☐
- क्षेत्रकवार विकास ☐
- स्वतंत्रता के बाद से निजी क्षेत्रक ☐
- आजादी के बाद से औद्योगिक नीति ☐
- मेक इन इंडिया ☐

11. नई आर्थिक नीति

- नई आर्थिक नीति का प्रभाव ☐

12. स्वतंत्रता के बाद विज्ञान और प्रौद्योगिकी की नीति

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की नीति ☐
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास के लिए संस्थागत ढांचा ☐
- सुधार पूर्व अवधि में विज्ञान और प्रौद्योगिकी ☐
- भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आर्थिक सुधार का प्रभावः विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नई नीतिगत पहल ☐
- कौशल प्रशिक्षण का एजेंडा ☐

विश्व इतिहास

1. आधुनिक युग की शुरुआत

- सामंती व्यवस्था का विघटन ☐
- पुनर्जागरण ☐
- मानवतावाद ☐
- कला और वास्तुकला, ☐
- साहित्य ☐
- विज्ञान ☐
- सुधार ☐
- अन्वेषण, खोज, व्यापार ☐
- औपनिवेशीकरण – राष्ट्रीय राज्यों का उदय ☐
- इंग्लैंड क्रांति ☐

2. फ्रांस की क्रांति

- कारण ☐
- फ्रांस में क्रांति ☐
- नेपोलियन के अधीन फ्रांस ☐
- क्रांति का प्रभाव ☐
- क्रांति का महत्व ☐

3. यूरोप में राष्ट्रवाद

- राष्ट्रीय राज्य व्यवस्था का उदय ☐
- इटली का एकीकरण ☐
- जर्मनी का एकीकरण ☐

4. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद

- उपनिवेशवाद ☐
- साम्राज्यवाद का युग (1870–1914) ☐
- एशिया में साम्राज्यवाद ☐
- उपनिवेशवाद का विश्लेषण ☐

5. संयुक्त राज्य अमेरिका का उदय

- अमेरिकी उपनिवेशों की नींव ☐
- संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वतंत्रता ☐
- अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध ☐
- अमेरिकी क्रांति का प्रभाव ☐
- क्रांति के राजनीतिक प्रभाव ☐
- अमेरिका क्रांति ने फ्रांस की क्रांति को कैसे प्रभावित किया? ☐
- अमेरिक में गृहयुद्ध ☐
- संयुक्त राज्य अमेरिका पर गृहयुद्ध का प्रभाव ☐
- अमेरिक में गृहयुद्ध का वैश्विक प्रभाव ☐
- भारत पर प्रभाव ☐

6. प्रथम विश्व युद्ध

- युद्ध के प्रमुख कारण ☐
- युद्ध की स्थिति ☐
- युद्ध की प्रमुख घटनाओं का विश्लेषण ☐
- प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम ☐
- प्रथम विश्व युद्ध के बाद ☐
- राष्ट्र संघ ☐

7. रूसी क्रांति

- क्रांति पूर्व रूस में प्रमुख घटनाएं ☐

- कारण ☐
- क्रांति का मार्ग ☐
- परिणाम ☐
- युद्ध के बाद ☐
- लेनिन उपरांत रूस ☐

8. प्रथम विश्व युद्ध की अवधि (1919 से 1939)

- महामंदी ☐
- महामंदी– एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य ☐
- इटली में फासीवाद का उदय ☐
- जर्मनी में नाजीवाद का उदय ☐
- सोवियत संघ (यूएसएसआर) ☐

9. विश्व युद्ध– II

- युद्ध की नींव ☐
- युद्ध के दौरान ☐
- युद्ध के बाद ☐
- युद्ध का विश्लेषण ☐
- उपनिवेशों की आजादी का चरण ☐

10. मध्य पूर्व में परिवर्तन

- मध्य पूर्व में लोकतांत्रिक सुधार ☐
- अरब राष्ट्रवाद ☐
- इजराइल ☐

11. शीत युद्ध

- कारण ☐
- शीत युद्ध की प्रगति (1945–1953) ☐
- 1953 के बाद किस हद तक परिवर्तन आया? ☐
- परमाणु हथियारों की दौड़ और क्यूबा मिसाइल संकट (1962) ☐

12. शीत युद्ध के बाद की दुनिया

- 1991 से वैश्विक मुद्दे ☐
- यूरोप का एकीकरण ☐
- यूरोपीय एकीकरण– घटनाक्रम ☐
- वैश्विक इस्लामी आतंकवाद का उदय ☐
- चीन का उदय ☐

13. साम्यवाद, समाजवाद और पूंजीवाद

- पूंजीवाद (अवधारणा, प्रकार और उदाहरण) ☐
- साम्यवाद (अवधारणा, प्रकार, उदाहरण) ☐
- वर्तमान युग में पूंजीवाद की प्रासंगिकता ☐
- समाजवाद ☐

भारतीय संस्कृति

1. दृश्य कला

- हड़प्पा सभ्यता की मूर्तियां ☐
- मौर्य काल की मूर्तियां ☐
- मौर्योत्तर काल ☐
- जैन मूर्तिकला ☐
- बौद्ध मूर्तिकला ☐
- गुप्त मूर्तिकला ☐
- मध्यकालीन मूर्तिकला केंद्र ☐
- आधुनिक भारतीय मूर्तिकला ☐

2. प्राचीन भारत में वास्तुकला

- हड़प्पा काल ☐
- मौर्यकालीन वास्तुकला ☐
- मौर्योत्तर काल ☐
- गुप्त काल ☐
- खजुराहो के मंदिर ☐
- ओडिशा के मंदिर ☐
- ग्वालियर के मंदिर ☐
- गुजरात के मंदिर ☐
- राजस्थान के मंदिर ☐
- बंगाल के मंदिर ☐
- असम के मंदिर ☐
- हिमाचल प्रदेश के मंदिर ☐
- जम्मू और कश्मीर के मंदिर ☐

- पल्लव काल ☐
- चोल काल ☐
- पंड्या मंदिर ☐
- विजयनगर काल ☐
- नायक मंदिर ☐
- केरल के मंदिर ☐
- वेसर शैली ☐
- होयसला शैली ☐
- राष्ट्रकूट काल ☐

3. इंडो–इस्लामिक वास्तुकला

- शाही शैली की दिल्ली सल्तनत ☐
- प्रांतीय शैली ☐
- मुगल शैली ☐
- वास्तुकला की सिख शैली ☐
- राजपूत वास्तुकला ☐
- मुख्य विशेषताएं ☐

4. आधुनिक वास्तुकला

- यूरोपीय प्रभाव ☐
- इंडो–सरसेनिक वास्तुकला ☐
- आजादी के बाद की अवधि ☐

5. भारतीय पेंटिंग (चित्रकला)

- भारत में भित्ति चित्रों की परंपरा ☐
- भारत में लघु चित्रों की परंपरा ☐
- दक्कन में पेंटिंग ☐
- राजपूत पेंटिंग शैली ☐
- पहाड़ी पेंटिंग शैली ☐
- दक्षिण भारत में लघु चित्रकला ☐
- क्षेत्रीय पेंटिंग ☐
- आधुनिक पेंटिंग ☐
- समकालीन पेंटिंग ☐

6. भारत में मिट्टी के बर्तनों की परंपरा

- गेरू: रंगीन मिट्टी के बर्तन ☐
- काले और लाल बर्तन ☐
- रंगीन धूसर बर्तन ☐
- उत्तरी काला पॉलिश किया हुआ बर्तन ☐
- चमकदार और गैरचमकीले मिट्टी के बर्तन ☐

7. भारत में संगीत

- भारतीय संगीत के मुख्य स्तंभ ☐
- भारतीय संगीत के रूप ☐
- संगीत वाद्ययंत्र ☐
- संगीत से संबंधित संस्थान ☐

8. भारत में नृत्य

- भारत में नृत्य की अवधारणा ☐
- अष्ट नायिका की अवधारणा ☐
- भारत में आठ शास्त्रीय नृत्य रूप ☐
- लोक नृत्य ☐
- आधुनिक नृत्य ☐

9. भारत में मार्शल आर्ट

- मार्शल आर्ट की उत्पत्ति ☐
- पारंपरिक मार्शल आर्ट के रूप ☐

10. भारतीय रंगमंच

- शास्त्रीय संस्कृत रंगमंच ☐
- क्षेत्रीय रंगमंच ☐
- आधुनिक रंगमंच ☐
- भारतीय रंगमंच का पुनर्जागरण ☐

11. भारतीय कठपुतली

- धागा कठपुतली ☐
- छाया कठपुतली ☐
- छड़ कठपुतली ☐
- दस्ताना कठपुतली ☐
- आधुनिक कठपुतली ☐
- जनजातीय कठपुतली ☐

12. भारतीय सिनेमा

- भारत में सिनेमा ☐
- भारतीय सिनेमा का इतिहास ☐
- भारतीय सिनेमा फिल्म का वर्गीकरण ☐
- भारत का संगीत ☐

13. भारत में धर्म

- पूर्व–वैदिक धर्म ☐
- हिंदू धर्म ☐
- बौद्ध धर्म ☐
- जैन धर्म ☐
- सिख धर्म ☐
- इस्लाम ☐
- ईसाई धर्म ☐
- पारसी धर्म ☐
- यहूदी धर्म ☐
- भारत में दर्शन ☐

14. भक्ति और सूफी आंदोलन

- भक्ति आंदोलन ☐
- वैष्णव आचार्यरू तत्वमीमांसा की स्थापना ☐
- भक्ति आंदोलन के अन्य संत ☐
- महाराष्ट्र धर्म ☐
- सूफीवाद ☐

15. भारत में भाषाएँ और साहित्य

- संस्कृत साहित्य ☐
- पाली साहित्य ☐
- प्राकृत साहित्य ☐
- तमिल साहित्य ☐
- तेलुगु साहित्य ☐
- मलयालम साहित्य ☐
- कन्नड़ साहित्य ☐
- उड़िया साहित्य ☐
- असमिया साहित्य ☐
- बंगाली साहित्य ☐
- गुजराती साहित्य ☐
- राजस्थानी साहित्य ☐
- पंजाबी साहित्य ☐
- मराठी साहित्य ☐
- हिंदी साहित्य ☐
- फारसी साहित्य ☐
- उर्दू साहित्य ☐

16. विविध विषय

- भारतीय हस्तशिल्प ☐
- भारतीय विश्वविद्यालय ☐
- संस्कृति से संबंधित व्यक्तित्व ☐
- सांस्कृतिक रुचि के स्थान ☐
- भारत में मेले और त्यौहार ☐
- भारत में सांस्कृतिक संस्थान ☐
- संस्कृति से जुड़े पुरस्कार और सम्मान ☐
- पंचांग ☐
- युग ☐
- प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी ☐
- भारत में सांस्कृतिक धरोहरों की यूनेस्को सूची ☐
- भारतीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण और संवर्धन से संबंधित कानूनी प्रावधान ☐

17. नवीन घटनाक्रम

- असम के मिया, और उनकी चार–चपोरी संस्कृति ☐
- ''लाइफ इन मिनिएचर'' परियोजना ☐
- अयोध्या का राम मंदिर, नागर शैली की वास्तुकला में 3 मंजिला संरचना ☐
- अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (ICH) की राष्ट्रीय सूची ☐
- कुर्जरबीट योजना ☐
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय विधेयक, 2020 ☐
- कनक्कले का युद्ध ☐
- पांच 'प्रतिष्ठित' पुरातात्विक स्थल जिनका बजट में उल्लेख किया गया ☐
- कोरेगांव की लड़ाई ☐
- तुलु भाषा ☐

भूगोल

भौतिक भूगोल

1. सामान्य भूगोल

- पृथ्वी की उत्पत्ति ☐
- प्रारंभिक सिद्धांत ☐
- आधुनिक सिद्धांत – बीबीटी ☐
- तारों का निर्माण ☐
- ग्रहों का निर्माण ☐
- सौर मंडल ☐
- पृथ्वी का विकास ☐
- स्तरित संरचना (5 परतें) ☐
- स्थलमंडल का विकास ☐
- वायुमंडल का विकास ☐
- जलमंडल का विकास ☐
- पृथ्वी का भूवैज्ञानिक इतिहास ☐
- महत्वपूर्ण समानांतर और मध्याह्न सहित अक्षांश और देशांतर ☐
- पृथ्वी की गतियाँ – परिक्रमण, परिभ्रमण और उनका प्रभाव ☐
- पृथ्वी की धुरी का झुकाव और इसके प्रभाव ☐
- स्थानीय और मानक समय और अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा, पांचांग ☐
- ग्रहण – सूर्य, चंद्र ☐
- जीवन की उत्पत्ति ☐
- भूवैज्ञानिक समय का पैमाना ☐

2. भू–आकृति विज्ञान

- **पृथ्वी का आंतरिक भाग**
  - जानकारी के स्रोत ☐
  - प्रत्यक्ष ☐
  - अप्रत्यक्ष – भूकंप तरंगे ज्वालामुखी ☐
  - भूकंपीय तरंगें ☐
    - ► काय तरंगें ☐
    - ► पृष्ठ तरंगें ☐
    - ► भूकंपीय तरंगों की सहायता से पृथ्वी के आंतरिक भाग को समझना ☐
- **पृथ्वी की आंतरिक संरचना** ☐
  - पर्पटी ☐
  - स्थलमंडल ☐
  - प्रावार ☐
  - दुर्बलतामंडल ☐
  - बाहरी क्रोड ☐
  - भीतरी क्रोड ☐
  - भूकंपीय असातत्य ☐

3. भूगर्भ विज्ञान

- खनिज ☐
- पृथ्वी की पपड़ी के प्रमुख तत्व ☐
  - ► खनिज – फेल्डस्पार, क्वार्ट्ज, पाइरोक्सिन, एम्फीबोल, मीका, ओलिवाइन ☐
  - ► भौतिक विशेषताएं – क्रिस्टल रूप, दरार भंजन, चमक, रंग, धारी ☐
  - ► पारदर्शिता, संरचना, कठोरता, ☐
- विशिष्ट गुरुत्व ☐
  - ► धात्विक खनिज – कीमती लौह, अलौह ☐

- ➤ अधात्विक खनिज – सल्फर, फॉस्फेट, सीमेंट ☐

शैलें (खनिजों का समुच्चय)

- पेट्रो विज्ञान ☐
- शैलें और भू–आकृतियाँ ☐
- शैलें और मृदाएं ☐
- शैलों के 3 परिवार ☐
- आग्नेय ☐
- अवसादी ☐
- कायांतरित ☐
- शैल चक्र ☐

4. भूकंप

- तरंगें: पी, एस, काय, पृष्ठ ☐
- छाया क्षेत्र ☐
- भूकंप के प्रकार ☐
- भूकंप के कारण ☐
- प्रभाव ☐
- आवृत्ति ☐
- अधिकेंद्र पता लगाना ☐
- भूकंप का वितरण ☐
- भूकंप वेधशालाएं ☐

5. ज्वालामुखी

प्रकार

- शील्ड ☐
- मिश्रित ☐
- काल्डेरा ☐
- बाढ़ बेसाल्ट ☐
- मध्य महासागरीय कटक ☐

लावा के प्रकार

- एंडेजाइटि या अम्लीय लावा ☐
- क्षारीय या बेसाल्टिक लावा ☐
- अंतर्वेधी ज्वालामुखीय भू–आकृतियां ☐
- बैथोलिथ ☐
- लैकोलिथ ☐
- लैपोलिथ ☐
- फैकोलिथ ☐
- सिल ☐
- डाइक ☐

बहिर्वेधी ज्वालामुखीय भू–आकृतियां

- उष्णोत्स और गर्म झरने ☐
- विलुप्त, निष्क्रिय और सक्रिय ज्वालामुखी ☐
- ज्वालामुखियों का वितरण ☐
  - ➤ प्रशान्त अग्नि वलय ☐
- भूमध्यसागरीय ज्वालामुखीयता ☐
- अन्य क्षेत्र ☐
- ज्वालामुखी के प्रभाव ☐

6. सुनामी

- सुनामी तरंगों की क्रियाविधि ☐
- सुनामी तरंगों के गुणधर्म ☐
- सुनामी के प्रभाव ☐

7. भू–आकृति प्रक्रियाएं

पृथ्वी की सतह

- बहिर्जात बल ☐
- अंतर्जात बल ☐
- ग्रेडेशन, तलावचन और उच्चयन ☐

भूआकृतिक प्रक्रिया

- अंतर्जात प्रक्रिया ☐
  - ➤ पटल विरूपण ☐
  - ➤ पर्वतनी ☐
  - ➤ महाद्वीप रचना संबंधी ☐
  - ➤ भूकंप ☐
  - ➤ प्लेटों की गति ☐
  - ➤ ज्वालामुखी ☐
- बहिर्जात बल ☐
  - ➤ अनाच्छादन प्रक्रियाएं ☐
  - ➤ अपक्षय ☐
  - ➤ बृहत संचलन ☐
- अपरदन, परिवहन और निक्षेपण ☐

8. महाद्वीपों और महासागरों का वितरण

- सिद्धांत ☐
- महाद्वीपीय बहाव का सिद्धांत ☐
  - ➤ अल्फ्रेड वेगनर 1912 ☐
  - ➤ पैंजिया, पैंथालासा ☐
  - ➤ लारेसिया, गोंडवानालैंड ☐
- महाद्वीपीय बहाव सिद्धांत के समर्थन में साक्ष्य ☐

- ► दांतेदार फिटिंग ☐
- ► सभी महासागरों में समान आयु की शैलें ☐
- ► टिलाइट ☐
- ► प्लेसर निक्षेप ☐
- ► जीवाश्मों का वितरण ☐

⊙ बहाव के बल ☐
⊙ ध्रुवीय पलायन बल ☐
⊙ ज्वारीय बल ☐
⊙ बहाव उपरांत अध्ययन ☐
- ► संवहनी धारा सिद्धांत ☐
- ► महासागर तल का मानचित्रण ☐

⊙ महाद्वीप – प्लेट विवर्तनिकी ☐
- ► स्थलमंडलीय प्लेटें ☐
- ► प्रमुख प्लेटें ☐
- ► गौण प्लेटें ☐

⊙ प्लेटों की सीमाएं ☐
- ► अपसारी ☐
- ► अभिसारी ☐
- ► परिवर्तनकारी ☐

⊙ प्लेट गति की दर ☐
⊙ प्लेट गति का बल ☐
⊙ भारतीय प्लेट ☐
- ► 71 लाख वर्ष पहले से आज तक गति ☐

9. भू–आकृतियाँ और उनका विकास

⊙ कारण ☐
- ► भूआकृतिक प्रक्रियाएं ☐
- ► कर्ता ☐

⊙ भू–आकृतिक कर्ता ☐
- ► अपरदनात्मक या विनाशात्मक ☐
- ► निक्षेपणकारी या निर्माणात्मक ☐

⊙ कर्ता और उनके प्रभाव ☐
- ► पवन, बहता जल, भूजल, हिमनदियाँ, लहरें और धाराएं ☐

⊙ पवनें ☐
- ► गर्म मरूस्थल में दो प्रमुख कर्ताओं में से एक ☐
- ► कारण – अपस्फीति घर्षण प्रभाव ☐
- ► अपरदनात्मक भू–आकृतियाँ ☐
- ► पेडिमेंट और पेडी मैदान ☐
- ► शुष्क जलोढ़ तल ☐
- ► अपस्फीति कोटर और गुफाएं ☐
- ► मशरूम, टेबल और पेडेस्टल ☐

⊙ शैलें ☐
- ► निक्षेपात्मक भू–आकृतियाँ ☐
- ► बारखन ☐
- ► सीफ ☐
- ► परवलयिक ☐
- ► अनुप्रस्थ ☐
- ► अनुदैर्ध्य ☐

⊙ बहता जल ☐
- ► आर्द्र क्षेत्र ☐
- ► घटक
  - ♦ स्थलोपरि प्रवाह – शीट ☐
  - ♦ रैखिक प्रवाह दृ धाराएं ☐

◘ चरण

- ► युवा परिपक्व वृद्ध ☐

⊙ अपरदनात्मक भू–आकृतियाँ ☐
- ► घाटियाँ ☐
- ► नदिकाएं ☐
- ► अवनालिका ☐
- ► घाटियाँ – वी आकार, महाखड्ड ☐
- ► (कठोर चट्टाने), कैन्यन (अवसादी) ☐
- ► जलज गर्तिका और प्रपात कुंड ☐
- ► अधरू कर्तित या गभीरीभूत विसर्प ☐
- ► नदी वेदिका – युग्मित और अयुग्मित ☐

◘ निक्षेपात्मक भू–आकृतियाँ

- ► जलोढ़ पंख ☐
- ► डेल्टा ☐
- ► बाढ़ का मैदान, प्राकृतिक तटबंध, ☐
- ► विसर्पी रोधिका ☐
- ► विसर्प, स्कंध किनारा, ☐
- ► अधरू काट किनारा (न्दकमत बनज इंदा) ☐
- ► गोखुर झील ☐
- ► गुम्फित जलमार्ग ☐

◘ भूजल (कार्स्ट स्थलाकृति)

- ► पारगम्य शैलें ☐
- ► अंतरू स्रवण ☐
- ► संस्तरण तल ☐

⊙ चूना पत्थर और डोलोमाइट क्षेत्र ☐
- ► बाल्कन, एड्रियाटिक क्षेत्रों से सटा ☐

⊙ अपरदनात्मक भू–आकृतियाँ ☐

- ताल – छिछला छिद्र, घाटी ☐
- निमज्ज (उवाल), सिंकहोल, निपात ☐
- निमज्ज (डोलाइन), लैपीज, कटक, चूना पत्थर कुट्टिम ☐
- गुफाएं – शैलों का परिवर्तनशील तल ☐
- (शेल बलुआ पत्थर क्वार्टजाइट), गुफाए और सुरंगें ☐

⊙ निक्षेपात्मक भू–आकृतियाँ ☐
- स्टैलेक्टाइट ☐
- स्टैलेग्माइट ☐
- स्तंभ पंक्ति ☐

हिमनदियाँ ☐

⊙ अपरदनात्मक भू–आकृतियाँ ☐
- टार्न या छोटी झीलों का सर्क ☐
- हॉर्स और दंतुरित क्षेत्र – अरेटे ☐
- हिमनदीय घाटियाँध्द्रोणी – फियोर्ड ☐
- निक्षेपात्मक भू–आकृतियाँ ☐
- हिमनदीय गोलक ☐
- हिमोढ़ ☐
- हिमनद मृदकटक (एस्कर) ☐
- हिमानी धौत मैदान (आउटवॉस प्लेन) ☐
- हिमनदोढ़ टिब्बा (ड्रमलिन) ☐

लहरें और धाराएं
- उच्च चट्टानी तट और निम्न अवसादी तट ☐

अपरदनात्मक भू–आकृतियाँ
- भ्रगु ☐
- वेदिकाएं ☐
- गुफाएं ☐
- स्टैक्स ☐

निक्षेपात्मक भू–आकृतियाँ
- समुद्र तट और टिब्बे ☐
- रोध रोधिका भूजिह्वा ☐
- अपक्षय ☐
- मृदा सामग्रियों पर मौसम ☐
- कारक ☐
- भूवैज्ञानिक ☐
- जलवायु ☐
- स्थलाकृतिक ☐
- वानस्पतिक ☐
- प्रमुख प्रक्रियाएं ☐
- रासायनिक ☐
- भौतिक या यांत्रिक ☐
- जैविक ☐
- रासायनिक – बल रासायनिक क्रिया ☐
- समाधान ☐
- कार्बनीकरण ☐
- जलयोजन ☐
- ऑक्सीकरण और अपचयन ☐
- भौतिक बल गुरुत्वाकर्षण , ☐
- विस्तार, जल दबाव ☐
- उतराई और विस्तार ☐
- तापमान में परिवर्तन और विस्तार ☐
- हिमीभवन, विगलन, और तुषार भंजन ☐
- लवण अपक्षय ☐
- जैविक अपक्षय ☐
- बिल खोदना ☐
- वेजिंग ☐
- पौधे की जड़ें ☐
- अपक्षय के प्रभाव ☐
- अपश्ल्कन (शल्कीभवन)– अपशल्कन ☐
- गुम्बद, टोर्स ☐
- अपक्षय का महत्व ☐
- मृदा निर्माण ☐
- बायोम और जैव विविधता ☐
- निक्षालनध्संवर्धन ☐
- बृहत संचलन ☐
- सक्रियण कारण ☐
- गति के रूप – हीव फ्लोस्लाइड ☐

प्रमुख समूह – धीमी गति, द्रुत गति, भूस्खलन ☐

⊙ विश्व भर में भू–आकृतियाँः ☐
- नदियाँ और झीलें ☐

⊙ पहाड़ और चोटियाँ ☐
- वलित पर्वत ☐
- भ्रंशोत्थ पर्वत ☐
- ज्वालामुखी पर्वत ☐

⊙ पठार ☐
- पठार निर्माण प्रक्रिया ☐
- पठार के प्रकार ☐
- विच्छेदित पठार ☐
- ज्वालामुखीय पठार ☐
- पठार का आर्थिक महत्व ☐
- विश्व के प्रमुख पठार ☐

10. जलवायु विज्ञान

वायुमंडल की संरचना
- गैसें ☐
- जल वाष्प ☐
- धूल कण ☐

संरचना
- बहिर्मंडल ☐
- तापमंडल ☐
- मध्यमंडल ☐
- समताप मंडल ☐
- क्षोभमंडल ☐
- ऊंचाई बनाम तापमान ☐

सौर विकिरण ऊष्मा संतुलन
- तापमान ☐
- सूर्यातप ☐
- अपसौर और उपसौर ☐
- पृथ्वी की सतह पर सूर्यातप की परिवर्तनशीलता ☐
  - ► दिन मौसम वर्ष ☐
  - ► अक्ष पर घूर्णन, सूर्य की किरणों की आनति का कोण, दिन की लंबाई ☐
  - ► वायुमंडल की पारदर्शिता, इसके पहलू के संदर्भ में भूमि का विन्यास। ☐

ऊष्मा तुलन
- वायुमंडल का गर्म और ठंडा होना ☐
  - ► चालन ☐
  - ► संवहन ☐
  - ► अभिवहन ☐
- स्थलीय विकिरण ☐
- पृथ्वी ग्रह का ताप बजट ☐
- स्थूल बजट ☐
  - ► अल्बीडो ☐
  - ► लघुतरंग विकिरण ☐
  - ► दीर्घ तरंग पृथ्वी विकिरण ☐
- पृथ्वी की सतह के तापमान (टी) पर शुद्ध ताप बजट में भिन्नता ☐

तापमान का वितरण नियंत्रित करने वाले कारक
- जनवरी–जुलाई के टी महीने का वितरण ☐
- जनवरी–जुलाई के टी महीने की सीमा ☐
- तापमान का व्यूत्क्रमण ☐

वायुमंडलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली
- वायुमंडलीय दबाव ☐
- दाब में उर्ध्वाधर भिन्नता ☐
- दाब का क्षैतिज वितरण ☐
- समुद्र स्तरीय दबाव का विश्व वितरण ☐

पवन का वेग और दिशा प्रभावित करने वाले कारक
- दबाव प्रवणता बल ☐
- घर्षणात्मक बल ☐
- कोरिओलिस बल ☐
- दबाव और पवन (चक्रवाती और प्रतिचक्रवाती परिसंचरण) ☐

वायुमंडल का सामान्य परिसंचरण : भूमंडलीय पवनों का पैटर्न
- वायुमंडलीय की अक्षांशीय भिन्नता ☐
- ऊष्मन ☐
- दबावद पेटियों का उभरना ☐
- सूर्य के आभासी मार्ग का अनुसरण करने वाली पेटियों का प्रव्रजन ☐
- महाद्वीपों और महासागरों का वितरण ☐
- पृथ्वी का परिक्रमण ☐

परिसंचरण
- सरलीकृत वैश्विक परिसंचरण – हैडली ☐
- प्रकोष्ठ, फेरेल प्रकोष्ठ, ध्रुवीस प्रकोष्ठ ☐
- मौसमी पवन ☐
- स्थानीय पवन ☐
- भूमि और समुद्री समीर ☐
- पर्वत और घाटी की पवनें ☐
- वायु राशि : वाताग्र ☐
- अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात ☐
- तडित–झंझा ☐
- टारनेडो ☐

वायुमंडल में जल
- जल वाष्प ☐
- वर्षण ☐
- आर्द्रता – निरपेक्ष और सापेक्ष ☐
- संतृप्ति – ओसांक ☐
- वाष्पीकरण और संघनन ☐
  - ► ओस ☐

- पाला ☐
- कुहासा और धुंध ☐

बादल

- प्रकारः पक्षाभ, कपासीमेघ, स्तरीमेघ, वर्षा मेघ ☐
- उच्चः पक्षाभ, पक्षाभस्तरी, पक्षाभ कपासी मेघ ☐
- मध्यः मध्यस्तरी, मध्यकपासी ☐
- निम्न– स्तर कपासी, वर्षास्तरी मेघ ☐
  - लंबवत विकास दृ कपासीमेघ, कपसी वर्षी ☐
- वर्षण ☐
  - वर्षा, हिमपात, सहिम वृष्टि, ओलावृष्टि ☐

वर्षा के प्रकार

- संवहनी ☐
- पर्वतीय ☐
- चक्रवाती ☐
- वाताग्री ☐
- मानसूनी ☐
- वर्षा का विश्व वितरण ☐

उष्णकटिबंधीय चक्रवात

- उष्णकटिबंधीय चक्रवात के निर्माण के लिए आवश्यक स्थितियाँ ☐
  - गुप्त ऊष्मा का अच्छा स्रोत ☐
  - कोरिओलिस बल ☐
  - निम्न स्तर के विक्षोभ ☐
  - वायुराशियों के बीच तापमान अंतर ☐
  - पवन कर्तन ☐
  - ऊपरी वायु विक्षोभ ☐
- संवहनी चक्रवातजनन (उष्णकटिबंधीय ☐
  चक्रवात का विकास) ☐
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात का मार्ग ☐
- चक्रवात से जुड़ी क्षति ☐
- अरब सागर चक्रवात ☐
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात का नामकरण ☐
- उष्णकटिबंधीयचक्रवात के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली ☐

जेट धाराएं ☐

- जेट धाराओं की विशेषताएं ☐
- प्रकार ☐
  - स्थायी ☐
  - अस्थायी ☐
- मौसम पर जेट धाराओं का प्रभाव ☐
- जेट धाराएँ और उड्डयन ☐

समशीतोष्ण चक्रवात ☐

- वायु राशियाँ ☐
- वाताग्र ☐
- समशीतोष्ण चक्रवात की उत्पत्ति और विकास ☐
- उष्णकटिबंधीय और शीतोष्ण चक्रवात के बीच तुलना ☐

ध्रुवीय भ्रमिल ☐

- ध्रुवीय भ्रमिल का विवरण ☐
- ध्रुवीय भ्रमिल और ओजोन रिक्तीकरण ☐

अल नीनो और ला नीना ☐

- ईएनएसओ ☐
- हिंद महासागर द्विध्रुव प्रभाव ☐
- क्षेत्रीय और विश्व जलवायु पर प्रभाव ☐
- भारतीय मानसून पर इन घटनाओं का प्रभाव ☐

वैश्विक जलवायु

- गर्म, आर्द्र भूमध्यरेखीय जलवायु ☐
- मानसूनी जलवायु और उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु ☐
- सवाना या सूडान जलवायु ☐
- गर्म मरूस्थल और मध्य अक्षांश ☐
- मरूस्थलीय जलवायु ☐
- उष्ण शीतोष्ण पश्चिमी सीमान्त (भूमध्यसागरीय) जलवायु ☐
- समशीतोष्ण महाद्वीपीय ☐
- (स्टेपी) जलवायु ☐
- उष्ण समशीतोष्ण पूर्वी सीमान्त ☐
- (चीनी प्रकार) की जलवायु ☐
- ठंडा शीतोष्ण पश्चिमी सीमान्त ☐
- (ब्रिटिश प्रकार) की जलवायु ☐
- ठंडा समशीतोष्ण महाद्वीपीय ☐
- (साइबेरियाई) जलवायु ☐
- ठंडा समशीतोष्ण पूर्वी सीमान्त ☐
- (लॉरेंशियन) जलवायु ☐
- आर्कटिक या ध्रुवीय जलवायु ☐

11. समुद्र विज्ञान

- ⊙ पृथ्वी की सतह पर जल ☐
  - ► जलविज्ञान चक्र ☐
  - ► घटक ☐
- ⊙ प्रक्रियाएं ☐

महासागर ☐

- ⊙ महासागर तल के उच्चावच ☐
- ⊙ महासागर तल के 4 प्रभाग ☐
  - ► महाद्वीपीय शेल्फ ☐
  - ► महाद्वीपीय ढलान ☐
- ⊙ गहरा समुद्री मैदान ☐
- ⊙ महासागरीय गभीर और गर्त ☐

गौण उच्चावच आकृतियाँ ☐

- ⊙ गौण उच्चावच आकृतियाँ ☐
- ⊙ मध्य महासागरीय कटक ☐
- ⊙ समुद्री पर्वत ☐
- ⊙ अंतरू समुद्री खड्ड ☐
- ⊙ अंतरू समुद्री पठार ☐
- ⊙ प्रवाल द्वीप ☐

महासागर के जल का तापमान ☐

- ⊙ लंबवत ☐
- ⊙ स्थानिक ☐

तापमान का वितरण प्रभावित करने वाले कारक

- ⊙ अक्षांश ☐
- ⊙ भूमि और जल का असमान वितरण ☐
- ⊙ प्रचलित पवनें ☐
- ⊙ महासागरीय धाराएँ ☐

क्षैतिज और लंबवत वितरण

- ⊙ तापप्रवणता ☐
- ⊙ 3 परतें ☐

महासागर जल की लवणता ☐

- ⊙ लवणता को प्रभावित करने वाले कारक ☐
  - ► वाष्पीकरण और वर्षण ☐
  - ► नदियों से ताजे जल काप्रवाह ☐
  - ► पार्श्वभाग ☐
  - ► महासागरीय धाराएँ ☐
  - ► लवणता का क्षैतिज वितरण ☐
- ⊙ लवणता का लंबवत वितरण ☐
- ⊙ महासागरीय जल का घनत्व ☐

महासागर जल की गति

- ⊙ गति को प्रभावित करने वाले कारक ☐
  - ► तापमान ☐
  - ► लवणता ☐
  - ► घनत्व ☐
  - ► सूर्य चंद्रमा पवनें ☐
- ⊙ गति – क्षैतिज और लंबवत धाराएं ☐
- ⊙ लहरें ☐
  - ► तरंगों और जल अणुओं की गति ☐
  - ► लहर की विशेशताएं ☐
  - ► शिखर और गर्त ☐
  - ► ऊंचाई ☐
  - ► आयाम ☐
  - ► अवधि ☐
  - ► लंबाई ☐
  - ► गति ☐
  - ► आवृत्ति ऋ ☐
  - ► ज्वार ☐

गुरुत्वाकर्षण बल और ज्वार के बीच संबंध

- ► ज्वारीयधाराएँ ☐
- ► ज्वार के प्रकार ☐
- ► आवृत्ति के आधार पर – अर्ध दैनिक, दैनिक, मिश्रित ☐
- ⊙ एसएमई स्थिति के आधार पर दृ बृहत ज्वार–भाषा और लघु ज्वार–भाटा ☐
- ⊙ ज्वारका महत्व ☐

महासगरीय धाराएँ

- ⊙ 2 बलों से प्रभावित ☐
- ⊙ प्राथमिक बल जो गति आरंभ करता है ☐
  - ► सौर ऊर्जा का तापन ☐
  - ► पवन ☐
  - ► गुरुत्वाकर्षण ☐
  - ► कोरिओलिस बल ☐
- ⊙ द्वितीयक बल जो धाराओं को प्रवाहित होने के लिए प्रभावित करते हैं ☐

- विशेषताएं–बहाव– 5 समुद्री मील ☐
- महासागरीय धाराओं के प्रकार ☐
- पृष्ठीय धाराएं और गहराई के आधार पर गहरी जलधाराएं ☐
- तापमान पर आधारित ठंडी और गर्म धाराएं ☐
- विश्व की प्रमुख महासागरीय धाराएं ☐
- महासागरीय धाराओं के प्रभाव ☐
- मरुस्थल निर्माण और महासागरीय धाराएँ ☐
- अटलांटिक भूमध्यरेखीय प्रतिवर्ती परिसंचरण ☐

महासागर से संसाधन

- महासागर निक्षेप ☐
- स्थलज निक्षेप ☐
- वेलापवर्ती निक्षेप ☐
- गहरे समुद्र तल पर खनिज संसाधन ☐
- ऊर्जा संसाधन ☐
- जैविक संसाधन ☐
- गभीर महासागर मिशन ☐
- यूएनसीएसओएस ☐
- प्रादेशिक समुद्र ☐
- संलग्न क्षेत्र ☐
- विशेष आर्थिक क्षेत्र ☐
- ऊंची समुद्री लहर ☐

12. जल संसाधन

- भूमिगत जल संसाधन ☐
- सतही जल संसाधन ☐
- अंतर्देशीय जल संसाधनरू अंतर्देशीय जल संसाधनों का उपयोग ☐
- महासागरीय जल संसाधनरू महासागर की मुख्य विशेषताएं ☐
- मनुष्य द्वारा महासागरों का उपयोग ☐
- जल उपभोग का प्रतिरूप ☐
- जल प्रदूषण ☐
- जल संसाधनों का संरक्षण ☐
- जल संरक्षण की तकनीक ☐
- नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाएं ☐
- पुराने बांधों की समस्या ☐

13. जैव भूगोल

मृदा

- मृदा की विशेषताएं ☐
- मृदा निर्माण के लिए उत्तरदायी कारक ☐
- मृदा निर्माण के चरण ☐
- मृदा निर्माण की प्रक्रियायें ☐
- मृदा परिच्छेदिका (प्रोफाइल), और संस्तर ☐
- मृदा वर्गीकरण ☐
- मृदा अपरदन और संरक्षण ☐

वनस्पति संसाधन

- प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार ☐
- वन ☐
- वनों का महत्व ☐
  - आर्थिक महत्व, पारिस्थितिक महत्व ☐
  - सांस्कृतिक महत्व ☐
- वन विकास के कारक ☐
- वन क्षेत्र की सीमा ☐
- वनों का वर्गीकरण ☐
  - घास के मैदान ☐
  - मरुस्थीलीय वनस्पति ☐
  - टुंड्रा वनस्पति ☐
- वनों का आर्थिक उपयोग ☐
- वनों की कटाई (निर्वनीकरण) ☐
  - उष्णकटिबंधीय वनों में वनों की कटाई ☐
  - समशीतोष्ण वनों में वनों की कटाई ☐
  - वनों की कटाई की दर और सीमा ☐
  - वनों की कटाई के कारण और कारकरू ☐
  - वनों की कटाई के तात्कालिक कारण ☐
  - वनों की अप्रत्यक्ष कटाई ☐
  - वनों की कटाई के अंतर्निहित कारण ☐
- वनों का संरक्षण ☐
  - वन संरक्षण रणनीतियाँ ☐
  - पुनरू वनरोपण ☐
  - एकल प्रजाति (मोनोकल्चर) वृक्षारोपण ☐
- वनीकरण ☐
  - वानिकी के प्रकार ☐
  - सामाजिक वानिकी ☐
  - कृषि वानिकी ☐
  - मियावाकी विधि ☐

भारत का भौतिक भूगोल

1. भारत का भू – आकृति विज्ञान

- ⊙ स्थान ☐
- ⊙ भारत का भू–राजनीतिक महत्व ☐

भूवैज्ञानिक प्रभाग

- ► प्रायद्वीपीय खण्ड ☐
- ► हिमालय और अन्य पर्वत श्रृंखलाएं ☐
- ► प्रायद्वीपीय पर्वत श्रृंखलाएं ☐

सिंदु–गंगा–ब्रह्मपुत्र मैदान

भू – आकृतिक प्रभाग

2. अपवाह तंत्र

- ⊙ अपवाह प्रतिरूप ☐
- ⊙ भारत की अपवाह प्रणाली ☐
  - ► हिमालयी अपवाह प्रणाली ☐
- ⊙ हिमालय की नदी प्रणालियाँ ☐
  - ► अपवाह ☐
  - ► सिंधु नदी प्रणाली ☐
  - ► गंगा नदी प्रणाली ☐
  - ► ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली ☐
  - ► प्रायद्वीपीय अपवाह प्रणाली ☐
  - ► प्रायद्वीपीय अपवाह की नदी प्रणाली ☐
  - ► पूर्व और पश्चिम की ओर बहने वाली छोटी नदियाँ ☐

3. जलवायु

- ⊙ भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक ☐
- ⊙ मानसून ☐
- ⊙ मानसून की कार्य–प्रक्रिया ☐
  - ► शास्त्रीय सिद्धांत ☐
  - ► आधुनिक सिद्धांत ☐
  - ► वायु द्रव्यमान सिद्धांत ☐
  - ► जेट धारा सिद्धांत ☐
- ⊙ एल–नीनो और ला–नीना और उनका प्रभाव ☐
- ⊙ ऋतुओं की लय ☐
  - ► शीत ऋतु ☐
  - ► गीष्म ऋतु ☐
  - ► दक्षिण–पश्चिम मानसून की ऋतु ☐
  - ► मानसून की वापसी की ऋतु ☐
- ⊙ भारत के जलवायु क्षेत्र ☐

4. भारत में मृदा

- ⊙ मृदा का वर्गीकरण ☐
  मृदा गठन (मिट्टी की बनावट) ☐
- ⊙ मृदा निम्नीकरण और मृदा अपरदन ☐
  की समस्या ☐
- ⊙ मृदा संरक्षण ☐

5. प्राकृतिक वनस्पति

- ⊙ भारत में वनों के प्रकार ☐
- ⊙ भारत में वन क्षेत्र ☐
- ⊙ वन संरक्षण ☐
- ⊙ भारत में वन समस्याएं ☐

मानव भूगोल

1. जनसांख्यिकी

- ⊙ मानव संसाधन की अवधारणा ☐
- ⊙ जनसंख्या वितरण ☐
- ⊙ जनसंख्या वितरण के कारक– भौतिक कारक ☐
- ⊙ सामाजिक–सांस्कृतिक कारक ☐
- ⊙ जनसांख्यिकीय कारक ☐
- ⊙ विश्व जनसंख्या वितरण ☐
- ⊙ वास्य क्षेत्र ☐
- ⊙ गैर– वास्य क्षेत्र ☐
- ⊙ जनसंख्या का महाद्वीप–वार वितरण ☐
- ⊙ जनसंख्या का घनत्व ☐

- जनसंख्या घनत्व का प्रतिरूप ☐
- विश्व में जनसंख्या वृद्धि ☐
- जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के कारण ☐
- वर्तमान प्रवृत्ति ☐
- भविष्य के अनुमान ☐
- जनसंख्या वृद्धि के निर्धारक ☐
- प्राकृतिक वृद्धि ☐
- जनसंख्या की विशेषताएं ☐
- आयु संरचना ☐
- जनसंख्या पिरामिड ☐
- लिंग संरचना ☐
- साक्षरता ☐
- जनसंख्या वृद्धि के सिद्धांत ☐
- माल्थुसियन सिद्धांत ☐
- मार्क्सवादी सिद्धांत ☐
- जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत ☐
- इष्टतम जनसंख्या ☐
- आधिक्य जनसंख्या ☐
- कम जनसंख्या ☐
- जनसंख्या की समस्याएं ☐
- विकासशील देशों की जनसंख्या समस्याएं ☐
- विकसित देशों की जनसंख्या समस्याएं ☐
- यूरोप की जनसंख्या दुविधा ☐
- जनसंख्या नीतियां: चीन की, भारत की ☐
- विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ ☐
- उच्चावच (भूमितल), जलवायु और निर्माण सामग्री सहित मकान के प्रकारों के बीच संबंध ☐
- बढ़ती युवा आबादी ☐

2. शहरीकरण

- भारत के शहरीकरण की आधारभूत विशेषताएं और प्रतिरूप ☐
- भारत में शहरीकरण की समस्याएं ☐
- ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की और पलायन ☐
- मलिन बस्तियों का उद्भव ☐
- शहरी परिवहन ☐
- अपशिष्ट निपटान ☐
- जल आपूर्ति, अपवाह और स्वच्छता ☐
- इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट ☐
- शहरी निर्धनता ☐
- अचल संपत्ति (विनियमन और विकास) विधेयक, 2013 ☐
- शहरीकरण से संबंधित समस्याओं से निपटने के लिए आगे की राह ☐
- समावेशी शहर/स्मार्ट शहर ☐
- हाल ही के सरकारी कार्यक्रमरू अमृत ☐
- प्रवासन ☐
- उल्टा प्रवासन ☐
- विस्थापन ☐
- पुनर्वास नीति का महत्व ☐
- शहरी बस्तियाँः प्रकार ☐
- भारत में शहरीकरण की प्रक्रिया। ☐
- शहरी बस्तियों का आकृति विज्ञान ☐
- नगर नियोजन और ग्रामीण बस्ती के प्रतिरूप ☐
- विश्व भर में बस्तियों के प्रकार ☐
- प्रवासनः दबाब कारक और खिंचाव कारक ☐
- औपनिवेशिक, स्वतंत्रता के बाद और उदारीकरण के बाद की अवधि के दौरान उत्प्रवास ☐
- आंतरिक बनाम विश्व प्रवासन ☐
- शहरों का कार्यात्मक वर्गीकरण ☐
- सीमाओं और सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच अंतर, उनका वर्गीकरण ☐
- ग्रामीण शहरी उपांतों (बाहरी किनारों) की विशेषताओं, लाभ, समस्याएं ☐
- राष्ट्रीय शहरीकरण नीति ☐
- शहरी नियोजन के सिद्धांत ☐
- भूमि क्षेत्र परिवर्तन ☐
- ग्रामीण बस्तियों, उनके प्रकार और प्रतिरूप को प्रभावित करने वाले कारक ☐
- शहरों का पदानुक्रमित वर्गीकरण, ☐
- रूपात्मक वर्गीकरण ☐

3. जनगणना

- साक्षरता ☐
- लिंग अनुपात ☐
- परिवार नियोजन ☐
- बुढ़ापा ☐
- आयु संरचना ☐
- घनत्व ☐
- जनसंख्या वृद्धि ☐
- जनगणना शब्दावली ☐
- जाति जनगणना की समस्याएं ☐

मानव भूगोल

1. मानव संसाधन की अवधारणा

- जनसंख्या वितरण ☐
- जनसंख्या वितरण के कारक– भौतिक कारक ☐
- सामाजिक–सांस्कृतिक कारक ☐
- जनसांख्यिकीय कारक ☐
- विश्व जनसंख्या वितरण ☐
- वास्य क्षेत्र ☐
- गैर– वास्य क्षेत्र ☐
- जनसंख्या का महाद्वीप–वार वितरण ☐
- जनसंख्या का घनत्व ☐
- जनसंख्या घनत्व का प्रतिरूप ☐
- विश्व में जनसंख्या वृद्धि ☐
- जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के कारण ☐
- वर्तमान प्रवृत्ति ☐
- भविष्य के अनुमान ☐
- जनसंख्या वृद्धि के निर्धारक ☐
- प्राकृतिक वृद्धि ☐
- जनसंख्या की विशेषताएं ☐
- आयु संरचना ☐
- जनसंख्या पिरामिड ☐
- लिंग संरचना ☐
- साक्षरता ☐
- जनसंख्या वृद्धि के सिद्धांत ☐
- माल्थुसियन सिद्धांत ☐
- मार्क्सवादी सिद्धांत ☐
- जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत ☐
- इष्टतम जनसंख्या ☐
- अधिक जनसंख्या ☐
- कम जनसंख्या ☐
- जनसंख्या की समस्याएं ☐
- विकासशील देशों की जनसंख्या समस्याएं ☐
- विकसित देशों की जनसंख्या समस्याएं ☐
- यूरोप की जनसंख्या दुविधा ☐
- जनसंख्या नीतियां: चीन की, भारत की ☐
- विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ ☐
- उच्चावच (भूमितल), जलवायु और निर्माण सामग्री सहित मकान के प्रकारों के बीच संबंध ☐
- बढ़ती युवा आबादी ☐

2. शहरीकरण

- भारत के शहरीकरण की आधारभूत विशेषताएं और प्रतिरूप ☐
- भारत में शहरीकरण की समस्याएं ☐
- ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की और पलायन ☐
- मलिन बस्तियों का उद्भव ☐
- शहरी परिवहन ☐
- अपशिष्ट निपटान ☐
- जल आपूर्ति, अपवाह और स्वच्छता ☐
- इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट ☐
- शहरी निर्धनता ☐
- अचल संपत्ति (विनियमन और विकास) विधेयक, 2013 ☐
- शहरीकरण से संबंधित समस्याओं से निपटने के लिए आगे की राह ☐
- समावेशी शहर/स्मार्ट शहर ☐
- हाल ही के सरकारी कार्यक्रमः अमृत ☐
- प्रवासन ☐
- उल्टा प्रवासन ☐
- विस्थापन ☐
- पुनर्वास नीति का महत्व ☐
- शहरी बस्तियाँः प्रकार ☐
- भारत में शहरीकरण की प्रक्रिया। ☐
- शहरी बस्तियों का आकृति विज्ञान ☐
- नगर नियोजन और ग्रामीण बस्ती के प्रतिरूप ☐
- विश्व भर में बस्तियों के प्रकार ☐
- प्रवासनः दबाब कारक और खिंचाव कारक ☐
- औपनिवेशिक, स्वतंत्रता के बाद और उदारीकरण के बाद की अवधि के दौरान उत्प्रवास ☐
- आंतरिक बनाम विश्व प्रवासन ☐
- शहरों का कार्यात्मक वर्गीकरण ☐
- सीमाओं और सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच अंतर, उनका वर्गीकरण ☐

- ग्रामीण शहरी उपांतों (बाहरी किनारों) की विशेषताओं, लाभ, समस्याएं ☐
- राष्ट्रीय शहरीकरण नीति ☐
- शहरी नियोजन के सिद्धांत ☐
- भूमि क्षेत्र परिवर्तन ☐
- ग्रामीण बस्तियों, उनके प्रकार और प्रतिरूप को प्रभावित करने वाले कारक ☐
- शहरों का पदानुक्रमित वर्गीकरण, ☐
- रूपात्मक वर्गीकरण ☐

3. जनगणना

- साक्षरता ☐
- लिंग अनुपात ☐
- परिवार नियोजन ☐
- बुढ़ापा ☐
- आयु संरचना ☐
- घनत्व ☐
- जनसंख्या वृद्धि ☐
- जनगणना शब्दावली ☐
- जाति जनगणना की समस्याएं ☐

आर्थिक भूगोल

कृषि

भूमि संसाधन

- भूमि–उपयोग ☐
- भूमि क्षमता वर्गीकरण ☐
- भूमि निम्नीकरण के कारण ☐
- भूमि निम्नीकरण का प्रभाव ☐
- भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम ☐
- संधारणीय भूमि प्रबंधन ☐
- कृषि से संबंधित मूलभूत शब्दावली ☐
- कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन ☐
- भारत में कृषि के प्रकार ☐
- शुष्क क्षेत्र की कृषि ☐
- जैविक कृषि ☐
- भारत में फसल की ऋतुएं ☐
- भारत में फसल प्रतिरूप ☐
- कृषि क्षेत्रीकरण ☐
- अवसंरचना कारक: बीजय उर्वरकय सिंचाई ☐
- भारत में भूमि उपयोग प्रतिरूप ☐
- भूमि सुधार के रूप में संस्थागत कारक ☐
- भारत में बागवानी क्षेत्रक ☐
- कृषि क्रांतियां ☐
- कृषि श्रमिक ☐
- कृषि के लिए मूल्य नीति ☐
- कृषि विपणन ☐
- कृषि बीमा ☐
- कृषि जनगणना ☐
- कृषि क्षेत्र में प्रमुख योजनाएं ☐
- किसानों के लिए राष्ट्रीय नीति ☐
- कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव ☐
- संधारणीय कृषि क्या है? ☐
- कृषि में आईटी का उपयोग ☐
- कृषि समस्याएं और चुनौतियां ☐
- फसलों की उत्पादकता और वृद्धि के लिए स्थितियां ☐
- गेहूं ☐
  - ► विकास की स्थितियां ☐
  - ► किस्में ☐
  - ► कृषि के प्रकार ☐
  - ► उत्पादन प्रतिरूप ☐
  - ► अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- चावल ☐
  - ► विकास की स्थितियां ☐
  - ► किस्में ☐
  - ► कृषि की विधियां ☐
  - ► उत्पादन प्रतिरूप ☐
  - ► अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐

- ⊙ मक्का ☐
  - ➤ विकास की स्थितियां ☐
  - ➤ उत्पादन प्रतिरूप ☐
  - ➤ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- ⊙ जौ ☐
  - ➤ विकास की स्थितियां ☐
  - ➤ उत्पादन प्रतिरूप ☐
  - ➤ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- ⊙ जई ☐
- ⊙ राई ☐
- ⊙ पेय पदार्थ ☐
  - ➤ चाय ☐
    - ♦ वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
  - ➤ कॉफी ☐
    - ♦ कॉफी के प्रकार ☐
    - ♦ वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
  - ➤ कोको ☐
    - ♦ वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
  - ➤ तंबाकू ☐
    - ♦ वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- ⊙ फाइबर फसलें ☐
  - ➤ कपास ☐
    - ♦ कपास की किस्में ☐
    - ♦ वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
  - ➤ जूट ☐
    - ♦ वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
    - ♦ जूट के विकल्परू पटसन, सनई ☐
    - ♦ अबाका, हेनेक्वेनो ☐
    - ♦ सिसल ☐
  - ➤ कच्चा रेशम ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
  - ➤ प्राकृतिक रबर ☐
    - ♦ रबर के अन्य स्रोत ☐
    - ♦ दक्षिण–पूर्व एशिया में वृक्षारोपण ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
  - ➤ गन्ना ☐
    - ♦ वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
    - ♦ चुकंदर – विकास के लिए वृद्धि के लिए आवश्यक स्थितियां ☐
    - ♦ उत्पादन प्रतिरूप ☐
    - ♦ चीनी उद्योग ☐
    - ♦ चीनी की खपत ☐
    - ♦ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐

◘ खनिज संसाधन

- ⊙ खनिजों के प्रकार ☐
- ⊙ धातु खनिज ☐
- ⊙ गैर–धातु खनिज ☐
- ⊙ खनिजों और खनन क्षेत्रों का वितरण ☐
- ⊙ धातु खनिजों का वितरण, उत्पादन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापारः लौह धातुः लौह अयस्क ☐
- ⊙ लौह मिश्रातु और अलौह मिश्रातु ☐
- ⊙ मैंगनीज ☐
- ⊙ क्रोमियम ☐
- ⊙ निकल ☐
- ⊙ टंगस्टन ☐
- ⊙ एंटीमनी ☐
- ⊙ तांबा ☐
- ⊙ बॉक्साइट और एल्यूमीनियम ☐

- जस्ता; सीसा ☐
- टिन ☐
- कीमती धातुएं: सोना ☐
- चांदी ☐
- प्लैटिनम ☐
- खनिज रसायन ☐
- अभ्रक ☐
- पोटाश ☐
- फॉस्फेट ☐
- नाइट्रेट ☐
- सल्फर ☐
- खनिज संसाधनों का संरक्षण ☐

ऊर्जा संसाधन

- ऊर्जा का वर्गीकरण ☐
- पारंपरिक ऊर्जा का उत्पादन ☐
- ऊर्जा उत्पादन और खपत की सामान्य प्रवृत्तियां ☐
- ऊर्जा के भंडार और स्रोत ☐
- कोयला ☐
- कोयले की प्रकृति और उत्पत्ति ☐
  - ➤ कोयले के अवयव और प्रकार ☐
- कोयला क्षेत्र और कोयला उत्पादन ☐
- कोयले के उप–उत्पाद ☐
- कोयला पेट्रोलियम का संरक्षण ☐
- पेट्रोलियम ☐
- पेट्रोलियम की प्रकृति और गुणधर्म ☐
- उत्पत्ति और पुनर्प्राप्ति ☐
- अन्वेषण ☐
- पेट्रोलियम परिष्करण ☐
- पेट्रोलियम भंडार ☐
- उत्पादक क्षेत्र ☐
- पेट्रोलियम की खपत ☐
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- ओपेक (**OPEC**) और तेल व्यापार में इसकी भूमिका ☐
- प्राकृतिक गैस: भंडार और उत्पादन ☐
- जल विद्युत ☐
- जल विद्युत के लाभ ☐
- जल विद्युत उत्पादन के लिए आदर्श स्थितियां ☐
- संभावित जल विद्युत क्षमता का वितरण ☐
- जल विद्युत उत्पादन ☐
- परमाणु ऊर्जा ☐
- परमाणु ऊर्जा: स्रोत खनिज: यूरेनियम ☐
  - ➤ यूरेनियम का वैश्विक वितरण ☐
- यूरेनियम का उत्पादन ☐
- थोरियम ☐
  - ➤ परमाणु ऊर्जा का उत्पादन ☐
- परमाणु ऊर्जा: भविष्य की ऊर्जा ☐
- वैकल्पिक (गैर–पारंपरिक) ऊर्जा के स्रोत ☐
- नवीकरणीय ऊर्जा ☐
- सौर ऊर्जा ☐
- पवन ऊर्जा ☐
- भूतापीय ऊर्जा ☐
- ज्वारीय ऊर्जा ☐
- तरंग ऊर्जा ☐
- बायोमास ऊर्जा ☐
- वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत ☐
- भविष्य के लिए ईंधन के रूप में हाइड्रोजन या वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में हाइड्रोजन ☐
- माइक्रोबियल ईंधन सेल ☐
- भारतीय परिदृश्य के संबंध में ऊर्जा संदर्भ ☐
- ऊर्जा वृक्षारोपण ☐
- ऊर्जा संकट ☐

उद्योग

- औद्योगिक विकास ☐
- लोहा और इस्पात उद्योग ☐
- लोहा और इस्पात उत्पादन की प्रक्रिया ☐
- लोहा और इस्पात उद्योग का स्थान ☐
- प्रारंभिक स्थानीयकरण ☐
- लौह विनिर्माण का विकास ☐
- लोहा और इस्पात उद्योग का वितरण ☐
- वैश्विक इस्पात उत्पादन ☐
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- इस्पात उद्योग की विकास संभावना ☐

- वस्त्र उद्योग ☐
- सूती कपड़ा उद्योगः उद्योग का स्थान ☐
- स्थानीयकरण में हाल के रुझान ☐
- सूती वस्त्रों का वितरण और उत्पादन ☐
- ऊनी वस्त्र उद्योगः उद्योग का स्थान ☐
- रेशम वस्त्र उद्योगः कच्चे रेशम का विनिर्माण ☐
- रेशम वस्त्र विनिर्माण ☐
- सिंथेटिक (कृत्रिम) रेशम उद्योगरू मानव निर्मित फाइबर और वस्त्र का वितरण। ☐
- इंजीनियरिंग उद्योग ☐
- मशीन उपकरण और मशीनेंः उत्पादन के क्षेत्र ☐
- औद्योगिक मशीनरीरू वस्त्र मशीनरी ☐
- अन्य औद्योगिक मशीनरी ☐
- कृषि मशीनरी ☐
- परिवहन उपकरणों का विनिर्माण ☐
- ऑटोमोबाइल उद्योग ☐
- रेलवे कार और लोकोमोटिव उद्योग ☐
- जहाज निर्माण ☐
- हाल के रुझान ☐
- विमान उद्योग ☐
- रासायनिक उद्योग ☐
- रसायनों की श्रेणियांरू रासायनिक उद्योग की शाखाएं ☐
- भारी रसायन उद्योग ☐
- अम्ल और क्षार का उत्पादन ☐
- रासायनिक उद्योग का उदय ☐
- उर्वरक उद्योगः नाइट्रोजन उर्वरक ☐
- फॉस्फेट उर्वरक ☐
- पोटाश उर्वरक ☐
- विस्फोटक ☐
- कांच उद्योगः कांच का उत्पादन ☐
- कृषि उद्योग ☐
- कृत्रिम रबर उद्योग ☐
- लुगदी और कागज उद्योगः लुगदी उत्पादन के लिए आवश्यक शर्तें ☐
- कागज और गत्ते का उत्पादन ☐
- न्यूजप्रिंट ☐
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- लुगदी और कागज उद्योग की मुख्य विशेषताएं ☐
- सीमेंट उद्योग ☐
- सीमेंट उद्योग का वितरण ☐
- हाल के रुझानः मुख्य वैश्विक प्रतिद्वंदी ☐
- पेट्रोलियम शोधन उद्योगः स्थानीयकरण ☐
- पेट्रोलियम रिफाइनरियों का स्थल चयन ☐
- तेल रिफाइनरियों का इतिहास ☐
- तेल शोधन का विश्व प्रतिरूप ☐
- पेट्रोलियम उत्पाद ☐
- औद्योगिक क्षेत्र ☐
- औद्योगिक क्षेत्रों की विशेषताएं ☐
- औद्योगिक क्षेत्र का परिसीमन ☐
- विश्व के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र ☐
- एंग्लो अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्र ☐
- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, पश्चिमी यूरोप एवं मध्य ब्रिटेन, जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड, फ्रांस, इटली, पूर्वी यूरोप, पोलैंड, ☐
- पूर्ववर्ती सोवियत संघ ☐
- पूर्वी एशिया–जापान, चीन, श्ड्रेगनश, भारत, उच्च तकनीक प्रतिरूप। ☐

परिवहन और संचार

- परिवहन की विधाएं ☐
- भूमि परिवहन ☐
  - ► सड़कें ☐
  - ► रेलमार्ग ☐
- जल परिवहन ☐
- समुद्री मार्ग ☐
  - ► नौपरिवहन नहरें ☐
  - ► अंतर्देशीय जलमार्ग ☐
- वायु परिवहन ☐
- पाइपलाइनें ☐
- प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम, 2021 प्रारूप भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2021 ☐

- क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम 1 ☐
- ओडिशा का तटीय राजमार्ग ☐
- हवाई अड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण (**AERA**) अधिनियम संशोधन – हवाई परिवहन को बढ़ावा देने का तरीका ☐

समकालीन मुद्दे

- भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के प्रमाणन सबसे तेजी से कम होना ☐
- नई हरित क्रांतिः जलवायु–स्मार्ट फसलों की दिशा में समुचित प्रस्थान ☐
- समुद्री ऊष्मा तरंगें ☐
- अटलांटिक मेरिडियोनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (**AMOC**) ☐
- कर्नाटक के मांड्या में भारत के पहले लिथियम भंडार की खोज ☐
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का नामकरण ☐
- ग्रेट बैरियर रीफ – खतरे में एक विश्व धरोहर ☐
- पृथ्वी के आंतरिक कोर की संशोधित आयु ☐
- सूर्य के जन्म के प्रभाव और बची हुई गैस ☐
- मेडागास्कर के टुकड़ों में विभाजित होने के साथ पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट प्रणाली का धीरे–धीरे टूटना ☐
- इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान ☐
- भारत का जलवायु भेद्यता मानचित्र ☐
- भारत दुनिया में सल्फर डाई ऑक्साइड **[SO_2]** का सबसे बड़ा उत्सर्जक ☐
- बांस अर्थशास्त्र ☐
- अमेजॅन के वनों में वत्राग्नि ☐
- मेक्सिको की खाड़ी में 'डेड–जोन' (अक्रिय अंचल) ☐
- मियावाकी विधि ☐
- एवियन बोटुलिज्म ☐
- उत्तरी ध्रुव की स्थायी तुषार भूमि (आर्कटिक पर्माफ्रॉस्ट) में पारे के विशाल भंडार ☐
- चावल ज्ञान बैंक ☐
- वैश्विक कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम ☐
- नोनी ब्रिज ☐

****

भारतीय समाज और सामाजिक न्याय

1. भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं

- भारतीय समाज की विशेषताएं ☐
- भारतीय समाज के भीतर परिवर्तन और उनके परिणाम ☐
- परिवर्तन के कारण ☐
- वर्तमान भारतीय समाज ☐

2. भारत की विविधता

- विविधता क्या है? ☐
- भारत में विविधताओं के प्रकार ☐
- क्या विविधता को अंतर के समान समझा जा सकता है? ☐
- विविधता में एकता– वास्तविकता या एक कल्पना ☐
- पारस्परिक सामंजस्य का तरीका ☐

3. महिला संगठनों की भूमिका

- भारतीय इतिहास में महिला संगठन ☐
- महिला संगठनों के प्रकार ☐
- प्रवेश का स्तर ☐
- महिला संगठन – आशा की एक किरण ☐
- **कुछ मामलों के अध्ययन** ☐
  - ► महिला संगठनों के सामने आने वाली समस्याएं ☐
  - ► क्या बड़ी और मुखर भूमिका संभव है और उसे प्राप्त करने के तरीके ☐
  - ► स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म वित्त संस्थानों की भूमिका ☐

4. निर्धनता और विकास के मुद्दे

- निर्धनता ☐
- विकास की अवधारणा ☐
- सेन बनाम भगवती मॉडल ☐
- विकास का संकट ☐
- कुछ मामलों के अध्ययन ☐
- सरकार की पहलें और पंचवर्षीय योजनाएं ☐
- नागरिक समाज संगठनों की भूमिका ☐
- वैश्वीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव ☐
- वैश्वीकरण का अर्थ ☐
- वैश्वीकरण के प्रभाव के प्रकार – आर्थिक, राजनीतिक, विकासात्मक और सामाजिक–सांस्कृतिक ☐
- क्या प्रभाव पूरी तरह से सकारात्मक है या नकारात्मक है ☐

5. सामाजिक सशक्तिकरण

- सामाजिक सशक्तिकरण का अर्थ और अवधारणा ☐
- हमें सामाजिक सशक्तिकरण की आवश्यकता क्यों है? ☐
- वे विशिष्ट वर्ग जिनका अस्तित्व बनाए रखने के लिए सामाजिक सशक्तिकरण अति आवश्यक है ☐
- पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सशक्तिकरण ☐
- शक्तिकरण के लिए सरकार की पहलें ☐
- सशक्तिकरण की वास्तविकता में और इन प्रयासों के लिए भारत का अनुभव ☐
- सामाजिक सशक्तिकरण के लिए अन्य दृष्टिकोण / प्रतिभागी / उपकरण और ऐसे कुछ मामलों के अध्ययन ☐

6. सांप्रदायिकता

- सांप्रदायिकता का अर्थ और अवधारणा ☐
- सांप्रदायिकता की ऐतिहासिकता ☐
- हाल की घटनाएं ☐
- सांप्रदायिकता को उकसाने/फैलाने में तीसरे पक्ष की भूमिका ☐
- कानून के तहत सांप्रदायिकता ☐
- क्या भारतीय समाज से सांप्रदायिकता पूरी तरह से खत्म हो सकती है? ☐

7. धर्मनिरपेक्षता

- धर्मनिरपेक्षता का अर्थ और अवधारणा ☐
- भारतीय संविधान के नजरिए से धर्मनिरपेक्षता ☐
- मॉडलों की तुलनाः भारतीय और पश्चिमी ☐
- धर्म पर गांधीजी के विचार ☐
- धर्मनिरपेक्षता पर भारतीय दर्शन ☐
- धर्मनिरपेक्ष भावना के लिए खतरे ☐
- क्या भारतीय लोकतंत्र धर्मनिरपेक्षता की गरिमा को संभालने के लिए पर्याप्त परिपक्व है? ☐

8. क्षेत्रवाद

- क्षेत्रवाद का अर्थ और अवधारणा ☐
- क्षेत्रवाद के सिद्धांत ☐
- क्षेत्रवाद की विभिन्न अभिव्यक्तियां ☐
- विभिन्न प्रतिभागियों की भूमिका ☐
- उत्तेजना पैदा करने वाली हाल की घटनाएं ☐
- इनसे निपटने के संभावित तरीके ☐

सामाजिक न्याय

- **जनसंख्या के कमजोर वर्गों के लिए केंद्र और राज्यों की कल्याणकारी योजनाएं**
  - संवैधानिक व्यवस्था ☐
  - महिला कल्याण ☐
  - लिंग प्रौद्योगिकी अंतराल ☐
  - भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में महिलाएं ☐
  - महिलाओं के लिए विवाह योग्य आयु का मुद्दा ☐
  - बाल कल्याण ☐
  - एससी/एसटी कल्याण ☐
  - ओबीसी कल्याण ☐
  - जातिय जनगणना ☐
  - यूएलबी में लिंग आरक्षण ☐
  - अल्पसंख्यक कल्याण ☐
  - वृद्धावस्था कल्याण ☐
  - विधायन ☐
  - मुद्दे ☐
  - आवश्यक सुधार ☐
- **स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सेवाएं**
  - भारत में शिक्षा संरचना ☐
  - प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा ☐
  - भारत सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में की गई पहलें ☐
  - आवश्यक सुधार ☐
  - समितियों की अनुशंसाएं ☐
  - शिक्षा क्षेत्रक में भविष्य की संभावनाएं ☐
  - कौशल विकास, संकेतक, संकेतक ☐
  - निजी और सार्वजनिक स्वास्थ्य संरचना ☐
  - नीति आयोग की रिपोर्ट ☐
  - आर्थिक विकास और मानव विकास ☐
  - आवश्यक सुधार ☐
  - एसडीजी और भारत ☐
- **गरीबी और भूख से संबंधित मुद्दे** ☐
  - विभिन्न समितियों द्वारा गरीबी की परिभाषा ☐
  - भारत में गरीबी के आंकड़े ☐
  - गरीबी का कारण ☐
  - गरीबी और बेरोजगारी ☐
  - गरीबी और सामाजिक संघर्ष ☐
  - गरीबी पर एलपीजी का प्रभाव ☐

- गरीबी और विकास के बीच संबंध ☐
- ग्रामीण गरीबी ☐
- शहरी गरीबी ☐
- गरीबी का नारीकरण ☐
- गरीबी उन्मूलन उपाय ☐
- गरीबी उपशमन कार्यक्रमों के कार्यायान्वयन में समस्याएं ☐
- गरीबी और भूख ☐
- खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम और मुद्दे ☐
- भूख और स्वास्थ्य ☐
- देश के आर्थिक विकास पर भूख और गरीबी का प्रभाव ☐
- गरीबी के आंकड़ों के अनुमान से संबंधित विवाद ☐

अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्र

- पाँचवीं अनुसूची के क्षेत्र ☐
- छठी अनुसूची के क्षेत्र ☐
- स्वायत्त परिषदों की संरचना ☐
- परिषदों की भूमिका और कार्य ☐
- जनजातीय क्षेत्रों के संबंध में राज्यपाल की भूमिका ☐
- जनजातिय उप–योजना ☐

स्टार्ट–अप और कौशल विकास

- स्टार्ट अप इंडिया योजना ☐
- स्टैंड अप इंडिया योजना ☐
- राष्ट्रीय छात्र स्टार्टअप नीति ☐
- राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन ☐
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ☐
- दीन दयाल अंत्योदय योजना ☐
- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना ☐
- कौशल विकास पहल योजना ☐
- स्व–रोजगार और प्रतिभा उपयोग (सेतु) ☐
- अटल इनोवेशन मिशन ☐

सुभेद्य क्षेत्रक

- सामाजिक सुरक्षा ☐
- अटल पेंशन योजना ☐
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ☐
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ☐
- अल्पसंख्यक ☐
- नई रोशनी योध्जना ☐
- उस्ताद योजना (विकास के लिए पारंपरिक कलाधशिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन) ☐
- नई मंजिल योजना ☐
- महिला और बाल विकास ☐
- बेटी बचाओ बेटी पढाओ ☐
- सुकन्या समृद्धि योजना ☐
- डिजिटल गुड्डा गुड्डी बोर्ड ☐
- सबला ☐
- उज्जवला योजना ☐
- जननी सुरक्षा योजना ☐
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम ☐
- एससीध्एसटी ☐
- वनबंधु कल्याण योजना ☐
- प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना ☐
- विकलांगता ☐
- सुगम्य भारत अभियान ☐
- **स्वास्थ्य** ☐
  - ► राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ☐
  - ► राष्ट्रीय आयुष मिशन ☐
  - ► स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम ☐
  - ► जन औषधि योजना ☐
  - ► मिशन इंद्रधनुष ☐
  - ► एनएफएचएस–4 सर्वेक्षण ☐
- **शिक्षा** ☐
  - ► पढ़े भारत बढ़े भारत ☐
  - ► मध्याह्न भोजन योजना ☐
  - ► ईशान उदय ☐
  - ► जीआईएएन (अकादमिक नेटवर्कों की वैश्विक पहल) ☐
  - ► राष्ट्रीय आविष्कार अभियान ☐
  - ► स्वयं (युवा आकांक्षी मन के लिए सक्रिया–शिक्षा का अध्ययन जाल) ☐
- **ग्रामीण और शहरी विकास** ☐
  - ► सांसद आदर्श ग्राम योजना ☐
  - ► ग्राम उदय से भारत उदय अभियान ☐
  - ► श्यामा प्रसाद मुखर्जी अर्बन मिशन ☐
  - ► दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ☐
  - ► प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ☐
  - ► स्वच्छ भारत अभियान ☐
  - ► प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण ☐
  - ► प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी ☐

- 2022 तक सभी के लिए आवास ☐
- स्मार्ट सिटी मिशन ☐
- हृदय – राष्ट्रीय धरोहर शहर विकास एवं संवर्धन योजना ☐
- अमृत (अटल शहरी कायाकल्प और परिवर्तन मिशन) ☐

⊙ **विविध योजनाएं** ☐

- जीवन प्रमाण ☐
- डिजिलॉकर ☐
- भारतनेट परियोजना (राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क) ☐
- इंस्पॉयर (अनुसंधान के लिए विज्ञान खोज में नवाचार) ☐
- साकार ☐
- डिजिटल इंडिया ☐
- नमामि गंगे परियोजना (एकीकृत गंगा संरक्षण मिशन परियोजना) ☐
- गंगा ग्राम योजना ☐
- जल क्रांति अभियान ☐
- खेलो इंडिया ☐
- एक रैंक एक पेंशन योजना ☐
- प्रगति (सक्रिय अभिशासन और समय पर कार्यान्वयन) ☐
- भारतीय समुदाय कल्याण कोष (आईसीडब्ल्यूएफ) ☐

⊙ **समावेशी विकास** ☐

- मापन मानदंड ☐
- समावेशी विकास के लिए सरकारी पहलें ☐
- मूलभूत सुविधाएं: आवास/पेयजल /स्वच्छता ☐
- संधारणीय विकास ☐

⊙ **ग्रामीण विकास** ☐

- ग्रामीण विकास और गरीबी उन्मूलन ☐
- वर्तमान कार्यक्रमों की समीक्षा ☐
- विकास प्रशासन ☐
- पंचायती राज ☐
- कृषि और ग्रामीण विकास ☐

समकालीन मुद्दे

- ऑनलाइन दुष्प्रचार और द्वेषपूर्ण भाषण का प्रतिकार करना ☐
- स्वच्छता और पोषण संबंध ☐
- बाल तस्करी ☐
- शहरी मेगा संकट और वैकल्पिक परिवहन ☐
- वैवाहिक बलात्कार, महिलाओं का अपमान ☐
- बदलते सामाजिक समीकरणों के समय में जातिय जनगणना ☐
- भारत की अर्थव्यवस्था पर लैंगिक समावेशिता का ऊर्मिका प्रभाव ☐
- कोविड –19 और अनाथ ☐
- लैंगिक प्रौद्योगिकी अंतरालः प्रौद्योगिकी के प्रति नारीवादी दृष्टिकोण की आवश्यकता ☐
- महिलाओं के लिए विवाह योग्य आयु का मुद्दा ☐
- अंतरजातीय विवाह का प्रतीकवाद ☐
- गर्भावस्था की चिकित्सीय समाप्ति ☐
- महिलाओं के विरूद्ध हिंसा ☐
- आदिवासियों के लिए तकनीक ☐
- दक्षिण एशियाई प्रवासी संकट ☐
- लैंसेट की रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य को नुकसान ☐
- वैश्विक सामाजिक गतिशीलता सूचकांक ☐
- समर्थन परियोजना ☐
- महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रम – खुशी और उज्ज्वला, सेनेटरी नैपकिन पहल ☐
- भारतीय पोषण कृषि कोष ☐
- स्कूली शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक ☐
- समग्र शिक्षा अभियान ☐
- पल्स पोलियो कार्यक्रम ☐
- स्ट्राइड ☐
- "केरल ने सीएफएल और फिलामेंट वाले बल्ब पर प्रतिबंध लगाया" ☐
- गया 'प्रवासी नीति सूचकांक' ☐
- ''लस्सा बुखार" ☐

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ☐
- सशस्त्र बलों में महिलाएं ☐
- 'स्कूली शौचालयों पर सीएजी की सर्वेक्षण रिपोर्ट' ☐
- 'काम पर यौन उत्पीड़न के विरूद्ध कानून' ☐
- बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 ☐

****

राजव्यवस्था

1. ऐतिहासिक विकास और विशेषताएं

- संविधान का महत्व ☐
- संविधान का ऐतिहासिक विकास ☐
- संविधान सभा ☐
- संविधान के उद्देश्य ☐
- भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं ☐
- एकात्मक विशेषताएं ☐
- संघात्मक विशेषताएं ☐
- सरकार का संसदीय स्वरूप ☐
- सरकार का अध्यक्षात्मक स्वरूप ☐
- संसदीय बनाम अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली ☐

2. प्रस्तावना

- प्रस्तावना ☐
- मूलभूत विशेषताएं ☐
- संविधान की मूल्य प्राक्कल्पना ☐
- शब्दावलीः ☐
  - ► लोकतांत्रिक ☐
  - ► संप्रभु ☐
  - ► समाजवादी ☐
  - ► धर्मनिरपेक्ष ☐
  - ► गणतंत्र ☐
  - ► न्याय ☐
  - ► समानता ☐
  - ► स्वतंत्रता ☐
  - ► बंधुत्व ☐
  - ► अखंडता ☐

प्रस्तावना की संशोधनीयता ☐

3. नागरिकता

- मूलभूत संवैधानिक विशेषताएं ☐
- नागरिकता प्राप्त करने की कार्यपद्धति ☐
- भारत की नागरिकता खोने की विधियाँ ☐
- दोहरी नागरिकता की अवधारणा ☐
- जम्मू–कश्मीर में नागरिकता के प्रावधान ☐
- नागरिकों को प्राप्त विशेष विशेषाधिकार ☐
- भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) और भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) ☐

4. मूल अधिकार

- मूल अधिकारों का महत्व ☐
- राज्य क्या है? ☐
- समानता का अधिकार ☐
- स्वतंत्रता का अधिकार ☐
- शोषण के विरूद्ध अधिकार ☐
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार ☐
- सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार ☐
- संवैधानिक उपचार का अधिकार ☐
- मूल अधिकार और सशस्त्र बल ☐
- सैन्य कानून (मार्शल लॉ) और मूल अधिकार ☐
- विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया और कानून की सम्यक प्रक्रिया के बीच अंतर ☐
- रिट और उनके उपयोग ☐
- मूल अधिकारों पर प्रतिबंधात्मक सीमाएं ☐
- संविधान के भाग III के बाहर के अधिकार ☐
- अनुच्छेद 32 की गतिशील प्रकृति ☐
- भारतीय आरक्षण व्यवस्था को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता ☐

5. डीपीएसपी

- मूलभूत विशेषताएं ☐
- निर्देशक ☐
- आर्थिक और सामाजिक डीपीएसपी ☐

- गांधीवादी डीपीएसपी ☐
- प्रशासनिक डीपीएसपी ☐
- अंतर्राष्ट्रीय शांति से संबंधित डीपीएसपी ☐
- डीपीएसपी (राज्य की नीति के निदेशक तत्व) का कार्यान्वयन ☐
- मूल अधिकार और राज्य के नीति के निर्देशक तत्व का विवाद ☐
- संविधान के भाग IV के बाहर निर्देश ☐
- भारत में समान नागरिक संहिता का अनुप्रयोग ☐

6. मूल कर्तव्य

- विशेषताएं ☐
- मूल अधिकारों और मूल कर्तव्यों का संबंध ☐

7. अन्य सिद्धांत

- भारत में कानून बनाने की प्रक्रिया ☐
- कानून बनाने में संवैधानिक और संविधानेत्तर निकायों की भूमिका ☐
- मूल संरचनाः यह कैसे विकसित हुई? ☐
- भारतीय संविधान में आवश्यक विभिन्न प्रकार के बहुमत ☐
- डीपीएसपी बनाम मूल अधिकार ☐
- सिद्धांत और शब्दावली ☐

8. शक्तियों का पृथक्करण

- अमेरिकी और ब्रिटेन के संविधान की विशेषताएं ☐
- भारतीय संविधान में नियंत्रण और संतुलन के प्रावधान ☐
- न्यायिक समीक्षा ☐
- शक्तियों के पृथक्करण की अवधारणा ☐

9. अन्य देशों के साथ भारतीय संवैधानिक योजना की तुलना

- यूएसए, यूके, भारत और पड़ोसियों की तुलना ☐

10. संघ और राज्य

- राज्य पुनर्गठन आयोग (संक्षिप्त जानकारी) ☐
- भारतीय राज्यक्षेत्र के घटक ☐
- नए राज्यों के गठन की प्रक्रिया ☐
- क्षेत्रीय परिषदें ☐
- केंद्र शासित प्रदेश ☐
- राज्यों के लिए विशेष प्रावधान ☐
- अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्र ☐
- संघ और राज्यों के कार्य और उत्तरदायित्व ☐
- सरकार के कार्यों का विनियमन ☐
- सरकार का विकास कार्य ☐
- सरकार का सेवा प्रदान करने वाला कार्य ☐
- कार्यान्वयन में समस्याएं ☐
- सुधार हेतु अनुशंसाएं ☐
- भूमिकाओं के कार्यान्वयन में संघ, राज्य और स्थानीय शासन के बीच अंतर्संबंध ☐
- वित्तीय हस्तांतरण से संबंधित संवैधानिक प्रावधान ☐
- वित्तीय हस्तांतरण के मुद्दे ☐
- संघीय संरचना से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ ☐
- प्रशासनिक संबंध ☐
- विधायी संबंध ☐
- वित्तीय संबंध ☐
- आपातकालीन प्रावधान और अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग ☐
- अंतरराज्यीय संबंध ☐
- संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची से संबंधित मुद्दे ☐
- राज्यपाल की नियुक्ति से संबंधित मुद्दे ☐
- राज्य गठन से संबंधित मुद्दे ☐
- वित्त का अपर्याप्त हस्तांतरण ☐
- राष्ट्रपति की स्वकृति के लिए विधेयक आरक्षित करना ☐
- केंद्र प्रायोजित योजनाएं और मुद्दे ☐
- विभिन्न राज्यों के लिए विशेष पैकेज ☐
- 1990 के सुधारों के बाद केंद्र और राज्यों के बीच मुद्दे ☐
- विदेश नीति और केंद्र और राज्य संबंध ☐
- अंतर्राज्यीय सीमा विवाद ☐

11. राष्ट्रपति

- राष्ट्रपति का महत्व ☐
- योग्यता ☐
- चुनाव प्रक्रिया ☐
- मतदान की एकल संक्रमणीय पद्धति के लाभ और हानि ☐
- राष्ट्रपति का कार्यकाल और परिलब्धियां ☐

- कार्यकारी शक्तियाँ ☐
- विधायी शक्तियाँ ☐
- आपातकालीन शक्तियाँ ☐
- वित्तीय शक्तियाँ ☐
- विविध शक्तियाँ ☐
- न्यायिक शक्तियाँ ☐
- राष्ट्रपति पर महाभियोग ☐
- नाममात्र प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति ☐
- अध्यादेश जारी करने की शक्ति ☐
- विधेयक पारित करना ☐
- आपातकालीन प्रावधानों का दुरुपयोग ☐
- क्षमादान की शक्ति ☐
- गठबंधन सरकार ☐

12. उप–राष्ट्रपति

- उपराष्ट्रपति का पद ☐
- कार्य ☐
- भारतीय उपराष्ट्रपति और अमेरिकी उपराष्ट्रपति के बीच तुलना ☐

13. प्रधानमंत्री

- प्रधानमंत्री की नियुक्ति ☐
- प्रधानमंत्री के कार्य ☐
- प्रधानमंत्री की भूमिका : ☐
  - ► मंत्रिपरिषद ☐
  - ► राष्ट्रपति ☐
  - ► लोकसभा ☐
  - ► राजनीतिक दल ☐
  - ► गठबंधन सरकार ☐

14. मंत्रिमंडल

- मंत्रिपरिषद का प्रभाग ☐
- मंत्रिपरिषद की भूमिका ☐
- मंत्रिमंडल की भूमिका ☐
- मंत्रियों के उत्तरदायित्व ☐

15. भारत का महान्यायवादी

- योग्यता ☐
- कार्य ☐
- संसद के संबंध में शक्तियाँ ☐

16. संसद

- राज्य सभा की संरचना ☐
- लोकसभा की संरचना ☐
- विधान सभा और विधान परिषद की संरचना ☐
- सांसदों और विधायकों की योग्यता और अयोग्यता ☐
- सीटों की रिक्ति ☐
- संसद के सत्र ☐
- विधि निर्माण की प्रक्रिया ☐
- संसद और राज्य विधायिका के अधिकारी ☐
- संसद की कार्यवाही ☐
- संसद में प्रस्ताव और संकल्प ☐
- शक्तियाँ और विशेषाधिकार ☐
- वित्तीय कार्यवाही ☐
- लोकसभा और राज्य सभा की तुलना ☐
- विधान सभा और विधान परिषद की तुलना ☐
- संसद में महिला आरक्षण और मुद्दे ☐
- संसदीय शक्तियाँ कम करना ☐
- संसदीय समितियाँ और उनके कार्य ☐
- न्यायिक सक्रियता और संसद ☐
- प्रत्यायोजित विधायन और मुद्दे ☐

17. न्यायपालिका

- एकीकृत न्यायिक प्रणाली ☐
- सर्वोच्च न्यायालय ☐
- संरचना ☐
- सर्वोच्च न्यायालय की स्वतंत्रता ☐
- सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र ☐
- न्यायिक समीक्षा ☐
- उच्च न्यायालय ☐
- संरचना ☐
- पदावधि और पदच्युति ☐
- अधिकार क्षेत्र ☐
- अन्य शक्तियाँ ☐
- निचली न्यायपालिका ☐
- नियुक्ति ☐
- शक्तियाँ ☐
- न्यायाधिकरण और अधीनस्थ न्यायालय ☐
- संविधान के संरक्षक और मूल अधिकारों के रक्षक के रूप में भारत के सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका
- न्यायिक समीक्षा ☐
- पीआईएल ☐
- न्यायिक सक्रियता ☐

- न्यायपालिका में नियुक्ति ☐
- कॉलेजियम प्रणाली ☐
- एनजेएसी विवाद ☐
- राष्ट्रीय अपील न्यायालय ☐
- न्यायिक जवाबदेही ☐
- न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मुद्दे ☐
- न्यायपालिका में महिलाओं की भूमिका ☐
- आभासी न्यायालयों की आवश्यकता ☐

18. सरकार के मंत्रालय और विभाग

- मंत्रालयों का कामकाज ☐
- केंद्रीय सचिवालय ☐
- कैबिनेट सचिव ☐
- क्षेत्रीय संगठन ☐
- आवश्यक सुधार ☐
- अंतर्राष्ट्रीय कार्यपद्धति ☐

19. स्थानीय शासन

- 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के प्रावधान ☐
- अलग–अलग स्तरों की भूमिका और कार्य ☐
- नगर निगम ☐
- नगर पालिकाएं ☐
- नगर पंचायतें ☐
- महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदम ☐
- राज्य निर्वाचन आयोग की भूमिका ☐
- राज्य वित्त आयोग की भूमिका ☐
- स्मार्ट सिटी मिशन और नगर प्रशासन ☐
- मॉडल पंचायत नागरिक चार्टर रूपरेखा ☐
- विवाद निवारण तंत्र और संस्थान ☐
- विवाद निवारण तंत्र क्या है? ☐
- विवाद निवारण तंत्र की आवश्यकता ☐
- प्रशासनिक न्यायाधिकरण और मुद्दे ☐
- फास्ट ट्रैक कोर्ट और मुद्दे ☐
- ग्राम न्यायालय और मुद्दे ☐
- परिवारिक महिला लोक अदालतें और मुद्दे ☐
- पारिवारिक न्यायालय और मुद्दे ☐
- लोक अदालत और मुद्दे ☐
- नालसा और मुद्दे ☐
- कमजोर वर्गों के लिए विवाद निवारण ☐
- मध्यस्थता तंत्र ☐
- अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र ☐
- वाणिज्यिक न्यायालय ☐
- भारत का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ☐
- नियुक्ति ☐
- कार्य ☐
- सुशासन में सीएजी की भूमिका ☐

20. राज्यपाल

- नियुक्ति, पदावधि, योग्यता, आदि ☐
- शक्तियाँ ☐
- विवेकाधीन शक्तियाँ ☐
- अध्यादेश जारी करने की शक्ति ☐
- राज्यपाल की क्षमादान की शक्ति ☐

21. मुख्यमंत्री

- नियुक्ति ☐
- शक्तियाँ और उत्तरदायित्व ☐
- राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच संबंध ☐
- मंत्रिपरिषद और मुख्यमंत्री के बीच संबंध ☐

22. राज्य का महाधिवक्ता

- नियुक्ति ☐
- कार्य ☐

23. राज्य विधायिका

- विधानसभा और विधान परिषद की संरचना ☐
- विधायिका के सदस्यों की योग्यता ☐
- विधायिका की शक्तियाँ और कार्य ☐
- दोनों सदनों के बीच संबंध ☐
- राज्य विधायिका के अधिकारी ☐
- राज्य विधायिका और उसके सदस्यों की शक्तियाँ, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियाँ ☐
- विधायी प्रक्रिया ☐
- विधेयकों पर राज्यपाल की स्वीकृति ☐
- वित्तीय मामलों/बजट में प्रक्रिया ☐

24. संवैधानिक निकाय

- निर्वाचन आयोग ☐
- संघ लोक सेवा आयोग ☐
- राज्य लोक सेवा आयोग ☐
- वित्त आयोग ☐
- जीएसटी परिषद ☐
- एससी और एसटी के लिए राष्ट्रीय आयोग ☐

- भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी ☐
- राज्य का महाधिवक्ता ☐

25. संविधानेत्तर निकाय

- नीति आयोग ☐
- राष्ट्रीय और राज्य मानवाधिकार आयोग ☐
- केंद्रीय और राज्य सूचना आयोग ☐
- केंद्रीय सतर्कता आयोग ☐
- केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ☐
- लोकपाल और लोकायुक्त ☐

26. विभिन्न संवैधानिक आयाम

- सहकारी समितियाँ ☐
- भारतीय संविधान के अंतर्गत राजभाषा ☐

27. राजनीतिक गतिशीलता

- राजनीतिक दलों से संबंधित प्रावधान ☐
- भारत में क्षेत्रीय दलों का उदय ☐
- भारत में चुनाव कानून और चुनावी सुधार ☐
- भारतीय निर्वाचन प्रणाली में एनआरआई वोटों का महत्व ☐
- भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची ☐

समकालीन मुद्दे

- न्यायपालिका में महिलाएं ☐
- 'क्या अनिवासी भारतीय (एनआरआई) भारत में अपना वोट डाल सकते हैं?' ☐
- त्वरित परीक्षणः मूल अधिकार स्पीडी ट्रायल ☐
- ''भुला दिए जाने का अधिकार'' ☐
- स्वास्थ्य को समवर्ती सूची में डालना ☐
- निजी कानून बनाम लैंगिक न्यायः क्या समान नागरिक संहिता से इस समस्या का समाधान होगा? ☐
- सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 ☐
- विरोध का अधिकार और नैतिकता ☐
- 'असम–मिजोरम सीमा पर अशांति' ☐
- आभासी न्यायालय और आगे की राह ☐
- निवारक निरोधः एक आवश्यक बुराई? ☐
- यूएपीए और भारत में न्यायिक विश्वसनीयता का बढ़ता संकट ☐
- गैर सरकारी संगठन विदेशी अंशदान वित्तपोषण ☐
- न्यायपालिका में परीक्षण से हटना ☐
- एक साथ चुनाव ☐
- भारत में संसदीय कामकाज में कमियाँ ☐
- भारत में मुफ्त रेवड़ी की राजनीति ☐
- क्या सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए खतरा है? ☐
- राजनीतिक जोड़–तोड़ स्वतंत्र प्रेस के लिए खतरा ☐
- न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2021 ☐
- अनुच्छेद 32 और इसकी सदा बदलती व्याख्या ☐
- गठबंधन सरकार लोकतंत्र को मजबूत करने वाले बल के रूप में ☐
- पुश्तैनी संपत्ति में बेटी का समान अधिकारः सर्वोच्च न्यायालय ☐
- लोकतंत्र की चिंता ☐
- राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ☐
- असम–मिजोरम सीमा पर अशांति ☐
- इंटरनेट शटडाउन ☐
- सशस्त्र बल न्यायाधिकरण ☐
- संसद में "असंसदीय" भाषण और आचरण ☐
- ''राजनीति का अपराधीकरण'' ☐
- डाक मतपत्र के लिए नए नियम ☐
- योजनाओं को एक छत के नीचे लाने की सरकार की योजना ☐
- निजी संपत्ति मानव अधिकार हैः सर्वोच्च न्यायालय ☐
- समान नागरिक संहिता – वाद–विवाद, स्थिति ☐
- ई–लोक अदालतें ☐
- केंद्र–राज्य विवाद और अनुच्छेद 131 ☐
- 'राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी' ☐
- डाक मतपत्र प्रणाली ☐
- भारत की जनजातियों को बढ़ावा देना ☐
- आईपीसी की धारा 188 ☐
- 'विधान परिषद का उन्मूलन' ☐

शासन

1. सरकारी नीतियों की आवश्यकता और महत्व

- वृद्धि और विकास ☐
- मानव विकास और मानव पूंजी निर्माण ☐
- समानता (पारस्परिक और अंतर–क्षेत्रीय) और सामाजिक न्याय ☐
- एकता और अखंडता ☐
- राज्य और नागरिकों के बीच विश्वास ☐
- शासनः अर्थ और क्षेत्र ☐
- सुशासन ☐
- शासन और सुशासन पर समकालीन बहस ☐
- शासन और उभरते क्षेत्र (चौथी औद्योगिक क्रांति और संबंधित प्रौद्योगिकियां, लिंग मुद्दे, नैतिक शासन, पर्यावरण शासन) ☐

2. प्रभावी कार्यान्वयन

- प्रभावी कार्यान्वयन क्या है? दिए गए समय, संसाधनों और बाधाओं को देखते हुए सर्वोत्तम परिणाम ☐
- कार्यान्वयन में परिणाम अभिविन्यास ☐
- कार्यक्रम प्रभाव मूल्यांकन ☐
- विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं का विश्लेषण ☐

3. सरकार का हस्तक्षेप

- सुशासन – संस्थाओं, नौकरशाहों और अन्य हितधारकों की भूमिका ☐
- पारदर्शिता और जवाबदेही ☐
- संसाधनों का इष्टतम उपयोग – सही लक्ष्यीकरण, लीकेज और फिजूलखर्ची को रोकना, उपलब्ध ज्ञान का उपयोग, अनुसंधान और नवाचार ☐
- निगरानी और मूल्यांकन– परिणाम ☐
- बजट, जीरो बेस बजटिंग, इनपुट–आउटपुट (आगत–निर्गत) विश्लेषण, लागत–लाभ विश्लेषण ☐
- संस्थानों और नियामक मानदंडों की स्थापना कार्य बल, संचालन समितियां और समीक्षा समितियां। ☐
- उभरते क्षेत्रों में हस्तक्षेप– सोशल मीडिया, डेटा, गोपनीयता, सामाजिक क्षेत्रक ☐

4. विकास प्रक्रिया और उद्योग

- वृद्धि और विकास के बीच अंतर ☐
- विकास की मुख्य बाधाएं ☐
- विकास प्रक्रिया में मुख्य हितधारक ☐
- स्वयं सहायता समूह ☐
- अर्थ ☐
- महत्त्व ☐
- उद्देश्य ☐
- संस्थागत संरचना और संगठन ☐
- वित्त पोषण ☐
- SHG और महिला विकास ☐
- महिला विकास और विकास गतिशीलता में महिलाएं ☐
- SHG और निर्धनता ☐
- SHG और ग्रामीण विकास ☐
- माइक्रोफाइनांस (सूक्ष्म वित्त) ☐
  - ► अर्थ और महत्व ☐
  - ► उद्देश्य ☐
  - ► संरचना और संगठन ☐
  - ► लाभ ☐
  - ► भारत में माइक्रोफाइनांस (सूक्ष्म वित्त) ☐
- गैर–सरकारी संगठन (NGO) ☐
- GONGO ☐
- गैर–सरकारी संगठन (NGO) क्या हैं? ☐

- गैर–सरकारी संगठनों (NGO) और अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठनों (NGO) के बीच अंतर ☐
- INGO और NGO के लिए संयुक्त राष्ट्र मानदंड ☐
- गैर–सरकारी संगठन और विकास परियोजनाएं ☐
- गैर–सरकारी संगठन और सामुदायिक विकास ☐
- राहत और पुनर्वास में शामिल NGO ☐
- आपदा प्रबंधन में शामिल NGO ☐
- NGO और पक्षपोषण ☐

5. शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पहलू

- नागरिक केंद्रित शासन ☐
- सुशासन की विशेषताएं ☐
- विधायी जवाबदेही ☐
- प्रशासनिक जवाबदेही ☐
- न्यायिक जवाबदेही ☐
- लोकपाल ☐
- व्हिसलब्लोअर (सचेतक) अवधारणा ☐
- भ्रष्टाचार विरोधी मशीनरी ☐
- नागरिकों की भूमिका ☐
- मीडिया की भूमिका ☐
- सामाजिक ऑडिट (अंकेक्षण) ☐
- व्यवस्थित सुधार ☐
- सोशल मीडिया और जवाबदेही / पारदर्शिता / शासन ☐
- विकेन्द्रीकरण ☐
- प्रत्यायोजन ☐
- प्रत्यायोजन बनाम विकेंद्रीकरण ☐
- उर्ध्वगामी (बॉटम–अप) शासन ☐
- ई–शासन ☐
- परिचय ☐
- अनुप्रयोग ☐
- मॉडल ☐
- सफलताएँ ☐
- सीमाएं ☐
- भविष्य की संभावनाएं ☐
- ई–सरकार ☐
- ई–शासन और ई–सरकार के डैशबोर्ड और पोर्टल – उपयोग / प्रभाव / विश्लेषण ☐
- लोकतंत्र और ई–शासन ☐
- ई–शासन और न्यायपालिका ☐
- ई–शासन और विधानमंडल ☐

6. नागरिक चार्टर

- नागरिक चार्टर ☐
- परिचय ☐
- मॉडल ☐
- विशेषताएँ ☐
- भारत में CC (नागरिक चार्टर) ☐
- CC कार्यान्वयन में मुद्दे ☐
- सुधार की आवश्यकता ☐
- सेवोत्तम (Sevottam) रूपरेखा ☐
- नागरिक और नागरिक चार्टर ☐
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका ☐
- सिविल सेवाओं की अवधारणा ☐
- सिविल सेवाओं की आवश्यकता ☐
- सिविल सेवाओं की अलग भूमिका ☐
- कानून निर्माण ☐
- नीति निर्धारण ☐
- नीति कार्यान्वयन ☐
- नीति मूल्यांकन ☐
- लोकतंत्र के रक्षक के रूप में सिविल सेवाएँ ☐
- अल्पसंख्यकों (धार्मिक और भाषाई) की सुरक्षा ☐
- समावेशी और संधारणीय विकास को बढ़ावा देना ☐
- सिविल सेवा – लोकतंत्र की गतिशीलता ☐
- युगों में सिविल सेवाएं– स्वतंत्रता के बाद/LPG के बाद / 21वीं सदी में ☐
- सिविल सेवा के लिए उभरती चुनौतियाँ ☐
- सुधार – पार्श्व प्रविष्टि (बिना परीक्षा के सीधा प्रवेश) ☐
- सिविल सेवाओं का क्षमता निर्माण (अतीत से वर्तमान तक) ☐
- स्वायत्तता ☐
- बार–बार स्थानान्तरण और कार्यकाल की सुरक्षा– अवधारणा / लाभ / विश्लेषण ☐
- काडर (संवर्ग) नीति ☐
- सिविल सेवाओं के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन और मानव संसाधन नीतियां ☐

- सिविल सेवा बोर्ड ☐
- दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राजनीति में उनकी भूमिका ☐
- दबाव समूह क्या हैं? ☐
- प्रकार ☐
- भारत में दबाव समूहों का महत्व ☐
- दबाव समूह और राजनीतिक दल के बीच अंतर ☐
- दबाव समूहों की भूमिका का मूल्यांकन ☐
- दबाव समूह और नव मीडिया ☐
- दबाव समूहों का राजनीतिकरण ☐
- शासन में दबाव समूहों की भूमिका ☐
- दबाव समूहों के लिए मुद्दे, पक्ष, विपक्ष, चुनौतियाँ ☐

7. विभिन्न संवैधानिक निकायों के विभिन्न संवैधानिक पदों, शक्तियों, कार्यों और जिम्मेदारियों की नियुक्ति

- CAG की नियुक्ति (नियुक्ति की प्रक्रिया) – CAG की संरचना ☐
- CAG के कार्य और जिम्मेदारियां ☐
- CAG की शक्तियां और विशेषाधिकार (संविधान और संसद के विभिन्न अधिनियमों द्वारा प्रदत्त।) ☐
- ECI की नियुक्ति (नियुक्ति की प्रक्रिया) – ECI की संरचना ☐
- ECI के कार्य और जिम्मेदारियां ☐
- ECI की शक्तियां और विशेषाधिकार (संविधान और संसद के विभिन्न अधिनियमों द्वारा प्रदत्त) ☐
- UPSC में नियुक्ति (नियुक्ति की प्रक्रिया) UPSC की संरचना ☐
- UPSC के कार्य और जिम्मेदारियां ☐
- UPSC की शक्तियां और विशेषाधिकार (संविधान और संसद के विभिन्न अधिनियमों द्वारा प्रदत्त।) ☐
- वित्त आयोग में नियुक्ति (नियुक्ति की प्रक्रिया) – वित्त आयोग की संरचना ☐
- वित्त आयोग के कार्य और उत्तरदायित्व ☐
- वित्त आयोग की शक्तियां और विशेषाधिकार (संसद के संविधान और विभिन्न अधिनियमों द्वारा प्रदत्त) ☐
- SC और ST के लिए राष्ट्रीय आयोग। ☐
- अन्य निकाय – NGT, NHRC आदि। ☐
- प्रत्येक निकाय का मूल्यांकनः इतिहास/विकास/पक्ष/विपक्ष/मुद्दे/चुनौतियां/आगे का रास्ता वैधानिक, नियामक और विभिन्न अर्ध–न्यायिक निकाय ☐
- SEBI ☐
- CVC ☐
- CBI ☐
- योजना अयोग ☐
- NDC ☐
- PMO ☐
- आंचलिक परिषद ☐
- TRAI ☐
- NCLT ☐
- IRDA ☐
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ☐
- राज्य मानवाधिकार आयोग ☐
- केंद्रीय सूचना आयोग ☐
- राज्य सूचना आयोग ☐
- राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ☐
- न्यायाधिकरण (TRIBUNAL) ☐
- भारतीय चिकित्सा परिषद ☐
- पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण ☐
- भारतीय जैव विविधता प्राधिकरण ☐
- प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ☐
- वायदा बाजार आयोग ☐
- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ☐
- भारतीय रिजर्व बैंक ☐
- प्रत्येक निकाय का मूल्यांकनरू इतिहास/विकास/पक्ष/विपक्ष/मुद्दे/चुनौतिया /आगे का रास्ता ☐
- भारत में चुनाव ☐
- लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की मुख्य विशेषताएं ☐
- लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की मुख्य विशेषताएं ☐
- चुनावी सुधार ☐
- राजनीति का अपराधीकरण ☐
- नकारात्मक या तटस्थ मतदान ☐
- चुनावों का राज्य वित्त पोषण ☐
- मतदान में गड़बड़ी ☐
- चुनावी बांड ☐

8. भारत में राजनीतिक दल

- भारत में राजनीतिक दल ☐
- पार्टी सुधार ☐
- पार्टियों के कामकाज में समस्याएं ☐
- जातिवाद और राजनीति ☐
- भारत में दलीय व्यवस्था में सुधार ☐
- दलबदल विरोधी उपायों को मजबूत बनाना ☐
- गठबंधन सरकारें और गतिशीलता ☐

9. दबाव समूहों की भूमिका

- दबाव समूहों के प्रकार ☐
- विकासशील देशों में दबाव समूह की भूमिका ☐
- भारत में दबाव समूहों के कार्य ☐
- दबाव समूह के तरीके ☐
- दबाव समूह और लोकतंत्र ☐
- दबाव समूहों की आलोचना ☐

10. स्थानीय सरकार और शासन

- निधियों, कार्यों और पदाधिकारियों के मुद्दे। ☐
- स्थानीय सरकार और सुभेद्य वर्ग (एससी/एसटी/ओबीसी/महिला/ट्रांसजेंडर/प्रवासी/बच्चे/विकलांग आदि) ☐
- स्थानीय सरकार और उभरते मुद्दे (आपदा प्रबंधन, प्रौद्योगिकी) ☐
- स्थानीयवाद ☐
- नव–स्थानीयवाद ☐
- सब्सिडियरिटी (Subsidiarity) ☐

11. सुभेद्य वर्ग (मुद्दे/चुनौतियां/समाधान/कानून/हस्तक्षेप)

- अनुसूचित जाति ☐
- अनुसूचित जनजाति ☐
- अन्य पिछड़ा वर्ग ☐
- प्रवासी ☐
- महिलाएं ☐
- अक्षम (दिव्यांग) ☐
- बच्चे ☐
- शरणार्थी ☐
- ट्रांसजेंडर ☐
- LGBT ☐
- मैनुअल स्कैवेंजर, मेहतर (हाथ से मैला उठाने वाले) ☐
- विशेष आवश्यकता वाले लोग ☐

12. निर्धनता, भूख और स्वास्थ्य (मूल्यांकन/मुद्दे/चुनौतियां/समाधान/समितियां/आयोग/कार्यक्रम/संस्थान/अन्तर्राष्ट्रीय तुलना)

- निर्धनता ☐
- भूख ☐
- स्वास्थ्य ☐
- कुपोषण ☐
- बेरोजगारी ☐
- संकट प्रवास ☐
- योजनाएं– MGNREGA, PM_POSHAN, आयुष्मान भारत आदि ☐
- नीतियां–NHP, NEP आदि ☐

13. विविध

- ''डिजिटल युग में लोकतंत्र की चिंता' ☐
- सूचकांक और रैंकिंग – घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय (जैसे वैश्विक भूख सूचकांक, नीति आयोग, NIRF आदि) ☐
- रिपोर्ट – घरेलू /अंतरराष्ट्रीय /सरकारी / स्वतंत्र ☐
- इंटरनेट शटडाउन ☐
- समितियां और आयोग (निष्कर्ष/सिफारिशें/विश्लेषण) ☐
- सहकारी समितियां ☐
- MSME ☐
- एक राष्ट्र एक राशन कार्ड ☐
- एक जिला एक उत्पाद ☐
- आकांक्षी जिले ☐
- संधारणीय विकास लक्ष्य और भारत ☐
- एंटाइटेलमेंट पोर्टेबिलिटी ☐
- फेक न्यूज, द्वेषपूर्ण भाषा ☐
- हालिया हस्तक्षेप (कानून में – गोपनीयता / क्रिप्टो मुद्रा / समान नागरिक संहिता / गर्भावस्था की समाप्ति आदि। जैसे नियम– IT नियम – OTT और डिजिटल मीडिया को विनियमित करना) ☐
- मिशन (जल जीवन मिशन/गतिशक्ति आदि) ☐

समकालीन मुद्दे

- लोक सेवकों का बार–बार स्थानान्तरण ☐
- भारत में शासन मॉडल का अधिक विकेन्द्रीकृत रूप ☐
- आपराधिक न्याय प्रणाली – समस्याएं और समाधान ☐
- सहकारिता मंत्रालय ☐
- एक राष्ट्र एक राशनकार्ड ☐
- 'संघवाद और भारत में अंतरराज्यीय नदी जल शासन' ☐
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) ☐
- एक जिला एक उत्पादः पूर्वोत्तर अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक संभावित गेमचेंजर (खेल परिवर्तक) ☐
- ई–ग्राम स्वराज पोर्टल ☐
- मिशन कर्मयोगी ☐
- गर्भ का चिकित्सकीय समापन (संशोधन) अधिनियम 2021 ☐
- सूचना प्रौद्योगिकी ☐
- (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 ☐
- डिजिटल युग में लोकतंत्र को लेकर चिंता ☐
- जल जीवन मिशन ☐
- नैतिक पुलिसिंग ☐
- भारतीय शहरी स्थानीय निकायों (ULB) में लिंग आरक्षण का प्रभाव ☐
- भारत में शिक्षा की बदलती जरूरतें ☐

****

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

1. भारतीय विदेश नीति के उद्भव और प्रमुख सिद्धांत

भारतीय विदेश नीति

- भारत की विदेश नीति के निर्धारक ☐
- भारत की विदेशी का निर्धारण करने वाले कारक ☐

नीति

- गुट निरपेक्ष आंदोलन ☐
- NAM 2.0 ☐
- पंचशील ☐
- भारत का परमाणु सिद्धांत ☐
- पड़ोस नीति का विकास ☐
- लुक इस्ट पॉलिसी ☐
- एक्ट ईस्ट पॉलिसी ☐
- लुक वेस्ट पॉलिसी ☐

भारतवंशी समुदाय

- भारतवंशियों द्वारा निभाई गई भूमिका ☐
- विदेशों में भारतीयों की सुरक्षा का मुद्दा ☐
- प्रवासी भारतीयों के कल्याण के लिए योजनाएं ☐

2. द्विपक्षीय संबंध

भारत और उसके पड़ोसी

- भारत–नेपाल संबंध ☐
- संबंध की पृष्ठभूमि ☐
- भारत और नेपाल के बीच सहयोग ☐
- भारत और नेपाल के संबंधों में विवाद ☐
- जल और जल विद्युत सहयोग का मुद्दा ☐
- संबंधों में सुधार के लिए संस्तुतियाँ ☐
- बाहरी प्रभाव ☐

भारत और भूटान

- अर्थव्यवस्थाः एक व्यापक अवलोकन ☐
- भारत, भूटान और चीनः मुद्दे ☐
- भारतीय प्रधान मंत्री की हालिया ऐतिहासिक यात्रा ☐

भारत–अफगान द्विपक्षीय संबंध

- द्विपक्षीय संबंधों का एक लंबा इतिहास ☐
- भारत–अफगानिस्तान विकास साझेदारी ☐
- अफगानिस्तान के साथ भारत की साझेदारी को प्रभावित करने वाले सामरिक कारक ☐
- नाटो (NATO) के हटने के बाद अफगानिस्तान ☐
- भारत के लिए विकल्प ☐

भारत–बांग्लादेश संबंध

- विकास साझेदारी ☐
- 'पूर्व की ओर देखो' नीति के अनुरूप भारत–बांग्लादेश संबंध ☐
- सीमा समझौते ☐
- तीस्ता नदी विवाद ☐

भारत–मालदीव संबंध

- मालदीव का भू–रणनीतिक महत्व ☐
- विकास सहयोग ☐
- सुरक्षा जोखिम ☐

भारत–श्रीलंका संबंध

- वाणिज्यिक संबंध ☐
- विकासात्मक सहयोग ☐
- मछुआरों का मुद्दा ☐

- **भारत–म्यांमार संबंध**
  - युगों पुराना सम्बन्ध ☐
  - नीति में नवीनतम बदलाव ☐
  - चीन की भूमिका ☐
- **भारत–पाक संबंध**
  - भारत और पाकिस्तान के बीच सहयोग ☐
  - प्रमुख संकट ☐
  - जल विवाद ☐
  - आतंकवाद और परोक्ष युद्धों का मुद्दा ☐
- **भारत – रूस** ☐
  - भारत और रूस के बीच सहयोग ☐
  - सामरिक सहयोग ☐
  - प्रमुख चिंताएं ☐
  - रूस – चीन ☐
- **भारत–चीन संबंध**
  - आर्थिक संबंध ☐
  - चीन भारत जल संबंधित मुद्दा ☐
  - 'मोतियों की माला की रणनीति' (String of Pearls Strategy) ☐
  - चीन का रेशम मागर्रू भारत के लिए निहितार्थ ☐
  - बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का सैन्यीकरण ☐
  - विश्वास निर्माण के उपाय (CBM) ☐
  - सीमा विवाद ☐
- **दक्षिण चीन सागर विवाद**
  - मुख्य विवाद ☐
  - संसाधनों के लिए प्रतियोगिता ☐
  - सुलझाने के प्रयास ☐
  - भारत और दक्षिण चीन विवाद ☐
- **हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां**
  - एशिया केन्द्रित अमेरिकी नीति में बदलाव ☐
  - दक्षिण चीन सागर – अविश्वास के मुद्दे ☐
  - सोमालिया के तट पर समुद्री डकैती ☐
  - पड़ोस के मुद्दे और आतंकवाद ☐
  - ऊर्जा मार्ग ☐
  - मत्स्य पालन और आजीविका के मुद्दे ☐
  - पर्यावरण सुरक्षा ☐
  - हिंद महासागर को शांति का क्षेत्र घोषित करना ☐
  - भारत और एशियाई राष्ट्र संबंध ☐
- **भारत और एशियाई राष्ट्र संबंध**
  - **मध्य एशिया के CIS देश** ☐
  - भारत–तुर्कमेनिस्तान ☐
  - भारत–कजाखस्तान ☐
  - भारत ताजिकिस्तान ☐
  - चीन और मध्य एशिया ☐
  - अंतर्राष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारा ☐
  - शंघाई सहयोग संगठन ☐
- **भारत–मंगोलिया**
  - भारत–मंगोलिया द्विपक्षीय सहयोग ☐
  - यूरेनियम आपूर्ति पर सौदा ☐
- **भारत–यूएई संबंध**
  - राजनीतिक और आर्थिक संबंध ☐
  - तेल आर्थिक संबंध ☐
- **भारत – ईरान**
  - ईरान परमाणु समझौता और भारत ☐
  - भारत ईरान संबंध ☐
  - ईरान में अमेरिकी–भू–राजनीतिक और भू–आर्थिक विचार ☐
- **भारत – इजराइल**
  - इजरायल और फिलिस्तीन संघर्ष ☐
  - भारत–इजरायल संबंध ☐
- **भारत – सऊदी अरब**
  - सहयोग के क्षेत्र ☐
  - संबंधों में चुनौतियां ☐
- **एशिया प्रशांत क्षेत्र**
  - गतिविधि के क्षेत्र ☐
  - क्षेत्रीय समूह ☐
  - एशिया प्रशांत की भू–राजनीति ☐
- **भारत–दक्षिण पूर्व एशिया**
  - भारत–आसियान संबंधों में कदम ☐
  - भारत–आसियान सुरक्षा सहयोग ☐
- **भारत–जापान द्विपक्षीय संबंध**
  - अर्थव्यवस्था केंद्रित संबंध ☐

- समकालीन परिप्रेक्ष्य ☐

भारत – दक्षिण कोरिया

- भारत दक्षिण कोरिया संबंध ☐
- हाल के वर्षों में आर्थिक भागीदारी ☐

भारत–वियतनाम

- आर्थिक सहयोग ☐
- सामरिक सहयोग ☐
- भू–राजनीतिक मुद्दों से संबंधित ☐
- भारत–वियतनाम ऊर्जा सहयोग ☐
- चीन की अनुक्रिया (रेस्पांस) ☐
- भारतीय अनुक्रिया ☐

भारत और अन्य राष्ट्र

भारत और अफ्रीका

- ऐतिहासिक संबंध ☐
- गांधी की भूमिका ☐
- नेहरू की भूमिका ☐
- संबंधों को सुदृढ़ बनाना ☐
- दक्षिण–दक्षिण वचनबद्धता ☐
- वर्तमान गतिकी ☐
- आर्थिक सहयोग ☐
- मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण ☐
- ऊर्जा सहयोग ☐
- सैन्य सुरक्षा सहयोग ☐
- व्यापार नीति ☐
- अफ्रीका–भारत व्यापार ☐
- अफ्रीका में भारतीय निवेश ☐
- भारत में अफ्रीकी निवेश ☐
- विकास सहयोग और सहायता ☐

भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंध

- आप्रवासन मुद्दा और भारतीय प्रवासी ☐
- आर्थिक संबंध ☐
- परमाणु सहयोग का मुद्दा ☐

फ्रांस

- सामरिक भागीदारी ☐
- प्रधानमंत्री की हालिया फ्रांस यात्रा ☐

जर्मनी

- भारत–जर्मनी आर्थिक संबंध ☐

यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन)

- भारत और ब्रिटेन संबंध ☐
- BREXIT ☐
- भारत और BREXIT ☐

भारत–अमेरिका संबंध

- सहयोग का क्षेत्ररू सामरिक परामर्श ☐
- सहयोग का क्षेत्रः आतंकवाद का मुकाबला और आंतरिक सुरक्षा ☐
- सहयोग का क्षेत्रः व्यापार और अर्थव्यवस्था ☐
- सहयोग का क्षेत्रः ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन ☐
- सहयोग का क्षेत्रः विज्ञान और प्रौद्योगिकी (S&T) और अंतरिक्ष ☐
- सहयोग का क्षेत्रः मानवीय (लोगों से लोगों के बीच) संबंध ☐
- सहयोग का क्षेत्रः रक्षा सहयोग ☐
- बौद्धिक संपदा मुद्दे ☐
- भारत और अंतर्राष्ट्रीय संगठन ☐
- भारत–प्रशांत संबंध ☐
- चतुर्भुजीय सुरक्षा वार्ता (QUAD) ☐
- भारत और वरीयता की सामान्यीकृत प्रणाली (जीएसपी) ☐

1. बहुपक्षीय संबंध

विश्व व्यापार संगठन

- विश्व व्यापार संगठन और आर्थिक समूहों में प्रतिनिधित्व ☐
- विश्व व्यापार संगठन कैसे निर्णय लेता है ☐
- विश्व व्यापार संगठन सचिवालय और बजट ☐
- विश्व व्यापार संगठन में देश कैसे शामिल होते हैं ☐

- विकासशील और संक्रमणकालीन अर्थव्यवस्थाओं की सहायता करना ☐
- निर्यात संवर्धन के लिए विशेष सहायता ☐
- वैश्विक आर्थिक नीति–निर्माण में विश्व व्यापार संगठन का हिस्सा ☐
- नैरोबी पैकेज ☐
- विश्व व्यापार संगठन और संरक्षणवाद ☐
- विश्व व्यापार संगठन और IPR (बौद्धिक सम्पदा अधिकार) ☐
- विश्व व्यापार संगठन में सुधार ☐
- विश्व व्यापार संगठन और भारत ☐
- विश्व व्यापार संगठन और विकासशील देशों के कृषि मुद्दे ☐
- विश्व व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार समझौते (FTA) ☐

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ☐
- सुधार ☐

परमाणु सुरक्षा

- परमाणु सुरक्षा शिखर सम्मेलन ☐
- परमाणु आतंकवाद के खतरे ☐
- मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (MTCR) ☐
- परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) ☐
- भारत के लिए NSG की सदस्यता ☐
- परमाणु अप्रसार संधि (NPT) ☐

BRICS (ब्रिक्स)

- ब्रिक्स देशों में आर्थिक वातावरण ☐
- BRICS & BIMSTEC (ब्रिक्स–बिम्सटेक) ☐
- BRICS और भारत ☐

BIMSTEC

- BIMSTEC और भारत ☐
- आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर सम्मेलन ☐

IBSA

- IBSA संभावना ☐
- IBSA को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता ☐
- भारत के नीतिगत विकल्प ☐
- तकनीकी सहयोग ☐

SAARC (सार्क)

- SAARC के लिए संभावनाएं ☐
- भारत–पाक संघर्ष ☐
- संसाधन विकास की समस्या ☐

भारत–आसियान आर्थिक सहयोग

- सिंगापुर ☐
- वियतनाम ☐
- इंडोनेशिया ☐
- सेवा में भारत आसियान एफटीए ☐

2. वैश्विक संस्थान

- संयुक्त राष्ट्र और उसके निकाय ☐
- संयुक्त राष्ट्र की संरचना ☐
- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ☐
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) ☐
- भारत और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ☐
- आर्थिक और सामाजिक परिषद ☐
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ☐
- संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसियां ☐
- खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ☐
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) ☐
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ☐
- अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) ☐
- अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) ☐
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) ☐
- कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD) ☐
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न ☐
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ☐
- **WIPO**
- विश्व बैंक ☐
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ☐

3. महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- नई विश्व व्यवस्था ☐
- नई विश्व व्यवस्था की गतिशीलता ☐
- नया शीत युद्ध ☐

समकालीन मुद्दे

- महामारी प्रेरित BRI: ☐
- हिंद महासागर से चीन का पहला रेलवे लिंक ☐
- लघुपक्षवादः सहयोग और शासन की संभावनाओं को तौलना ☐
- अफगानिस्तान में अमेरिका ☐
- क्वाड के विचार को परिभाषित करें, रूपरेखा खीचें ☐
- AUKUS सुरक्षा गठबंधन ☐
- तीस्ता विवाद और भारत–बांग्लादेश संबंध ☐
- BIMSTEC (बिम्सटेक) को खुद को फिर से गढ़ने की आवश्यकता है ☐
- भारत और श्रीलंका द्वारा द्विपक्षीय संबंधों में व्यावहारिकता ☐
- म्यांमार के विरोध और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट का कारण ☐
- आर्कटिक महासागर और इसकी प्रासंगिकता ☐
- मध्य एशिया के साथ भारत के संबंधों में निरंतरता ☐
- गिलगित–बाल्टिस्तानः भारत का एक अभिन्न अंग ☐
- भारत की विदेश नीति ☐
- भारत और RCEP ☐
- यूरोपीय संघ–चीन सौदाः ☐
- भारत, संयुक्त अरब अमीरात और CEPA वार्ता ☐
- अमेरिका और चीन के बीच तिब्बत एक आधार बिंदु ☐
- अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और 'लू डॉट' ☐
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सीट ☐
- भारत–फ्रांस–जापान त्रिपक्षीय के लिए समुद्री अवसर ☐
- संयुक्त राष्ट्र में सुधार की आवश्यकता ☐
- 'सॉफ्ट पावर' के गुण ☐
- अरब सागर में चीन की उपस्थिति और भारत पर इसके प्रभाव ☐
- शरणार्थी संकट ☐
- रक्षा प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' पर इसका प्रभाव ☐

****

अर्थव्यवस्था

1. अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था और इसके योजना से संबंधित मुद्दे

- स्वतंत्रता–पूर्व काल में भारतीय अर्थव्यवस्था ☐
- स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर अर्थव्यवस्था ☐
- चुनौतियां ☐
- विशेषताएँ ☐
- आजादी के बाद का भारत ☐
- मुद्दे ☐
- कृषि और उसका अब तक का विकास ☐
- उद्योग ☐
- सेवाएं ☐
- भारत में आर्थिक विकास के चरण ☐
- नेहरूवादी समाजवादी अर्थव्यवस्था ☐
- आर्थिक सुधार ☐
- योजना ☐
- उद्देश्य ☐
- योजना का इतिहास ☐
- प्रत्येक योजना का विश्लेष्ण ☐
- वृद्धि और विकास ☐
  - ► भारत का आर्थिक विकास ☐
  - ► राष्ट्रीय आय निर्धारण ☐
  - ► GDP ☐
  - ► GNP ☐
  - ► NDP ☐
  - ► NNP ☐
  - ► यक्तिगत आय ☐
  - ► आर्थिक वृद्धि बनाम आर्थिक विकास ☐
  - ► आर्थिक विकास के उपाय ☐
- प्रति व्यक्ति आय में वास्तविक वृद्धि ☐
- वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद ☐
- मानव विकास सूचकांक ☐
- GDP ☐
- लिंग संबंधी विकास सूचकांक ☐
- निर्धनता सूचकांक ☐
- भारत में आर्थिक और सामाजिक विकासः सहस्राब्दी विकास लक्ष्य ☐
- संधारणीय विकास लक्ष्य और भारत ☐
- रोजगार ☐

संसाधन

- संसाधनों के प्रकार; भौतिक पूंजी और वित्तीय पूंजी ☐
- संसाधन जुटाने की जरूरत ☐

पुलिस राज्य और लोकतांत्रिक कल्याण राज्य

- संसाधन जुटाने के स्रोत; सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र ☐
- पंचवर्षीय योजना में बचत और निवेश ☐
- बजटीय संसाधनरू कर और गैर–कर ☐
- संसाधन जुटाने में सार्वजनिक ऋण की भूमिका और प्रभाव: बाजार–उधार, ऋण, अनुदान, आदि। ☐
- संसाधन जुटाने में राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों की भूमिका ☐
- संसाधन जुटाने, वांछनीयता और परिणामों में विदेशी निवेश की भूमिका ☐
- बहुपक्षीय एजेंसियां और संसाधन जुटाना ☐

समावेशी विकास और इससे उत्पन्न होने वाले मुद्दे

- समावेशन का अर्थ और अवधारणा ☐
- भारत का अनुभव ☐
- सामाजिक क्षेत्र की पहल और समावेश प्रक्रिया ☐

- आधारभूत वास्तविकता और प्रमुख योजनाओं की कार्यप्रणाली ☐
- इस संदर्भ में भारत की विकास गाथा ☐
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था आधारित विकास ☐
- संधारणीय कृषि, खाद्य सुरक्षा और विकास के लिए नम्यता की आवश्यकता ☐
- सार्वजनिक वितरण योजनाएंरू समावेशी विकास का मार्ग ☐
- समावेशी विकास के साधन के रूप में वित्तीय समावेशन ☐
- समावेशी विकास की रणनीति के रूप में गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन ☐
- समावेशी विकास के साधन के रूप में सामाजिक क्षेत्र का विकास ☐
- समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक –निजी भागीदारी ☐
- समावेशी विकास के लिए औद्योगिक एकीकरण ☐
- समावेशी विकास के लिए एक उपकरण के रूप में क्षेत्रीय और प्रादेशिक क्षेत्रीय विविधीकरण ☐
- समावेशी विकास के लिए सरकारी योजनाएं और नीतियां ☐
- प्रधानमंत्री जन धन योजना ☐
  - ► MUDRA (सूक्ष्म इकाई विकास और पुनर्वित्त एजेंसी) बैंक ☐
  - ► स्वरोजगार और प्रतिभा उपयोग (SETU) ☐
  - ► कौशल भारत ☐
  - ► महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) ☐
  - ► किसान कार्ड ☐
  - ► प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) ☐
  - ► राष्ट्रीय कृषि बाजार (NAM) ☐
  - ► प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ☐
  - ► प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना ☐
  - ► अटल पेंशन योजना ☐
  - ► डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम ☐

सरकारी बजट

- बजट, आर्थिक सर्वेक्षण ☐
- बजट शब्दावली ☐
- बजट के प्रकार ☐
- परिणाम बजट की विशेषताएं ☐
- रेल बजट और आम बजट का विलय ☐
- बजट के लाभ ☐
- बजट प्रक्रिया में कमियां ☐
- बजट विश्लेषण ☐
- सब्सिडी ☐

निवेश मॉडल

- निवेश की आवश्यकता ☐
- निवेश के स्रोत ☐
- निवेश के उपाय ☐
- पूँजी और निवेश ☐
- निवेश को प्रभावित करने वाले कारक ☐
- निवेश का वर्गीकरण ☐
- निवेश मॉडल के प्रकार ☐
- भारत द्वारा अपनाए गए निवेश मॉडल ☐
  - घरेलू निवेश मॉडल ☐
  - ► सार्वजनिक निवेश मॉडल ☐
  - ► निजी निवेश मॉडल ☐
  - ► सार्वजनिक–निजी भागीदारी (PPP) ☐
- विदेशी निवेश मॉडल (FDI, FII, आदि) ☐
- राज्य की भूमिका ☐
- PPP (सार्वजनिक–निजी भागीदारी) ☐
- बचत और निवेश रुझान ☐

राजकोषीय नीति

- भारत में राजकोषीय नीति ☐
- महत्वपूर्ण बजटीय शर्तें और राजकोषीय अवधारणा ☐
- सरकारी राजस्व और खर्च ☐
- घाटा और उसका वित्तपोषण ☐
  - ► राजस्व घाटा ☐
  - ► राजकोषीय घाटा ☐
  - ► प्राथमिक घाटा ☐
  - ► बैलेंस शीट ☐

कराधान

- कराधान का अर्थ ☐
- कराधान के सिद्धांत ☐
- कराधान के उद्देश्य ☐
- संसाधन जुटाने के लिए कराधान ☐
- भारत में कराधान प्रणाली ☐
- भारत की वर्तमान कराधान नीति ☐
- सब्सिडी ☐

- करधान सुधार ☐
- GST और इसकी प्रगति ☐
- भारत में पूर्वप्रभावी करधान ☐

भारत में मौद्रिक नीति

- मौद्रिक नीति के उपकरण ☐
- सुधार–पूर्व युग में मौद्रिक नीति (1948 – 1991) ☐
- सुधार के बाद के युग में मौद्रिक नीति (1991 से) ☐
- उर्जित पटेल समिति की रिपोर्ट ☐
- मौद्रिक नीति समिति और मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ☐

वित्तीय प्रणाली

- भारतीय वित्तीय प्रणाली – एक सिंहावलोकन ☐
- भारतीय वित्तीय प्रणाली के घटक ☐
- वित्तीय संस्थान ☐
  - ► बैंकिंग संस्थान या डिपॉजिटरी संस्थान ☐
  - ► गैर–बैंकिंग संस्थान या गैर–डिपॉजिटरी संस्थान ☐
  - ► अन्य; (नियामक, मध्यस्थ, गैर मध्यवर्ती) ☐
- वित्तीय परिसंपत्तियां (कॉल मनी, नोटिस मनी, टर्म मनी, ट्रेजरी बिल, जमा प्रमाणपत्र, वाणिज्यिक पत्र) ☐
- वित्तीय सेवाएं (बैंकिंग सेवाएं, बीमा सेवाएं, निवेश सेवाएं, विदेशी मुद्रा सेवाएं) ☐
- वित्तीय बाजार (पूंजी बाजार, मुद्रा बाजार, विदेशी मुद्रा बाजार, क्रेडिट बाजार) ☐
- भारतीय वित्तीय बाजार और महामारी ☐

2. बैंकिंग

- भारत में बैंकिंगः परिभाषा, संरचना और कार्य ☐
- बैंकिंग प्रणाली की उत्पत्ति ☐
- भारत में बैंकों के प्रकार ☐
  - ► सेंट्रल बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) ☐
  - ► सहकारी बैंक ☐
  - ► वाणिज्यिक बैंक ☐
- सार्वजनिक क्षेत्रक के बैंक (भारतीय स्टेट बैंक) ☐
- निजी क्षेत्रक के बैंक (एचडीएफसी बैंक) ☐
- विदेशी बैंक (सिटी बैंक) ☐
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ☐
- स्थानीय क्षेत्र के बैंक ☐
- विशिष्ट बैंक (SIDBI Bank, NABARD) ☐
- लघु वित्त बैंक (AU लघु वित्त बैंक) ☐
- पेमेंट बैंक (एयरटेल भुगतान बैंक) ☐
- भारत में बैंकों का राष्ट्रीयकरण ☐
- भारत में बैंकिंग क्षेत्रक में सुधार; नरसिम्हन समिति 1 और 2, नचिकेत मोर समिति, पी.जे नायक समिति ☐
- विकास वित्त संस्थान; IFCI, ICICI, SIDBI, IDBI, UTI, LIC, GIC ☐
- नए बैंक के लाइसेंस मानदंड ☐
- गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) ☐
- भारत में वित्तीय समावेशन; आवश्यकता और भविष्यय PMJDY; भुगतान बैंक और छोटे बैंक ☐
- NPA ☐
- बैंकिंग से संबंधित बिल ☐
- NEO बैंक ☐
- खराब बैंकों की उभरती अवधारणा ☐
- भारत का बीमा क्षेत्रक ☐
- बैंको का निजीकरण ☐
- अकाउंट एग्रीगेटर सिस्टम ☐
- घरेलू व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बैंक (D&SIBs) ☐

विदेश व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संगठन

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ☐
- व्यापार नीति ☐
- भारत का भुगतान संतुलनः ☐
- चालू खाता ☐
- पूंजी खाता ☐
- माल और सेवा खाता ☐
- भारत का BOP प्रदर्शनः ☐
- भुगतान संतुलन बनाम व्यापार संतुलन ☐
- चालू खाता बनाम पूंजी खाता ☐
- विदेशी पूंजी ☐
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण का प्रभाव ☐
- भारत में FDI और FPI, बाहरी वाणिज्यिक उधार ☐
- भारत में विदेशी मुद्रा दर निर्धारण ☐
- विनिमय दर के प्रकार ☐

- भारत में पूंजी और चालू खाता परिवर्तनीयता ☐
- ब्रेटन वुड्स ट्विन्सः ☐
- विश्व बैंक ☐
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ☐
- विश्व बैंक समूह ☐
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) और भारत ☐
- ADB, NDB, BRICS बैंक, AIIB ☐
- भारत से जुड़े द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते ☐
- महत्वपूर्ण रिपोर्ट और पूर्वानुमान ☐

कृषि

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका

- भारत में कृषि की स्थिति ☐
- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और वर्तमान स्थिति ☐
- फसल प्रतिरूप: फसल प्रणालियों के प्रकार: एकल–फसल; फसल चक्र; क्रमवार फसल; अंतर फसल; अनुपद फसल ☐
- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कृषि सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित मुद्दे ☐
  - ► भारत में कृषि सब्सिडीः परिभाषा; कार्यप्रणाली; आवश्यकता; नकारात्मक प्रभाव ☐
  - ► भारतीय कृषि में कृषि सब्सिडी के प्रकारः सिंचाई और बिजली सब्सिडी; उर्वरक सब्सिडी; बीज सब्सिडी; क्रेडिट सब्सिडी ☐
  - ► भारतीय कृषि में सरकारी हस्तक्षेप ☐
  - ► भारतीय कृषि में न्यूनतम समर्थन मूल्यः एमएसपी परिभाषा; कार्यरत; मुद्दे; कमियां; आगे की राह; बफर स्टॉक ☐
  - ► भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली: परिभाषा; मुद्दे; कार्यप्रणाली; आवश्यकता; नुकसान ☐
- भारत में लक्षित पीडीएस, अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई), पीडीएस का विकल्प, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम ☐
- कृषि विपणन ☐
- प्रमुख फसलें: देश के विभिन्न भागों में प्रमुख फसल प्रतिरूप, ☐
- कृषि उपज के विभिन्न प्रकार की सिंचाई, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधितबाधाएं; किसानों के लिए ई–प्रौद्योगिकी ☐
- निर्णायक भूमि अधिकार ☐
- बायोटेक–किसान कार्यक्रम ☐

1. भूमि संसाधन

- भूमि उपयोग ☐
- भूमि क्षमता वर्गीकरण ☐
- भूमि क्षरण के कारण ☐
- भूमि क्षरण का प्रभाव ☐
- भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम ☐
- संधारणीय भूमि प्रबंधन ☐

2. भूमि सुधार

- ब्रिटिश शासन काल में भूमि स्वामित्व का प्रतिरूप ☐
- जमींदारी व्यवस्था (बंगाल का स्थायी बंदोबस्त) ☐
  - ► रैयतवाड़ी व्यवस्था ☐
  - ► महलवारी प्रणाली ☐
  - ► आजादी के बाद से भूमि सुधार ☐
- भारत में भूमि सुधार के उद्देश्य ☐
- भारत में भूमि सुधार की प्रगति ☐
- सीलिंग कानून की प्रगति ☐
- भूमि पट्टे पर नीति आयोग की रिपोर्ट ☐
- SVAMITVA (ग्रामों का सर्वेक्षण और ग्राम क्षेत्रों में सुधारित प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण) ☐

3. कृषि वित्त

- कृषि वित्त की विशेषताएं ☐
- कृषि ऋण के लिए मानदंड ☐
- कृषि वित्त की आवश्यकता ☐
- कृषि वित्त के स्रोत ☐
- कृषि वित्त की समस्याएं ☐

- कृषि के लिए ऋण प्रवाह में सुधार के लिए किए गए उपाय ☐
- भारत में सहकारी साख समितियां ☐
- कृषि जिंसों में व्युत्पन्न व्यापार ☐

4. महत्वपूर्ण योजनाएं

- प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना ☐
- पीएम–किसान योजना ☐
- परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) ☐
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) ☐
- रायथु बंधु योजना ☐
- कृषि ऋण संस्थान ☐
- वाणिज्यिक बैंक ☐
- लीड बैंक योजना ☐
- मल्टी एजेंसी दृष्टिकोण ☐
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ☐
- राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ☐
- भारतीय रिजर्व बैंक ☐
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना ☐
- स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बैंक लिंकेज कार्यक्रम ☐
- ग्रामीण अवसंरचना विकास कोष (आरआईडीएफ) ☐
- कृषि ऋण के लिए सरकार की नीति ☐
- किसान सेवा समितियाँ (FSS) ☐

5. भारत में फसल बीमा

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ☐
- फसल बीमा से संबंधित समस्याएं ☐
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ☐
- पहले की फसल बीमा योजनाओं के साथ तुलना ☐
- चुनौतियां ☐
- महत्वपूर्ण योजनाएं ☐
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) ☐
- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना ☐
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना ☐
- राष्ट्रीय संधारणीय कृषि मिशन (एनएमएसए) ☐

6. कृषि विपणन

- भारत में कृषि विपणन की प्रक्रिया ☐
- भारत में कृषि विपणन की संरचना ☐
- उचित कृषि विपणन का महत्व ☐
- भारत में कृषि विपणन में सुधार के लिए सरकारी उपाय ☐
- एपीएमसी अधिनियम का विश्लेषण ☐
- राष्ट्रीय कृषि बाजार (e-NAM) ☐

7. सब्सिडी

- भारत में सब्सिडी ☐
  - ► कृषि सब्सिडी ☐
  - ► उर्वरक सब्सिडी ☐
  - ► बिजली पर सब्सिडी ☐
  - ► सिंचाई पर सब्सिडी ☐
- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कृषि सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित मुद्दे ☐
- सब्सिडी के उद्देश्य ☐
- आर्थिक नीतियों से लाभ पाने वालों से आर्थिक नीतियों से नुकसान उठाने वालों को संसाधनों का स्थानांतरण ☐
- बफर स्टॉक और खाद्य सुरक्षा के मुद्दे ☐
- प्रौद्योगिकी मिशन ☐
- पशु पालन का अर्थशास्त्र ☐
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली: उद्देश्य, कार्यप्रणाली, सीमाएं, सुधार, सार्वभौमिक पीडीएस से लक्षित पीडीएस तक विकास, लक्षित पीडीएस, पीडीएस की लागत और लाभ का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण ☐
- उपभोक्ताओं की मदद के लिए कीमतों को उचित सीमा के तहत रखने के लिए बफर स्टॉक नीति और खाद्य बाजार में सरकार का हस्तक्षेप ☐
- खाद्य सुरक्षा विधेयक (एफएसबी), एफएसबी के लिए संसाधन जुटाने के प्रश्न, एफएसबी की आलोचना ☐
- सब्सिडी के भविष्य पर महत्वपूर्ण प्रश्न ☐

8. भारत में कृषि क्रांति

- हरित क्रांति ☐
- श्वेत क्रांति – ऑपरेशन फ्लड ☐

- पीली क्रांति ☐
- नीली क्रांति ☐
- गोल्डन फाइबर क्रांति: जूट ☐
- भारतीय कृषि का भविष्य ☐
- भारतीय कृषि में डेटा क्रांति ☐
- कृत्रिम बौद्धिकता और कृषि ☐
- किसानों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ ☐

9. खाद्य प्रसंस्करण

- खाद्य प्रसंस्करण और संबंधित उद्योग: कार्यक्षेत्र और महत्व, स्थान, ऊर्ध्वप्रवाह और अनुप्रवाह क्षेत्रों की आवश्यकताएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन। ☐
- विशिष्ट क्षेत्रों के संबंध में प्रसंस्कृत खाद्य परिदृश्य ☐
- नीतिगत पहल ☐
- खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अवसंरचना विकास ☐
- खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मुद्दे ☐
- खाद्य प्रसंस्करण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति ☐
- भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उल्लेखनीय रुझान ☐
- बजट में अपनाई गई रणनीतियां ☐
- नया विदेशी और घरेलू निवेश ☐
- क्षेत्रक–विशिष्ट सरकारी नीतियां ☐

उद्योग

औद्योगिक नीति और औद्योगिक विकास: मुख्य मुद्दे

- महालनोबिस रणनीति और भारत की औद्योगिक नीति–औद्योगिक नीति संकल्प 1948 और 1956 पर गंभीर रूप से चर्चा करना ☐
- नीति के तहत नई आर्थिक नीति और औद्योगिक नीति ☐
- उदारीकरण ☐
- निजीकरण ☐
- वैश्वीकरण ☐
- औद्योगिक विकास के चरण ☐
- अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव ☐
- औद्योगिक नीति में परिवर्तन और औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव ☐
- अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रकों पर प्रभाव ☐

भारत में औद्योगिक विकास की मुख्य विशेषताएं

- निजी क्षेत्रक और सार्वजनिक क्षेत्रक की भूमिका, औद्योगिक क्षेत्र में निवेश, रोजगार, उत्पादकता, लाभ आदि ☐
- विनिवेश और निजीकरण के लिए रणनीतियाँ ☐
- लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों की भूमिका, सरकारी नीति, मुख्य समस्याएं, वैश्वीकरण के प्रभाव ☐
- नई विनिर्माण नीति ☐
- औद्योगिक संवितरण और औद्योगिक गलियारे ☐
- विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र – मुख्य मुद्दे जैसे भूमि उपयोग, उन्हीं उद्योगों का स्थानांतरण जो मौजूद हैं, निर्यात आय बनाम कर आय की हानि ☐
- औद्योगिक रुग्णता, रुग्ण उद्योगों की सहायता के लिए संस्थागत तंत्र, निकास नीति संबंधी मुद्दे ☐
- भारत के औद्योगिक विकास में मुख्य बाधाएँ ☐
- उद्योगों पर वैश्वीकरण का प्रभाव, भारत में उद्योग पर उप–प्रधान संकट और संप्रभु ऋण संकट ☐
- भारत में औद्योगिक वित्तः विकास बैंकिंग, वाणिज्यिक बैंकिंग, उद्यम पूंजी, औद्योगीकरण में एंजेल पूंजी और उद्यमिता को बढ़ावा देने की भूमिका ☐
- मेक इन इंडिया की उपलब्धियां ☐
- एमएसएमई क्षेत्र का कायाकल्प और भारत पर प्रभाव ☐

अवसंरचना

- अवसंरचना–आर्थिक प्रभाव, सामाजिक विकास पर प्रभाव, पर्यावरणीय प्रभाव ☐
- परिवहन ☐
  - ► बंदरगाह ☐
  - ► महासागर परिवहन मार्ग ☐
  - ► अंतर्देशीय जलमार्ग ☐
  - ► अंतर्देशीय जलमार्ग के मुख्य क्षेत्र ☐
- सड़कें ☐
  - ► महत्व ☐
  - ► सड़कों पर सरकार का जोर ☐
  - ► अवसंरचना ☐
  - ► राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन ☐
  - ► भारतमाला परियोजना ☐
- हवाई अड्डे ☐
  - ► हवाई मार्ग और महत्व ☐
  - ► हवाई परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक ☐
- रेलवे ☐
  - ► रेलवे: रेलमार्ग को प्रभावित करने वाले कारक ☐
  - ► विश्व में रेलमार्गों का वितरण ☐
- ऊर्जा (पाइपलाइन) ☐
  - ► ऊर्जा पाइपलाइन परिवहन ☐
  - ► पेट्रोलियम (तेल) पाइपलाइन ☐
  - ► गैस पाइपलाइन ☐
- परिवहन का महत्व और विकास ☐
- परिवहन के साधन ☐
- परिवहन लागत और आर्थिक दूरी ☐
- परिवहन में परिचालन लागत ☐
- सरकार की परिवहन नीति ☐
- विश्व में परिवहन प्रतिरूप ☐
- परिवहन लागत और विशेषज्ञता ☐
- आधुनिक युग में परिवहन और व्यापार ☐
- परिवहन लागत और अर्थव्यवस्था की वृद्धि ☐
- परिवहन लागत में गिरावट से पड़ोसियों के बीच व्यापार बढ़ता है ☐
- परिवहन लागत बढ़ने से देशों के भीतर ही वस्तुएं इकट्ठा हो जाती हैं ☐
- परिवहन के नकारात्मक बाहरी पहलू ☐
- महत्वपूर्ण मुद्दे ☐
- स्वामित्व और वित्तपोषण ☐
- सार्वजनिक उपयोगिताओं का मूल्य निर्धारण ☐
- निवेश के अवसर के रूप में अवसंरचना ☐
- परियोजना में देरी–कारण और दूर करने के उपाय ☐
- सार्वजनिक निजी भागीदारी और संबंधित मुद्दे ☐
- सड़कों, रेलवे, सिंचाई और बिजली परियोजनाओं का संचालन और रखरखाव ☐
- मुख्य समस्याएं और समाधान ☐

1. महत्वपूर्ण योजनाएं

- प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान ☐
- मेगा इन्वेस्टमेंट टेक्सटाइल पार्क (मित्रा) योजना ☐
- भारत में अवसंरचना परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण और विकास बैंक (NaBFID) ☐
- राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) ☐

2. हाल की प्रगति

- खाद्य सुरक्षा और संधारणीय भविष्य के लिए दालें ☐
- सामान्य बीमा संशोधन विधेयक ☐
- राष्ट्रीय शहरी डिजिटल मिशन ☐
- 'एक जिला एक उत्पादरू एक संभावित गेम चेंजर' ☐
- प्रस्ताव 22: गिग अर्थव्यवस्था का भविष्य ☐
- केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा ☐
- आभासी (वर्चुअल) मुद्राएं ☐

- आभासी मुद्राओं पर कर लगाना ☐
- जी–एसएपी 1.0 : बाजार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभूति अधिग्रहण योजना ☐
- G-7 कॉर्पोरेट टैक्स डील ☐
- प्राकृतिक गैस विपणन में प्रमुख सुधार ☐
- राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन ☐
- खाद्य तेल पर राष्ट्रीय मिशन ☐
- शून्य दोष शून्य प्रभाव योजना ☐
- विश्व भूख सूचकांक 2021 ☐
- विश्व असमानता रिपोर्ट ☐
- भारत का दूरसंचार क्षेत्र और मुद्दे ☐
- हरित ऊर्जा की ओर बढ़ना ☐
- गिग अर्थव्यवस्था और भारत ☐
- खाद्य और कृषि राज्य 2021 ☐
- भारत में उर्वरक की कमी ☐
- विश्व रोजगार और सामाजिक आउटलुक– रुझान 2022 रिपोर्ट ☐
- ई–ग्राम स्वराज ई–वित्तीय प्रबंधन प्रणाली ☐

समकालीन मुद्दे

- वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 ☐
- भारतीय कृषि में डेटा क्रांति ☐
- बैलेंस शीट को साफ करने के लिए बैड बैंक ☐
- बैंकों का निजीकरण ☐
- निर्णायक भूमि स्वामित्व ☐
- 'एक जिला एक उत्पादरू पूर्वोत्तर अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक संभावित गेम चेंजर' ☐
- प्रस्ताव 22, गिग अर्थव्यवस्था का भविष्य ☐
- आभासी मुद्राओं पर कर लगाना ☐
- जीडीपी अब विकास का सही पैमाना नहीं रहा ☐
- आरबीआई सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पेश करेगारू डिप्टी गवर्नर ☐
- G-7 कॉर्पोरेट टैक्स डील का भारत के लिए महल ☐
- 15वें वित्त आयोग की अंतरिम रिपोर्ट: निरंतरता और राजकोषीय समेकन ☐
- राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन ☐
- प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान ☐
- कृत्रिम बौद्धिकता और कृषि–कृषि में आईसीटी का उपयोग ☐
- नीति आयोग की भूमिका ☐
- क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां: विश्वसनीयता और जवाबदेही ☐
- क्रिप्टो–मुद्राओं की अवधारणा ☐
- कृषि ऋण माफी की प्रथा ☐
- बैंकिंग क्षेत्र में समेकन: पक्ष और विपक्ष ☐
- महिलाएं और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका ☐
- सर्कुलर इकोनॉमी: नए से सदैव नए तक ☐
- आभासी मुद्रा के लिए आगे क्या है? ☐
- 'व्यापार सुधार कार्य योजना' ☐
- वित्तीय समावेशन सूचकांक (एफआईआई) ☐
- आवश्यक वस्तु अधिनियम ☐
- जेंडर बजटिंग ☐
- आर्थिक विकास की क्षेत्रीय क्लस्टर अवधारणा ☐
- 'विटामिन ए और डी के साथ खाद्य तेल का फोर्टिफिकेशन (मिलाना)' ☐
- 'बांग्लादेश और वियतनाम के विकास की कहानी से सबक' ☐
- 'प्लेटफॉर्म कार्यकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित भविष्य' ☐
- 'नीति आयोग ने भारत ऊर्जा मॉडलिंग फोरम के संचालन ढांचे की घोषणा की' ☐
- आरबीआई स्टार्टअप्स को प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग (पीएसएल) के तहत लाएगा ☐

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

1. रसायन विज्ञान

- तत्व और अणु ☐
- पदार्थों की अवस्थाएं ☐
- परमाणु संरचना ☐
- रासायनिक बंधन ☐
- धातु और अधातु ☐
- धातुकर्म ☐
- अम्ल और क्षार ☐
- विद्युत–रसायन के अनुप्रयोग (बैटरी और चार्जिंग डिवाइस) ☐
- विलयन के गुण ☐
- रोजमर्रा की जिंदगी में रसायन ☐
- बहुलक और जैव बहुलक ☐
- औषधियों का रसायन ☐
- कार्बन और उसके अपररूप ☐
- हाइड्रोकार्बन और उनके व्युत्पन्न ☐
- जैव अणु ☐
- विटामिन और एंजाइम ☐

2. भौतिक विज्ञान

- मौलिक कणों के गुण ☐
- मौलिक बल ☐
- ऊर्जा और इसके विभिन्न प्रकार ☐
- प्रकाशिकी ☐
- विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम ☐
- भौतिकी के नियम और सिद्धांत, सापेक्षता ☐
- विद्युत चुंबकत्व ☐
- ऊष्मा और ऊष्मागतिकी ☐
- तरंगें ☐
- यांत्रिक ☐
- विद्युतचुंबकीय तरंगें ☐
- ब्रह्मांड ☐
- ग्रह, तारे और आकाशगंगाएँ ☐
- बिग–बैंग सिद्धांत और विलक्षणता ☐
- डार्क मैटर और ऊर्जा ☐
- ब्लैक होल ☐
- न्यूट्रिनो वेधशाला ☐
- गुरुत्वीय तरंगें ☐
- सौर कलंक ☐
- चुंबक और न्यूट्रॉन तारे ☐
- उप–परमाणु कण ☐

3. जीवविज्ञान

- जीवन की रासायनिक निर्माण इकाई ☐
- जीवन का इतिहास और उत्पत्ति ☐
- जीवित प्राणियों की विविधता ☐
- जीवित प्राणियों का वर्गीकरण क्षेत्र ☐
- विषाणु ☐
- प्राक्केन्द्रकी जीव ☐
- सुकेंद्रिक जीव ☐
- प्रजीव ☐
- पौधे ☐
- कवक ☐
- पशु ☐
- उत्पत्ति ☐
- जीवन की उत्पत्ति ☐
- मानव की उत्पत्ति ☐

4. आनुवंशिकी

- वंशानुगतता ☐
- डीएनए और आरएनए ☐

- जीन व्यवहार ☐
- जीन नियमन ☐
- उत्परिवर्तन ☐

5. कोशिका

- कोशिका संरचना ☐
- झिल्ली ☐
- कोशिका–कोशिका संपर्क ☐
- श्वसन ☐
- ऊर्जा और चयापचय ☐
- कोशिका विभाजन ☐
- ऊतक ☐
- उपकला ऊतक ☐
- संयोजी ऊतक ☐
- मांसपेशी ऊतक ☐
- तन्त्रिका तन्त्र ☐
- हृदयपेशी ☐
- यकृत ☐

6. अंग और मानव शरीर क्रिया विज्ञान

- अंतःस्रावी तंत्र ☐
- श्वसन तंत्र ☐
- परिसंचरण तंत्र ☐
- कंकाल और पेशीय तंत्र ☐
- प्रजनन ☐
- उत्सर्जन, परासरण नियमन और ताप नियमन ☐
- पाचन तंत्र ☐
- प्रतिरक्षा तंत्र ☐
- पोषण ☐
- ऊर्जा और कार्बन के स्रोत के आधार पर वर्गीकरण ☐
- पौधों में पोषण ☐
- जीव–जंतुओं में पोषण ☐
- मानव आहार ☐

7. पौधे का शरीर क्रिया विज्ञान

- प्रकाश संश्लेषण ☐
- श्वसन ☐
- पादप जल संतुलन ☐
- प्रजनन ☐

8. आर्थिक प्राणी विज्ञान

- मानव कल्याण में सूक्ष्मजीव ☐
- लाभकारी जीव–जंतु ☐
- लाभकारी कीट ☐

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान

- आवृतबीजी का परिवार ☐
- ऊतक संवर्धन ☐
- कलम लगाना ☐
- बागवानी ☐

10. इमेजिंग तकनीक

- सीटी स्कैन ☐
- चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) ☐
- पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (पीईटी) ☐

11. जैविक ईंधन उत्पादन

- जीवाश्म ईंधन की उत्पत्ति और महत्व ☐
- जैव संहिता से जैव ईंधन ☐
- बायोडीजल ☐
- प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम ☐
- हाइड्रोजन ☐

12. जैव प्रौद्योगिकी

- आनुवांशिक इंजीनियरिंग, प्रक्रिया और अनुप्रयोग ☐
- जीनोमिक्स ☐
- प्रोटिओमिक्स ☐
- आरएनए प्रकार और प्रौद्योगिकी ☐
- जीनोम अनुक्रमण और उसके अनुप्रयोग ☐
- पर्यावरण में जैव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग ☐
- जैव खाद ☐
- जैवोपचारण ☐
- सूक्ष्मजीव उपचारण ☐
- कार्बन कैप्चर तकनीक ☐

13. पादप जैव प्रौद्योगिकी

- ट्रांसजीनी पादप ☐

- पादप जैव प्रौद्योगिकी के तरीके और अनुप्रयोग ☐
- पशु जैव प्रौद्योगिकी ☐
- ट्रांसजीनी पशु ☐
- पशु जैव प्रौद्योगिकी के तरीके और अनुप्रयोग ☐
- खाद्य और पेय उद्योग में जैव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग ☐
- जैव प्रसंस्करण ☐
- बायोरिएक्टर ☐
- एंजाइमों का उत्परिवर्तन ☐
- खाद्य प्रसंस्करण ☐
- एकल कोशिकीय प्रोटीन ☐
- खाद्य पोषण वृद्धि (फूड फोर्टिफिकेशन) ☐
- कृषि में जैव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग ☐
- जीएम प्रौद्योगिकी ☐
- जीएम फसलें ☐
- कीट प्रतिरोधी पादप ☐

14. जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा

- जीन संपादन ☐
- जीन थेरेपी ☐
- आणविक निदान ☐
- पीसीआर (PCR) ☐
- एलिसा (ELISA) ☐
- प्रतिपिंड–प्रतिजन की अंतः क्रिया और पहचान ☐
- भ्रूण स्थानांतरण तकनीक ☐
- स्टेम सेल और उनकी इंजीनियरिंग ☐
- जैव औषधिचिकित्सीय प्रोटीन ☐
- ब्रेन फिंगरप्रिंटिंग प्रौद्योगिकी ☐
- जैवनैतिकता और जैव चोरी ☐
- जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल ☐
- जैव प्रौद्योगिकी में आईपीआर ☐
- जैव प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी में हाल के रुझान ☐

15. मानव स्वास्थ्य और रोग

- मानव में रोग ☐
- मानव में सामान्य रोग और उनके कारक ☐
- पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोग ☐
- आणविक जीव विज्ञान और मानव रोग ☐
- गुणसूत्र वंशानुक्रम और रोग ☐
- अतिरिक्त गुणसूत्र वंशानुक्रम और रोग ☐
- वाहक जनित रोग ☐
- जलजनित रोग ☐
- जीवन शैली से होने वाले रोग ☐
- प्रतिरक्षा और इसके प्रकार ☐
- टीकाकरण और प्रतिरक्षीकरण ☐
- भारत का टीकाकरण कार्यक्रम ☐
- दवाइयाँ ☐
- एंटीबायोटिक्स ☐
- एंटीवायरल और एंटिफंगल दवाएं ☐
- मोनोक्लोनल एंटीबॉडी थेरेपी ☐
- रोगाणुरोधी दवा प्रतिरोध ☐
- औषधि निर्माण ☐
- भारत में दवा मूल्य निर्धारण ☐
- फार्माकोजेनेटिक्स ☐

16. अंतरिक्ष

- अंतरिक्ष कक्षाओं के प्रकार ☐
- प्रक्षेपण यान के प्रकार और उनके अनुप्रयोग ☐
- प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियों के अंतरिक्ष मिशन ☐
- नासा ☐
- इसरो ☐
- ईएसए ☐
- रोस्कोसमोस ☐
- जाक्सा ☐
- सीएनएसए ☐
- इसरो और राष्ट्रीय विकास में इसकी भूमिका ☐
- अंतरिक्ष में निजी क्षेत्रक ☐
- अंतरिक्ष क्षेत्रक में सार्वजनिक–निजी भागीदारी ☐
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी ☐
- क्रायोजेनिक्स ☐
- नैनो उपग्रह ☐
- विद्युत प्रणोदन ☐
- विमानन इंटरनेट, स्टारलिंक संचार ☐
- उपग्रह संचार ☐

- रिमोट सेंसिंग और इसके अनुप्रयोग ☐
- ग्राउंड सेगमेंट–एज–ए–सर्विस ☐
- हरित प्रणोदक ☐
- डीप स्पेस एटॉमिक क्लॉक ☐

17. सामरिक आयाम

- अंतरिक्ष हथियार ☐
- ए–सैट प्रौद्योगिकी ☐
- लेजर प्रौद्योगिकी ☐
- एचजीवी प्रौद्योगिकी ☐
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग ☐
- विभिन्न अंतरिक्ष वेधशालाएं ☐
- विभिन्न टेलीमेट्री ☐
- नेविगेशन ☐
- ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम ☐
- गैलीलियो ☐
- ग्लोनास ☐
- आईआरएनएसएस ☐
- बाह्य अंतरिक्ष की भू–राजनीति ☐

18. रक्षा

- मिसाइल प्रणाली और वर्गीकरण ☐
- बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल ☐
- भारत की मिसाइल प्रणाली ☐
- एकीकृत निर्देशित मिसाइल कार्यक्रम ☐
- मिसाइल रक्षा कार्यक्रम ☐
- रक्षा प्रौद्योगिकी ☐
- रक्षा क्षेत्र में रोबोटिक्स का अनुप्रयोग ☐
- रक्षा में कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) का प्रयोग ☐
- इंटरनेट ऑफ मिलिट्री थिंग्स (प्वडज) ☐
- साइबर युद्ध और तैयारी ☐
- ड्रोन तकनीक ☐
- मानवरहित हवाई वाहन ☐
- स्टील्थ तकनीकउन्नत रक्षा उपकरण ☐
- वायु रक्षा प्रणाली ☐
- 3–डी प्रिंटिंग मिसाइलें ☐
- घातक स्वचालित हथियार ☐
- हाइपरसोनिक तकनीक ☐
- हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन ☐
- हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें ☐

19. हथियार प्रणाली

- परंपरागत हथियार ☐
- सामूहिक विनाश का हथियार ☐
- विखंडन और संलयन बम ☐
- रासायनिक हथियार ☐
- जैविक हथियार ☐
- निर्देशित ऊर्जा हथियार ☐

20. रक्षा सुधार

- सीडीएस ☐
- विभिन्न समितियां और सिफारिशें ☐
- युद्ध के क्षेत्र ☐
- रक्षा मंच ☐
- पनडुब्बी ☐
- विमान वाहक ☐
- लड़ाकू विमान ☐
- रक्षा संगठन और प्रयोगशालाएं ☐
- रक्षा अभ्यास ☐

21. परमाणु ऊर्जा

नाभिकीय अभिक्रियाओं के प्रकार

- परमाणु ऊर्जा और इसका अनुप्रयोग ☐
- परमाणु ऊर्जा के नागरिक और सैन्य अनुप्रयोग ☐
- परमाणु ईंधन और अपकेंद्रीकरण ☐
- परमाणु भट्ठी (नाभिकीय रिएक्टर) ☐
- भारत की परमाणु नीति ☐
- नाभिकीय विकिरण (परमाणु विकिरण) और इसका प्रभाव ☐
- रेडियोधर्मी अपशिष्ट ☐
- नाभिकीय और विकिरण आपदाएं ☐
- परमाणु ऊर्जा विकास में शामिल संस्थान ☐
- परमाणु ऊर्जा विभाग ☐
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड ☐
- भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ☐
- इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र ☐

22. इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार

- **कंप्यूटर**
  - कंप्यूटर की पीढ़ी ☐
  - कंप्यूटर शब्दावली ☐
  - सुपर कंप्यूटर और इसके अनुप्रयोग ☐
  - क्लाउड कंप्यूटिंग ☐
- **सूचना प्रौद्योगिकी**
  - आईटी के अवयव ☐
  - आईटी सक्षम सेवाएं ☐
  - आईटी का अनुप्रयोग ☐
- **डिस्प्ले प्रौद्योगिकियां**
  - कैथोड किरण ☐
  - एलसीडी ☐
  - एलईडी ☐
  - प्लाज्मा मॉनिटर ☐
  - ओलेड (OLED) ☐
  - एमोलेड (।डव्स्क्) ☐
  - मोबाइल पीढ़ियां ☐
  - स्मार्टफोन ☐
  - नेट निरपेक्षता ☐
  - इंटरनेट ऑफ थिंग्स ☐
  - बिग डेटा पहल और गोपनीयता ☐
  - साइबर क्राइम और सिक्योरिटी ☐
  - सरकार की पहलें ☐

23. नैनो विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकियां

- नैनो विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी की मूल बातें ☐
- नैनो पदार्थ (नैनो सामग्री) ☐
- **नैनो प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग**
  - ► नैनो मेडिसीनव ☐
  - ► अर्धचालक और कंप्यूटिंग ☐
  - ► भोजन ☐
  - ► वस्त्र ☐
  - ► संधारणीय ऊर्जा ☐
  - ► पर्यावरण ☐
  - ► परिवहन ☐
  - ► अंतरिक्ष ☐
- कृषि ☐
- नैनो टेक्नोलॉजी के प्रभाव ☐
- प्रतिकूल स्वास्थ्य और पर्यावरण ☐
- सामाजिक और नैतिक प्रभाव ☐
- भारत में नैनो–विज्ञान और नैनो–प्रौद्योगिकी ☐

24. रोबोटिक्स और एआई

- **रोबोटिक्स**
  - मशीन बनाम कंप्यूटर बनाम रोबोट ☐
  - रोबोट के भाग ☐
  - रोबोटों का वर्गीकरण ☐
  - रोबोट के फायदे और नुकसान ☐
  - कृषि उद्योग, रक्षा, आदि में रोबोटिक्स के अनुप्रयोग। ☐
- **आर्टिफिशियल** (AI)
  - न्यूरल नेटवर्क ☐
  - मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग ☐
  - एआई का अनुप्रयोग ☐
  - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स ☐

25. बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)

- बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) क्या हैं? ☐
- बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रकार ☐
- बौद्धिक संपदा अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय समझौते और संस्थान ☐
- भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था ☐
- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति ☐

26. संस्थान और नीति

- **संस्थान और नीति**
  - विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की नीति ☐
  - विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए विभिन्न नीतियां ☐
  - संस्थागत संरचना ☐
  - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ☐

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) ☐
- विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड ☐
- प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ☐
- राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड ☐
- मानव संसाधन विकास के स्रोत के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी ☐
- विज्ञान से संबंधित पुरस्कार ☐
- भारत और विज्ञान परियोजनाओं में वैश्विक सहयोग ☐
- प्रौद्योगिकी दृष्टि दस्तावेज 2035 ☐
- विद्युत वाहन (इलेक्ट्रिक व्हीकल) ☐

समकालीन मुद्दे

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ☐
- नेट निरपेक्षता ☐
- स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली का महत्व ☐
- बिग डेटा पहल ☐
- परमाणु प्रौद्योगिकीरू लाभ और हानियां ☐
- कंप्यूटर गेम की लत और खतरे ☐
- वेब 3.0 क्रांति ☐
- निगरानी प्रणाली में सुधारः समय की मांग ☐
- '5जी के लांच की उलटी गिनती' ☐
- डीप फेक ☐
- पल्स ऑक्सीमेट्री और ऑक्सीजन का महत्व ☐
- बाह्य अंतरिक्ष की भू–राजनीति ☐
- आईएसपीए (ISpA) को लांच किया जाना ☐
- प्रधानमंत्री ने पहली गैर–जीएम शाकनाशी–सहिष्णु चावल की किस्में जारी कीं ☐
- दुर्लभ रोगों के लिए राष्ट्रीय नीति (NPRD) 2021 ☐
- भारत में भू–स्थानिक क्षेत्रक काउदारीकरण ☐
- किसानों की सहायता के लिए ☐
- राष्ट्रीय सुरक्षा की परियोजनाओं को संभालने के लिए इसरो को नियुक्त किया जाना ☐
- भारत गहरे समुद्र हेतु मिशन को लांच करेगा ☐
- ब्रेन फिंगरप्रिंटिंग प्रौद्योगिकी ☐
- डीएनए प्रौद्योगिकी (उपयोग और अनुप्रयोग) विनियमन विधेयक, 2019 ☐
- अंतरिक्ष सुरक्षा ☐
- मंगल ग्रह पर इंसानों को भेजना ☐
- संश्लेषण जीवविज्ञान ☐
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इसकी जलवायु लागत ☐
- 'भारत के एक चौथाई से अधिक कैंसर मामलों का मूल कारण तंबाकू' ☐
- यूथ–प्रतिरक्षा (हर्ड इम्यूनिटी) ☐
- 'एच 9 एन 2' ☐
- 2036 में भारत की जनसंख्या में स्त्रियों की संख्या अधिक होने की उम्मीद है ☐
- संपर्क ट्रेसिंग प्रौद्योगिकी ☐
- 'विलवणीकरण संयंत्र' ☐
- लीथियम–समृद्ध विशाल सितारों की खोज ☐
- चंद्रमा का पहला डिजिटल भूवैज्ञानिक मानचित्र ☐
- नासा का आर्टेमिस मिशन ☐
- 'पॉलीक्रैक प्रौद्योगिकी' ☐
- हंटिंगटिन रोग ☐
- 'अभ्यास हाई–स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (HEAT)' ☐
- 'सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ टारपीडो (SMART) सिस्टम' ☐
- नासा का स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप ☐
- मंगल इनसाइट मिशन ☐
- "वायेजर 2" ☐
- 'ओमेगा सेंटॉरी ग्लोबुलरक्लस्टर' ☐
- नियॉन: द वर्चुअल ह्यूमन ☐
- "जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट" ☐
- "जीसैट –1 मिशन" ☐
- 'एरियल अंतरिक्ष मिशन' ☐
- राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN&SPACe) ☐

पर्यावरण और पारिस्थितिकी

1. पारिस्थितिकी

- पारिस्थितिकी के प्रकार ☐
- पारिस्थितिक अनुक्रम ☐
- पारिस्थितिकी का दायरा ☐
- पर्यावास और पारिस्थितिक निकेत ☐
- गहरी बनाम उथली पारिस्थितिकी ☐
- पारिस्थितिक सिद्धांत ☐
- पारिस्थितिक समुदाय ☐
  - ► समुदाय की संरचना और विशेषताएं ☐
  - ► स्तरीकरण ☐
  - ► इकोटोन ☐
  - ► पारिस्थितिक प्रभाविता ☐
  - ► मौसमी और दैनिक उतार–चढ़ाव ☐
  - ► आवधिकता ☐
  - ► आवर्त (टर्नओवर) ☐
  - ► अन्योन्याश्रितता ☐
- पारिस्थितिक अनुक्रम ☐
  - ► अनुक्रम के प्रकार और उसकी प्रक्रिया ☐
  - ► चरम समुदाय ☐
- सहिष्णुता की सीमा, अधिकतम सीमा ☐
- पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के बीच अंतर ☐

2. पारिस्थितिकी तंत्र और इसकी गतिशीलता

- पारिस्थितिकी तंत्र की परिभाषाएँ ☐
- पारिस्थितिकी तंत्र के कार्य और गुण ☐
- पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना / घटक ☐
  - ► अजैविक घटक ☐
  - ► जैविक घटक ☐
- पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशीलता ☐
  - ► पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह ☐
  - ► पोषी स्तर ☐
  - ► खाद्य श्रृंखला ☐
  - ► खाद्य श्रृंखला के प्रकार और महत्व ☐
  - ► खाद्य जाल ☐
  - ► ऊर्जा प्रवाह के लिए मॉडल ☐
  - ► पारिस्थितिक उत्पादकता ☐
  - ► पारिस्थितिक पिरामिड ☐
- जैव आवर्धन ☐
- जैविक नियंत्रण ☐
- जैविक खेती ☐

3. जैव–रासायनिक चक्र

- जैव भू–रासायनिक चक्र के भाग ☐
- जैव रासायनिक चक्र के प्रकार ☐
  - ► कार्बन चक्र ☐
  - ► नाइट्रोजन चक्र ☐
  - ► फास्फोरस चक्र ☐
  - ► सल्फर चक्र ☐

4. बायोमः वन, घास का मैदान, पर्वत और मरुस्थल पारिस्थितिक तंत्र

- जीवोम (बायोम) ☐
- घास के मैदान ☐
- टुंड्रा ☐
- मरुस्थल ☐
- थार मरुस्थल ☐
- पर्वतीय जीवोम (माउंटेन बायोम) ☐

5. जलीय जीवन क्षेत्रः महासागर, नदियाँ, झीलें और आर्द्रभूमि

- जलीय पारिस्थितिक तंत्र ☐
- महासागर के बारे में बुनियादी तथ्य ☐
- महासागर का महत्व ☐
- महासागर के जोन ☐
  - ► समुद्री जीवन ☐
- प्रवाल भित्तियां ☐
- भारत में प्रवाल भित्तियाँ ☐
- प्रवाल भित्तियों का संरक्षण ☐
- मैंग्रोव ☐
- भारत में मैंग्रोव ☐
- भारत में अलवणजल ☐
- झीलों का महत्व ☐
- राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना ☐
- आर्द्रभूमियां और उनका महत्व ☐
- रामसर कन्वेंशन ☐
- रामसर स्थल ☐
- मॉन्ट्रो रिकॉर्ड ☐
- भारत में आर्द्रभूमियों का विस्तार और वितरण ☐
- भारत के आर्द्रभूमि का संरक्षण ☐

6. जैव विविधता की मूल बातें

- जैव विविधता ☐
- जैव विविधता के महत्वपूर्ण प्रकार ☐
- पारिस्थितिकी तंत्र में विविधता की कोटि ☐
- स्थानिक प्रजातियां ☐
- मुख्य (कीस्टोन) प्रजातियां ☐
- संकेतक प्रजातियां ☐
- आक्रामक प्रजातियां ☐
- विस्थानिक (एलोपेट्रिक) और समस्थानिक जातिउद्भवन ☐
- जैव सूचना विज्ञान ☐
  - ► जैव विविधता वितरण ☐
- व्यापक प्रजाति विविधता वाले (मेगाडाइवर्स) देश ☐
- जैव विविधता के उपयोग और मूल्य ☐
- वैश्विक जैव विविधता की स्थिति ☐
- जैव विविधता के लिए खतरा ☐
- जैव विविधता हॉटस्पॉट ☐
- पारिस्थितिकी क्षेत्र ☐
- जैव विविधतामें पारंपरिक ज्ञान की भूमिका ☐
- बायोपाइरेसी ☐
- प्रजातियों का विलुप्तीकरण ☐
- प्रजातियों का बड़े पैमाने पर विलुप्त होना ☐
- IUCN की वर्गीकरण योजना ☐
- संकटग्रस्त प्रजातियों की (IUCN) लाल सूची ☐
- भारत में जैव विविधता का स्तर ☐
- भारत का जैव भूगोल वर्गीकरण ☐

7. जैव विविधता संरक्षण

- बाह्य–स्थाने एवं स्वस्थाने संरक्षण ☐
- बीज बैंक ☐
- जैव विविधता संरक्षण में चिड़ियाघरों की भूमिका ☐
- वनस्पति उद्यान ☐
- संरक्षित क्षेत्र ☐
- विश्व में संरक्षित क्षेत्रों की स्थिति ☐
- यूनेस्को का मानव एवं जैवमंडल कार्यक्रम (MAB) ☐
- जैवमंडल निचयों (बायोस्फीयर रिजर्व्स) की विशेषताएं ☐
- जैव विविधता संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझौते ☐
- जैव विविधता पर कन्वेंशन ☐
- कार्टाजेना प्रोटोकॉल ☐
- नागोया प्रोटोकॉल ☐
- आइची जैव विविधता लक्ष्य ☐
- भारत के महत्वपूर्ण तटीय और समुद्री जैव विविधता क्षेत्र ☐
- भारत के महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBAs) ☐
- वैश्विक बाघ पहल (ग्लोबल टाइगर इनिशिएटिव) ☐
- बाघ परियोजना (प्रोजेक्ट टाइगर) ☐
- हाथी परियोजना (प्रोजेक्ट एलीफेन्ट) ☐
- इंडियन राइनो विजन ☐
- गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए बहाली कार्यक्रम ☐
- जैव विविधता के संरक्षण के लिए स्वदेशी ज्ञान का उपयोग ☐

- सीड विलेज ☐

8. पर्यावरण पर मानव गतिविधियों का प्रभाव

- पर्यावरण पर आधुनिक कृषि का प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर मानव आवास व्यवस्था निर्माण करने का प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर विद्युत उत्पादन का प्रभाव ☐
- नदी घाटी परियोजनाओं (जल संसाधन परियोजनाओं) का पर्यावरण पर प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर खनन का प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर परिवहन गतिविधियों का प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर पर्यटन का प्रभाव ☐

9. जल संसाधनों का क्षरण

- जल चक्र (हाइड्रोलॉजिकल चक्र) ☐
- उपलब्धता और गुणवत्ता पहलू (भूजल का अवक्षय) ☐
- जल जनित और जल–प्रेरित रोग ☐
- पेयजल में फ्लोराइड की समस्या ☐
- पेयजल में आर्सेनिक की समस्या ☐

10. खनिज और पर्यावरण क्षरण

- खनन और पर्यावरण ☐
- खनन के प्रति चुनिंदा पारिस्थितिकी प्रणालियों की संवेदनशीलता ☐
- खनन का प्रभाव ☐
- खनन का अप्रत्यक्ष प्रभाव ☐
- खनन पर अंतर्राष्ट्रीय कानून ☐
- भारतीय खनन क्षेत्र के प्रभाव को विनियमित करने के लिए मुख्य अधिनियम या संविधि ☐
- संधारणीय खनन ☐

11. निर्वनीकरण

- निर्वनीकरण के कारण ☐
- जलवायु परिवर्तन के लिए निर्वनीकरण के निहितार्थ ☐
- भारत के वन्यजीवों पर निर्वनीकरण के परिणाम ☐
- भारतीय मानसून पर निर्वनीकरण का प्रभाव ☐
- लोगों पर निर्वनीकरण का प्रभाव ☐
- निर्वनीकरण से जल और मृदा संसाधनों की हानि और ☐
- आर्थिक प्रभाव ☐
- निर्वनीकरण को कम करने के लिए रणनीतियाँ ☐
- वनों के संरक्षण के लिए सरकारी कार्यक्रम ☐
- लोगों की भागीदारी का उपयोग करते हुए वनों के संरक्षण के लिए कानून ☐
- वन संसाधन प्रबंधन में लोगों की भागीदारी में सुधार के लिए कदम ☐
- स्थानीय पारंपरिक विधियों का उपयोग ☐

12. अपशिष्ट प्रबंधन

- ठोस अपशिष्ट ☐
- खतरनाक अपशिष्ट ☐
- ई–अपशिष्ट ☐
- जैव चिकित्सा अपशिष्ट ☐
- प्लास्टिक अपशिष्ट ☐
- अपशिष्ट प्रबंधन के तरीके ☐
- अपशिष्ट निपटान ठीक तरीके से न किए जाने के प्रभाव ☐
- लैंडफिल ☐

13. संधारणीय विकास

- संधारणीयता के सिद्धांत ☐
- संधारणीयता या संधारणीय नैतिकता या प्राकृतिक संसाधन के न्यायसंगत उपयोग का मापन ☐
- संधारणीय जीवन शैली (संधारणीय विकास में व्यक्ति की भूमिका) ☐
- संधारणीय विकास के लिए चुनौतियां ☐
- संधारणीयता प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयास ☐

14. पर्यावरणीय प्रदूषण

- वायु प्रदूषण ☐
- वायु प्रदूषण के स्रोत ☐
- वायु प्रदूषण के प्रभाव ☐
- वायु प्रदूषकों का वर्गीकरण ☐
- वायु प्रदूषण के नियंत्रण उपाय ☐
- वायु प्रदूषण आपदाएं ☐

- गैसीय वायु प्रदूषकों की लंबी दूरी तक पहुँचना ☐
- राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक ☐
- जल प्रदूषण ☐
- जल प्रदूषण के स्रोत ☐
- जल प्रदूषकों के प्रकार ☐
- जल प्रदूषण के प्रभाव ☐
- जल गुणवत्ता मानक ☐
- जल प्रदूषण का नियंत्रण ☐
- तापीय प्रदूषण ☐
- तापीय प्रदूषण के स्रोत ☐
- तापीय प्रदूषण के प्रभाव ☐
- तापीय प्रदूषण का नियंत्रण ☐
- मृदा प्रदूषण या भूमि क्षरण ☐
- मृदा प्रदूषण के स्रोत ☐
- मृदा प्रदूषण के प्रभाव ☐
- नियंत्रण उपाय ☐
- ध्वनि प्रदूषण ☐
- वायु जनित रोग ☐
- विषाक्त पदार्थः विषाक्त पदार्थ, विषाक्तता और विष विज्ञान ☐
- विषाक्तता को प्रभावित करने वाले कारक ☐
- कैंसर जनक (कार्सिनोजेन्स) ☐

15. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

- ठोस अपशिष्ट के स्रोत ☐
- ठोस अपशिष्ट का प्रभाव ☐
- ठोस अपशिष्ट नियंत्रण के उपाय ☐
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम ☐
- खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन (HWM) ☐

16. तटीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन

- मैंग्रोव ☐
- मैंग्रोव की मुख्य विशेषताएं ☐
- मैंग्रोव का महत्व ☐
- भारत में मैंग्रोव ☐
- संकटग्रस्त मैंग्रोव ☐
- संरक्षण के लिए कानूनी और नियामक दृष्टिकोण ☐
- ज्वारनद मुख (एस्चुअरी) ☐
- ज्वारनद मुखों का महत्व ☐
- ज्वारनद मुखों के लिए खतरे ☐
- प्रवाल भित्तियों ☐
- आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियां ☐
- प्रवाल भित्तियों का उपयोग ☐
- प्रवाल भित्ति का संरक्षण ☐
- तटीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन के लिए उठाए गए कदम ☐

17. हाल के घटनाक्रम

- वायु प्रदूषण ☐
- वायु प्रदूषण पर रिपोर्ट ☐
- भारत स्टेज उत्सर्जन मानक ☐
- प्रदूषक द्वारा भुगतान किए जाने की व्यवस्था का मॉड ☐
- घरेलू वायु प्रदूषण ☐
- अपशिष्ट को खुले में जलाया जाना और इसका प्रभाव ☐
- प्रदूषण निवारण हेतु, चरणबद्ध अनुक्रिया योजना (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) ☐
- संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक एयरलाइन उत्सर्जनों की सीमाएं निर्धारित कीं ☐
- अपशिष्ट प्रबंधन ☐
- जैवनिम्नीकरणीय प्लास्टिक ☐
- ग्रीन ट्रेन कॉरिडोर ☐
- तेल रिसाव ☐
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन–बफर जोन ☐
- अन्य समाचार ☐
- वनों मे लगने वाली आग पर संसदीय समिति की रिपोर्ट ☐
- शहरी वानिकी योजना ☐
- पालतू जानवरों की दुकानों को विनियमित करने के लिए अधिसूचना का प्रारूप ☐
- जानवरों की खाल के आयात पर प्रतिबंध ☐
- नदियों को जोड़ने की परियोजना और पर्यावरण पर प्रभाव ☐
- शैवाल प्रस्फुटन का मुद्दा ☐
- अवैध नमक खनन और इसका प्रभाव ☐
- भारत की आर्द्रभूमि रिपोर्ट, 2016 ☐

- गहरे समुद्र में खनन ☐
- बड़े पैमाने पर प्रवाल विरंजन ☐
- गंगा नदी प्रदूषण ☐

18. पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

- पर्यावरणीय प्रभाव आकलन ☐
- पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) संपन्न करने वाला सरकारी निकाय ☐
- पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) के तहत विश्लेषण किए जाने वाले पर्यावरणीय प्रभाव ☐
- पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की प्रक्रिया ☐
- पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) नियम 1984 ☐

19. पर्यावरण कानून

- पर्यावरण कानून: पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारतीय संविधान में प्रावधान ☐
- वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की मुख्य विशेषताएं ☐
- जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की मुख्य विशेषताएं ☐
- वन संरक्षण अधिनियम, 1980 की मुख्य विशेषताएं ☐
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की मुख्य विशेषताएं ☐
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की मुख्य विशेषताएं ☐
- पर्यावरण संरक्षण में सरकार की भूमिका ☐

20. पर्यावरण से संबंधित संस्थान और संगठन

- प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ☐
- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ☐
- भारतीय वन सर्वेक्षण ☐
- राष्ट्रीय वन्यजीवन बोर्ड ☐

21. योजनाएं

- इकोमार्क योजना ☐
- राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम ☐
- राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना ☐
- स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन ☐
- राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) ☐
- मरुस्थलीकरण रोकने के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई कार्यक्रम ☐
- उजाला योजना ☐
- भारत स्टेज मानक ☐

22. अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण शासन

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ☐
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ☐
- जैव विविधता केंद्र ☐
- प्रकृति के लिए वर्ल्ड वाइड फंड (WWF) ☐
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची ☐
- बर्डलाइफ इंटरनेशनल ☐
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / प्रोटोकॉल और उनके उद्देश्य ☐
- जलवायु परिवर्तन की मूल बातें ☐
- ग्रीन हाउस प्रभाव और ग्लोबल वार्मिंग ☐
- वैश्विक जलवायु परिवर्तनरू ग्लोबल वार्मिंग या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयास ☐
- ओजोन परत अवक्षय या ओजोन छिद्र ☐
- अम्ल वर्षा (एसिड रेन) ☐
- अल–नीनो ☐
- ला–नीना ☐

23. शहरीकरण और जलवायु

- महानगरों में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ☐
- रियल एस्टेट का अंधाधुंध विकास और पर्यावरण क्षरण ☐
- शहरी ताप द्वीप (अर्बन हीट आइलैंड) ☐
- पॉलिथीन बैग और प्रदूषण ☐
- अपशिष्ट से मीथेन उत्पादन ☐

24. कृषि का जलवायु पर प्रभाव

- कृषि कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को बढ़ाती है ☐
- एकल प्रजाति कृषि की पद्धति जैव विविधता को प्रभावित करती है ☐

- रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के कारण प्रदूषण ☐
- मृदा से संबंधित प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर उर्वरकों का प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर पशुधन का प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर कीटनाशकों के उपयोग का प्रभाव ☐
- पर्यावरण पर आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसल का प्रभाव ☐
- कृषि पद्धतियों से मीथेन का उत्सर्जन ☐
- संधारणीय कृषि तकनीकें ☐

25. ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापन) और स्वास्थ्य

- ग्लोबल वार्मिंग के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव ☐
- मच्छर जनित बीमारियां ☐
- ओजोन अपक्षय और मानव स्वास्थ्य ☐

समकालीन मुद्दे

- 'जैविक खेती की मांग में तेजी ☐
- 'भारत में सटीक खेती (प्रीसीजन फार्मिंग) की अवधारणा' ☐
- कनाडा का मिल्ने आइस शेल्फ ☐
- 'अक्टूबर के अंत तक आर्कटिक बर्फ फिर से जमने में विफल, एक नया कीर्तिमान स्थापित' ☐
- बांग्लादेश का एक चौथाई हिस्सा बाढ़ के कारण जलमग्न हो गया है: NASA ☐
- '2060 तक शुद्ध शून्य: चीन का साहसिक नया कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य' ☐
- 'दुनिया के समुद्री घास का संरक्षण' ☐
- 'एल्डब्रा की प्रवाल भित्तियाँ विरंजन ☐
- भारत में टिड्डियों का हमला ☐
- पश्चिमी घाट का संरक्षण ☐
- दिल्ली में स्मॉग टावर: ☐
- 'कामधेनु दीपावली अभियान' ☐
- "सुखना झील 'जीवित प्राणी' बन गई" ☐
- 'एनबीआर में विदेशी पौधों की वृद्धि को रोकने के लिए केरल की तैयारी' ☐
- पुनीतस सैंक्तस मछली ☐
- बागजान में पारिस्थितिक आपदा ☐
- 'जलवायु परिवर्तन और जंगल की आग के बीच संबंध' ☐
- हिमालय के ग्लेशियरों पर जमा ब्लैक कार्बन ☐
- व्यापक प्लास्टिक प्रदूषण ☐
- त्रिमेरेसुरुस सालाजार ☐
- 'जलवायु परिवर्तन और कोमोडो ड्रेगन' ☐
- 'काजीरंगा में आर्द्रभूमि प्रजातियों की सर्वाधिक संख्या' ☐
- वायु प्रदूषण ☐
- भारत में कार्बन टैक्स और व्यवहार्यता ☐
- नवीकरणीय ऊर्जा की मांग ☐
- भारत का अपशिष्ट प्रबंधन संकट ☐
- प्रदूषकों पर जुर्माना सिद्धांत ☐
- पर्यावरण प्रबंधन में जनभागीदारी ☐
- ई–कचरा: खजाना या खतरा? ☐
- भारत के लिए नेट जीरो लक्ष्य को पाना मुश्किल क्यों है? ☐
- विश्व विषाक्त सीसा से मुक्त: यूएनईपी ☐
- जंगल की आग: ☐
- मानव–वन्यजीव संघर्ष ☐
- प्लास्टिक प्रदूषण को मात देने के लिए प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम ☐
- सर्कुलर बायोइकोनॉमी ☐
- जलवायु परिवर्तन शमन के लिए भारत के वनों की शक्ति का दोहन ☐
- कार्बन कैप्चर, उपयोगिता और भंडारण (सीसीयूएस) ☐
- प्राचीन बावड़ी और जल प्रबंधन ☐
- आपस में जुड़ी आपदा जोखिम ☐

आंतरिक सुरक्षा

1. आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां

- सुरक्षा खतरे के रूप में सामाजिक विविधता ☐
- आंतरिक चुनौतियाँ ☐
- सुरक्षा खतरे के रूप में पड़ोसी ☐
- सुरक्षा खतरे के रूप में गैर–राज्य अभिकर्ता ☐
- ऐसे गैर–राज्य अभिकर्ताओं के प्रति राज्य की संवेदनशीलता का वैश्विक सूचकांक और मापन ☐
- कानून और व्यवस्था बनाम आंतरिक सुरक्षा ☐

2. भारत के लिए आतंकवाद का खतरा

- भारत के लिए आतंकवाद का खतरा ☐
- आतंकवाद का बदलता चेहरा ☐
- भारत द्वारा सामना किए जा रहे आतंकवाद के खतरे ☐
- आतंकवाद से निपटने के लिए व्यापक ढांचा ☐
- खुफिया अवसंरचना में कमियां ☐

3. संगठित अपराध

- संगठित अपराध के प्रकार ☐
- संगठित अपराधों को नियंत्रित करने में समस्याएँ ☐
- भारत में मादक पदार्थों की तस्करी ☐
- संगठित अपराधों का मुकाबला करना ☐
- आतंकवाद और भारत में संगठित अपराध का जुड़ाव ☐

4. विकास और उग्रवाद के प्रसार के बीच संबंध

- नक्सल आंदोलन का घोषित उद्देश्य ☐
- कोविड 19 और नक्सलवाद ☐
- नक्सलवाद को आम आदमी का भारी समर्थन क्यों मिला? ☐
- नक्सलवाद आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा क्यों है? ☐

5. उत्तर–पूर्व में उग्रवाद

- मुद्दे और संघर्ष ☐
- असम विद्रोह ☐
- बोडो मुद्दे का समाधान ☐

6. सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां

- सीमा प्रबंधन के लिए चुनौतियाँ ☐
- सीमा प्रबंधन में आने वाली समस्याएं ☐
- सीमा प्रबंधन के लिए सामुदायिक भागीदारी ☐

7. साइबर सुरक्षा की मूल बातें

- साइबर अपराध के प्रकार ☐
- प्रभाव और आवश्यक कदम ☐
- हाल की घटनारू रैंसमवेयर ☐
- भारत की साइबर सुरक्षा अवसंरचना ☐
- भारत की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013 ☐

8. साइबर युद्ध

- साइबर हमले के उदय में योगदान देने वालेध्बढ़ाने वाले कारक ☐

- साइबर युद्ध से निपटने के लिए हालिया पहल ☐

9. सोशल मीडिया और आंतरिक सुरक्षा खतरा

- आंतरिक सुरक्षा के लिए भारत में सोशल मीडिया का विनियमन ☐
- सोशल मीडिया की निगरानी में चुनौतियां ☐
- वे उपाय जिनकी आवश्यकता है ☐

10. काले धन को वैध बनाना

- धन शोधन का अर्थ ☐
- धन शोधन के हानिकारक प्रभाव ☐
- सरकार द्वारा उठाए गए कदम ☐

भारत में काला धन

- भारत में समानांतर अर्थव्यवस्था ☐
- काले धन पर अंकुश लगाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं? ☐
- काले धन पर नोटबंदी का प्रभाव ☐
- आलोचनाएँ ☐

भारत में पुलिस सुधार

- संगठनात्मक संरचना ☐
- पुलिस के कर्तव्य और दायित्व ☐
- पुलिस व्यवस्था में केंद्र की भूमिका ☐
- पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां ☐
- गैर–पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां (एनटीएस) ☐
- पुलिस सुधार के लिए सिफारिशें ☐
- पुलिस जो हमें 21वीं सदी में चाहिए ☐

विभिन्न सुरक्षा बल और उनका अधिदेश

- असम राइफल्स ☐
- सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ☐
- भारत–तिब्बत सीमा पुलिस ☐
- केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ☐
- केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ☐
- राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड ☐
- एकीकृत थिएटर कमांड ☐
- राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक ☐
- अर्धसैनिक बलों की समस्याएं ☐

समकालीन मुद्दे

- तालिबान का उदय भारत के लिए आंतरिक सुरक्षा चुनौती ☐
- रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के लिए गैर–व्यपगत आधुनिकीकरण कोष (एमएफडीआईएस) ☐
- भारत में मादक पदार्थों की तस्करी ☐
- कोविड 19 और नक्सलवाद ☐
- ड्राफ्ट ड्रोन नियम, 2021 नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी किया गया ☐
- जम्मू बेस पर ड्रोन आतंकी हमलारू खतरनाक नया मोड़ ☐
- एकीकृत थिएटर कमांड का प्रस्तावित मॉडल ☐
- राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक की नियुक्ति ☐
- भारत की साइबर सुरक्षा का आकलन करना ☐
- सर्विलांस में सुधाररू समय की जरूरत ☐
- साइबर खतरों से लड़ने से पहले उन्हें समझने की जरूरत है ☐
- डेटा सुरक्षा और आधार सुरक्षा ☐
- भारत में साइबर सुरक्षा पर बहस ☐
- सीमा प्रबंधन से संबंधित समस्याएं ☐

****

नैतिकता, सत्यनिष्ठा और अभिवृत्ति

1. नैतिकता

- नैतिकता के आयाम ☐
- नैतिकता का सार ☐
- भारतीय परिप्रेक्ष्य और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य के रूप में नैतिक अध्ययन के दृष्टिकोण ☐
- आचार, नैतिकता और मूल्य की मूल अवधारणा ☐
- सार्वजनिक जीवन में नैतिकता ☐
- आर्थिक जीवन में नैतिकता ☐
- स्वतंत्रता और अनुशासन ☐
- कर्तव्य और अधिकार ☐
- पुण्य नैतिकता ☐
- मानव क्रियाओं में नैतिकता के परिणाम ☐
- सरकार में मूल्य और नैतिकता: विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ☐
- मूल्य शिक्षा में परिवार का योगदान ☐
- मूल्यों को विकसित करने में समाज का योगदान ☐
- मूल्यों को विकसित करने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका ☐

2. मानवीय मूल्य

- मानवीय मूल्य और समाजीकरण ☐
- व्यक्तिगत व्यक्तित्व और मूल्य ☐
- मूल्य और कौशल ☐
- मौलिक और वाद्य मूल्य ☐
- लोकतांत्रिक मूल्य ☐
- शासन में नैतिक मूल्य की भूमिका और समाज ☐
- सिविल सेवाओं में मूल्य का महत्व ☐

सौंदर्य मूल्य

- कार्य जीवन और पेशेवर में मूल्य ☐
- आचार विचार ☐

3. सिविल सेवाओं की अभिवृत्ति और मूलभूत मूल्य

- सिविल सेवकों के लिए आवश्यक अभिवृत्ति ☐
- सिविल सेवाओं के मूलभूत मूल्य ☐
- तटस्थता ☐
- सिविल सेवा में जवाबदेही ☐
- ईमानदारी ☐
- विनम्रता ☐
- अनुकूलनशीलता ☐
- उदारता ☐
- दृढ़ता ☐
- निष्पक्षता और गैर–पक्षपात ☐
- कमजोर वर्ग के लिए सहिष्णुता और करुणा ☐
- समाज के लिए योगदान ☐

4. भारत और विश्व विचारक

- भारतीय विचारक ☐
- महात्मा गांधी ☐
- डॉ. एस राधाकृष्णन ☐
- रविंद्रनाथ टैगोर ☐
- स्वामी दयानंद सरस्वती ☐
- महादेव गोविंद रानाडे ☐

- श्री अरबिंदो ☐
- स्वामी विवेकानंद ☐
- सरदार पटेल ☐
- बुद्ध ☐
- भीम राव अम्बेडकर ☐
- राजा राम मोहन राय ☐
- छत्रपति शाहू महाराज ☐
- मदर टेरेसा ☐
- अमिताभ चौधरी ☐
- अरुणा रॉय ☐
- टी. एन. शेषन ☐
- ई.श्रीधरन ☐

प्रशासनिक विचारक

- मैक्स वेबर ☐
- एल्टन मेयो ☐
- पीटर ड्रूक्कर ☐
- चेस्टर बर्नार्ड ☐
- मैरी पार्कर फोलेट ☐

विश्व विचारक

- प्लेटो ☐
- अरस्तू ☐
- सुकरात ☐
- जेरेमी बेन्थम ☐
- जे.एस.मिल ☐
- थॉमस हॉब्स ☐
- जॉन लोके ☐
- जौं – जाक रूसो ☐
- जॉन रॉल्स ☐
- इम्मैनुएल कांत ☐
- कैरल गिलिगन ☐
- जीन पॉल सार्त्र ☐
- जॉर्ज विल्हेम फ्रेडरिक हेगेल ☐
- कन्फ्यूशियस ☐
- रेने डेस्कर्टेस ☐
- काल मार्क्स ☐
- एडम स्मिथ ☐
- थॉमस एक्विनास ☐
- डेविड ह्यूम ☐
- डेमोक्रिटस ☐
- गैलीलियो ☐
- फ्रेडरिक निएत्ज्स्चे ☐
- मौन्टेस्कयू ☐
- वॉल्टेयर ☐
- थॉमस जेफरसन ☐

5. भारतीय और विश्व नेता

- बेंजामिन फ्रैंकलिन ☐
- मार्टिन लूथर किंग ☐
- दलाई लामा ☐
- नेल्सन मंडेला ☐
- महात्मा गांधी ☐
- सिद्धार्थ गौतम ☐
- अंग सान सू की ☐
- स्वामी विवेकानंद ☐
- अल्बर्ट आइंस्टीन ☐
- अब्राहम लिंकन ☐
- मदर टेरेसा ☐
- जे एल नेहरू ☐
- ली कुवन येऊ ☐
- हेनरी फोर्ड ☐
- अब्दुल कलाम ☐
- मुहम्मद यूनुस ☐
- वंगारी मथाई ☐
- कोफी अन्नान ☐
- लेच वालेसा ☐
- डेसमंड टूटू ☐
- आइजैक न्यूटन ☐
- एली विजल ☐
- राजा अशोक ☐
- सन यात – सेन ☐

6. अभिवृत्ति

- अभिवृत्ति के घटक ☐
- प्रभावी घटक ☐

- संज्ञानात्मक घटक ☐
- व्यवहार घटक ☐
- अभिवृत्ति के कार्य ☐
- समायोज्य कार्य ☐
- अहंकार–रक्षात्मक कार्य ☐
- मूल्य–अभिव्यंजक कार्य ☐
- ज्ञान कार्य ☐
- अभिवृत्ति गठन मॉडल ☐
- विश्वासों और मूल्यों का प्रभाव ☐
- समूह प्रभाव ☐
- सामाजिक प्रभाव ☐
- अनुनय रणनीति ☐
- अनुनय के उपकरण ☐
- नैतिक अभिवृत्ति गठन ☐
- राजनीतिक अभिवृत्ति गठन ☐

7. भावनात्मक बुद्धि

- भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ जुड़े सिद्धांत ☐
- क्या भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित की जा सकती है? ☐
- भावनात्मक दक्षताओं के घटक ☐
- आत्म–जागरूकता समूह: भावनाओं को समझना और सटीक आत्म–मूल्यांकन ☐
- स्व–प्रबंधन समूह: आंतरिक राज्यों, आवेगों और संसाधनों का प्रबंधन ☐
- सामाजिक जागरूकता समूह: लोगों और समूहों को सटीक रूप से पढ़ना ☐
- संबंध प्रबंधन समूह: दूसरों में वांछनीय प्रतिक्रियाओं को प्रेरित करना ☐
- कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व ☐
- सिविल सेवा में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व ☐

8. लोक प्रशासन में मूल्य और नैतिकता

- सार्वजनिक संस्थान में नैतिक सरोकार ☐
- निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार ☐
- सार्वजनिक और निजी संस्थानों में नैतिक दुविधाएं ☐
- नैतिक मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में कानून, नियम और विनियम ☐
- जवाबदेही और नैतिक शासन ☐
- शासन में नैतिक और सदाचार मूल्यों का सुदृढ़ीकरण ☐
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिक निर्णय ☐
- वित्त पोषण में नैतिक संबंध ☐
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध और नैतिक जिम्मेदारी की अवधारणा ☐
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों के कामकाज में नैतिकता ☐
- कॉर्पोरेट गवर्नेंस क्या है? ☐
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के मॉडल ☐
- विश्व बैंक द्वारा सुशासन के लिए उठाए गए कदम ☐
- भारत में कॉर्पोरेट सरकार के लिए मानदंड ☐
- व्यापार नैतिकता की अवधारणा ☐

9. शासन में सत्यनिष्ठा

- लोक सेवा की अवधारणा ☐
- शासन और सत्यनिष्ठा का दार्शनिक आधार ☐
- सूचना साझा करना, पारदर्शिता और सूचना का अधिकार ☐
- आरटीआई में खामियां और सुधार की सिफारिशें ☐
- सतर्क नागरिकों का महत्व ☐
- सूचना साझा करना और भागीदारी ☐
- आचार संहिता का महत्व ☐
- व्यवसायों में आचार संहिता ☐
- मंत्रियों के लिएय विधायकों के लिए; सिविल सेवकों के लिएय नियामकों और न्यायपालिका के लिए आचार संहिता ☐
- नागरिक चार्टर के घटक ☐
- नागरिक चार्टर तैयार करने के चरण ☐
- कार्य संस्कृति की अवधारणा ☐
- काम करने के लिए भारतीय दृष्टिकोण ☐
- कार्य संस्कृति में सुधार के तरीके ☐
- सेवा वितरण की गुणवत्ता ☐

- सार्वजनिक धन का उपयोग ☐
- फंड जारी करने और उनके उपयोग में समस्याएं ☐
- व्यय पर संसदीय नियंत्रण ☐
- भारत में भ्रष्टाचार: सीमा, आयाम और प्रतिक्रिया ☐
- एक सामाजिक बुराई के रूप में भ्रष्टाचार ☐
- सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी सिविल सेवकों और अधिकारियों के बीच भ्रष्ट आचरण ☐
- भ्रष्टाचार को उजागर करना: नागरिक समाज की पहल और व्हिसलब्लोअर (सचेतक) अधिनियम की भूमिका ☐
- भ्रष्टाचार से निपटनारू सरकार और शासन की संस्थाओं की भूमिका ☐
- भ्रष्टाचार को नियंत्रित करना: विभिन्न दृष्टिकोण और प्रभावकारिता ☐

10. प्रयुक्त नैतिकता

इच्छामृत्यु मुद्दा

- सामाजिक और नैतिक कोण ☐
- इच्छामृत्यु से संबंधित विभिन्न तर्क ☐
- निष्कर्ष ☐

किराए की कोख

- केस स्टडी ☐
- मुद्दे ☐
- नैतिक मुद्दे ☐
- किराये की कोख की अवधारणा ☐
- निष्कर्ष ☐

खेल और नैतिकता

- खेलों का महत्त्व ☐
- नैतिक मुद्दा: खेल भावना की आवश्यकता ☐
- नैतिक मुद्दा: डोपिंग ☐
- नैतिक मुद्दा: भेदभाव और यौन उत्पीड़न ☐
- नैतिक मुद्दा: एक व्यवसाय के रूप में खेल ☐
- आवश्यक कदम ☐

मीडिया की नैतिकता

- मीडिया की भूमिका ☐
- संवाददाताओं के समक्ष नैतिक मुद्दे ☐
- मीडिया द्वारा परीक्षण (ट्रायल) ☐
- मीडिया पूर्वाग्रह ☐
- फोटो पत्रकारों द्वारा सामना की गई नैतिक दुविधा ☐
- डिजिटल मीडिया की नैतिकता ☐
- पेड न्यूज ☐

व्यापार में नैतिकता

- व्यापार में नैतिकता के सिद्धांत ☐
- संगठन में व्यावसायिक नैतिकता से संबंधित आयाम ☐
- व्यापार नैतिकता और कॉर्पोरेट प्रशासन ☐
- परोपकार से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की यात्रा ☐
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित मुद्दे ☐
- व्यावसायिक नैतिकता के कार्यान्वयन में मुद्दे ☐

आर्थिक प्रतिबंधों से संबंधित नैतिकता

- आर्थिक प्रतिबंध क्यों लगाए जाते हैं? ☐
- आर्थिक प्रतिबंधों में नैतिकता ☐
- निष्कर्ष ☐

शरणार्थी और नैतिकता

- प्रव्रजन क्यों होता है? ☐
- सीरिया की केस स्टडी ☐
- शरणार्थी संकट से संबंधित दुविधाएं ☐
- आवश्यक कदम ☐

वैश्वीकरण की नैतिक दुविधा

- वैश्वीकरण क्या है ☐
- वैश्वीकृत दुनिया में मुक्त व्यापार ☐
- नव विकसित व्यापार पैटर्न के मुद्दे ☐
- वैश्विक शासन के विरुद्ध आलोचना ☐
- आगे की राह ☐

युद्ध की नैतिकता

- नैतिकता और युद्ध के सिद्धांत ☐
- युद्ध की बुराईयां ☐

पर्यावरण नैतिकता

- नैतिकता और पर्यावरण के बीच संबंध ☐

- पर्यावरण नैतिकता से संबंधित सिद्धांत ☐
- व्यक्ति की भूमिका ☐

जैव प्रौद्योगिकी में नैतिक मुद्दे

- स्टेम सेल से संबंधित मुद्दे ☐
- क्लोनिंग से संबंधित मुद्दे ☐
- डिजाइनर शिशुओं से संबंधित मुद्दे ☐

पशु नैतिकता

- परिचय (भूमिका) ☐
- जानवरों पर अनुसंधान करने के मुद्दे ☐
- जानवरों को पालतू जानवर के रूप में रखने का मुद्दा ☐
- जानवरों के प्रति क्रूरता का मुद्दा ☐
- निष्कर्ष ☐

खाद्य अपमिश्रण और नैतिकता

- नैतिक आयाम ☐
- खाद्य योज्य से संबंधित नैतिक मुद्दा ☐

गर्भपात: नैतिक या अनैतिक

- भारत में गर्भपात के कानून ☐
- हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का फैसला ☐
- नैतिक मुद्दा: महिलाएं बनाम भ्रूण का स्वास्थ्य ☐
- गर्भपात का औचित्य ☐
- गर्भपात के खिलाफ तर्क ☐
- गर्भपात और महिला अधिकार ☐
- गर्भपात और पिता के अधिकार ☐

सम्मान रक्षा हेतु हत्या

- ऑनर किलिंग अनैतिक ☐
- खाप पंचायतों की भूमिका ☐

वैवाहिक बलात्कार

- वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में क्यों नहीं रखा जाना चाहिए? ☐
- वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में क्यों रखा जाना चाहिए? ☐
- बाधाएं क्या हैं? ☐

बाल श्रम में शामिल नैतिक मुद्दा

- बच्चों के अधिकार ☐
- बाल श्रम और कम्पनी ☐
- समाधान ☐
- उपभोक्ता की भूमिका ☐

किशोर को वयस्क मानने में सम्मिलित नैतिक मुद्दा

- किशोर न्याय प्रणाली ☐
- नकारात्मक प्रभाव ☐

नैतिकता और बुढ़ापा

- नैतिक मुद्दे ☐
- सामने आने वाली समस्याएं ☐
- स्वायत्तता का महत्व ☐

सार्वजनिक और निजी संबंधों में नैतिकता

- निजी संबंधों में नैतिक मूल्य ☐
- सार्वजनिक संबंधों में नैतिक सिद्धांत ☐
- निजी संबंधों और सार्वजनिक संबंधों के बीच संबं ☐

****

GS SCORE
An Institute for Civil Services

CSE RESULTS

SUCCESS IS A PRACTICE WE DO!